नवबिहार टाइम्स

निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी दैनिक

विष्णुपद मंदिर कारिडोर परियोजना की समीक्षा बैठक करते मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी

• बोकारो, गुरुवार, 23 मार्च 2026 • वर्ष : 09 • अंक : 333 • पृष्ठ : 12 • मूल्य : 3.00 रु. • RNI No. : JHAHIN2017/72655 • बोकारो व औरंगाबाद से प्रकाशित

जेपीएससी मॉडल उत्तर पर विवादः पहले जारी, फिर हटाया, संशोधन के बाद दोबारा अपलोड

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। झारखंड लोक सेवा आयोग द्वारा संयुक्त सिविल सेवा प्रारंभिक प्रतियोगिता परीक्षा के मॉडल उत्तर को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। आयोग ने परीक्षा समाप्त होने के अगले ही दिन तत्परता दिखाते हुए मॉडल उत्तर जारी तो कर दिया, लेकिन उसमें पाई गई त्रुटियों के कारण उसे जल्द ही वेबसाइट से हटाना पड़ा। इस पूरी प्रक्रिया ने अभ्यर्थियों के बीच सवाल खड़े कर दिए हैं।

मॉडल उत्तर में कई गलतियों की नोट किया गया

यह परीक्षा 19 अप्रैल को आयोजित हुई थी। इसके बाद आयोग ने 20 अप्रैल की देर शाम दोनों प्रश्न पत्रों के मॉडल उत्तर अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर अपलोड कर दिए थे। शुरुआत में इसे आयोग की तेजी और पारदर्शिता के तौर पर देखा गया, लेकिन जल्द ही अभ्यर्थियों ने मॉडल उत्तर में कई गलतियों की ओर ध्यान दिलाना शुरू कर दिया।

त्रुटियों को लेकर उठे सवाल

झारखंड लोक सेवा आयोग

मामला संज्ञान में आते ही आयोग ने मंगलवार सुबह बिना किसी पूर्व सूचना के मॉडल उत्तर को वेबसाइट से हटा दिया। इस कदम से अभ्यर्थियों में असमंजस की स्थिति बन गई, क्योंकि आयोग की ओर से न तो हटाने का कारण स्पष्ट किया गया और न ही कोई आधिकारिक सूचना जारी की गई। सोशल मीडिया और विभिन्न इंटरनेट प्लेटफॉर्म पर इसको लेकर तरह-तरह के सवाल उठने लगे।

24 अप्रैल शाम 5 बजे तक आपत्तियां दर्ज कराई जा सकती हैं

हालांकि, उसी दिन मंगलवार की शाम आयोग ने संशोधित मॉडल उत्तर दोबारा वेबसाइट पर अपलोड कर दिया। इस बार कुछ त्रुटियों को सुधारने का दावा किया गया है। आयोग ने अभ्यर्थियों को पारदर्शिता का भरोसा दिलाते हुए संशोधित उत्तरों पर आपत्ति और सुझाव आमंत्रित किए हैं। अभ्यर्थी 24 अप्रैल शाम 5 बजे तक अपनी आपत्तियां दर्ज करा सकते हैं।

इस पूरे घटनाक्रम पर छात्र संगठनों और अभ्यर्थियों ने भी प्रतिक्रिया दी है। जेपीएससी से जुड़े मामलों के सक्रिय नेता देवेंद्र नाथ महतो ने कहा कि मॉडल उत्तर में त्रुटियों को लेकर लगातार सवाल उठाए गए, जिसके बाद आयोग हरकत में आया और सुधार की प्रक्रिया शुरू की गई। उन्होंने कहा कि आयोग को इस तरह की महत्वपूर्ण प्रक्रिया में अधिक सावधानी बरतनी चाहिए, ताकि अभ्यर्थियों का विश्वास बना रहे।

मॉडल उत्तर को लेकर हुई इस उठापटक ने आयोग की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए हैं। अभ्यर्थी अब उम्मीद कर रहे हैं कि अंतिम उत्तर कुंजी जारी करते समय आयोग पूरी पारदर्शिता और सटीकता सुनिश्चित करेगा, ताकि किसी भी प्रकार का विवाद उत्पन्न न हो।

नक्सलियों की साजिश नाकाम, 64 बंडल कोडेक्स तार बरामद

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

गिरिडीह। जिले में सुरक्षाबलों ने नक्सलियों की एक बड़ी साजिश को विफल कर दिया है। सीआरपीएफ की 154वीं बटालियन और गिरिडीह पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में पारसनाथ की तराई स्थित खुखरा थाना क्षेत्र से 64 बंडल कोडेक्स वायर बरामद किया गया है। यह बरामदगी कानीडीह, चतरो और जोकाई नाला के पास सघन सर्च ऑपरेशन के दौरान हुई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, गिरिडीह के पुलिस अधीक्षक डॉ. बिमल कुमार और सीआरपीएफ 154 बटालियन के कमांडेंट सुनील दत्त तिवारी को गुप्त सूचना मिली थी कि भाकपा माओवादी संगठन द्वारा उक्त इलाके में विस्फोटक सामग्री छिपाकर रखी गई है। सूचना के आधार पर त्वरित कार्रवाई करते हुए एक संयुक्त टीम का गठन किया गया। इस टीम में गिरिडीह एएसपी अभियान सुरजीत, सीआरपीएफ के डिप्टी कमांडेंट अमित कुमार झा और खुखरा थाना प्रभारी रविंद्र कुमार सिंह के नेतृत्व में सीआरपीएफ की क्विक एक्शन टीम और जिला पुलिस बल के जवान शामिल थे। टीम ने पारसनाथ के पहाड़ी और दुर्गम क्षेत्रों में व्यापक तलाशी अभियान चलाया। इसी दौरान जोकाई नाला के समीप छिपाकर रखे गए 64 बंडल कोडेक्स वायर बरामद किए गए। पुलिस के अनुसार, हाल ही में हजारीबाग जिले में सुरक्षाबलों के साथ हुई मुठभेड़ में चार नक्सलियों के मारे जाने के बाद संगठन बौखलाया हुआ था। आशंका जताई जा रही है कि नक्सली किसी बड़ी विध्वंसक घटना को अंजाम देने की फिराक में थे और उसी के लिए इस विस्फोटक सामग्री को छिपाकर रखा गया था।

एएसपी अभियान सुरजीत ने बताया कि समय रहते मिली सूचना और त्वरित कार्रवाई के कारण नक्सलियों की योजना को नाकाम कर दिया गया। फिलहाल पूरे इलाके में सर्च ऑपरेशन और सतर्कता बढ़ा दी गई है।

झारखंड में अफीम की खेती पर सख्ती

डीजीपी तदाशा मिश्र ने दिए कड़े निर्देश

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। झारखंड में अवैध अफीम की खेती और मादक पदार्थों के दुरुपयोग पर प्रभावी नियंत्रण के लिए पुलिस मुख्यालय में उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) तदाशा मिश्रा ने की। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित इस बैठक में रांची, चतरा, पलामू, चाईबासा, हजारीबाग, लातेहार, सरायकेला-खरसावां और खूंटी समेत अफीम प्रभावित जिलों के पुलिस अधीक्षकों ने भाग लिया।

अभियान में तेजी लाने के निर्देश

बैठक में वर्ष 2025 के दौरान अवैध अफीम की खेती के विनष्टिकरण, वर्ष 2025-26 के फसल चक्र में की गई कार्रवाई, बड़े तस्करों की पहचान और उनके विरुद्ध उठाए गए कदमों की विस्तृत समीक्षा की गई। डीजीपी ने स्पष्ट निर्देश दिया कि अफीम की अवैध खेती के खिलाफ अभियान को और तेज किया जाए। उन्होंने कहा कि केवल फसल नष्ट करना पर्याप्त नहीं है, बल्कि इसके पीछे सक्रिय संगठित नेटवर्क और तस्करों तक पहुंचकर सख्त कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित करना आवश्यक है।

समन्वित कार्रवाई पर जोर

बैठक में अपर पुलिस महानिदेशक (एडीजी) मनोज कौशिक ने भी कई महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विभिन्न एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर संयुक्त अभियान चलाया जाए। साथ ही, सैटेलाइट इमेजरी के माध्यम से अफीम की अवैध खेती वाले क्षेत्रों की पहचान कर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने पर बल दिया गया।

जागरूकता और वैकल्पिक खेती पर फोकस

अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि जब्त की गई अफीम का नियमानुसार विनष्टिकरण किया जाए और संबंधित मामलों में ठोस साक्ष्य एकत्र कर शीघ्र निष्पादन सुनिश्चित किया जाए। इसके अलावा ग्रामीण क्षेत्रों में व्यापक जागरूकता अभियान चलाकर किसानों को वैकल्पिक खेती अपनाने के लिए प्रेरित करने पर भी जोर दिया गया, ताकि अवैध खेती पर स्थायी रोक लगाई जा सके।

डूबने से तीन बच्चियों समेत पांच की मौत

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। सूबे के सुपौल एवं सारण जिले में अवस्थित नदियों में डूबने से तीन बच्चियों समेत पांच लोगों की मौत हो गयी। प्राप्त जानकारी के अनुसार सुपौल जिले के सदर प्रखंड अंतर्गत गोपालपुर सिरे पंचायत स्थित वार्ड दो में बुधवार को कोसी नदी में डूबने से तीन बच्चियों की मौत हो गई जबकि एक अब भी लापता बताई जा रही है। बताया जाता है कि बुधवार दोपहर करीब ढाई बजे कोसी तटबंध के अंदर गोपालपुर सिरे गांव में आधा दर्जन से ज्यादा बच्चियां स्नान करने गई थीं। नदी के तेजते बहाव की चपेट में आने से वे डूब गईं। बच्चियों की उम्र 10 से 12 साल के बीच थी। बताया जा रहा है कि इस घटना के बाद वहां मौजूद एक अन्य बच्ची बॉबी कुमारी ने अपनी सहेलियों को डूबता देख शोर मचाया। फिर गांव जाकर परिजनों को इसकी सूचना दी। सूचना पाकर मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। इतने में वहां आपदा मित्र भी

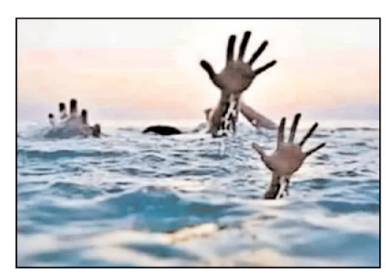

पहुंच गए। इसके बाद बच्चियों की खोजबीन शुरू केर दी गई। इस क्रम में तीन बच्चियों गोपालपुर सिरे वार्ड दो निवासी ललित सादा की नंदनी कुमारी (10), प्रमोद सादा की बेटी सुनीता कुमारी (12), स्व पप्पू राम की पुत्री प्रियांशु कुमारी (12) के शव को बाहर निकाला गया। वहीं बच्चे लाल सादा की 10 वर्षीय पुत्री राधिका कुमारी खबर लिखे जाने तक लापता थी। इस बाबत प्रभारी सीओ संदीप कुमार ने बताया कि लापता बच्ची की तलाश के लिए गुरुवार सुबह पांच बजे से ही एनडीआरएफ की टीम कोसी नदी में रेस्क्यू अभियान चलाएगी। उन्होंने बताया कि मृतकों के परिजनों को आपदा विभाग की ओर से मुआवजा की राशि मुहैया कराई जाएगी।

सोनपुर थाना क्षेत्र स्थित बैजलपुर केशो गांव में बुधवार को एक ही परिवार के चार लोग गंडक नदी में डूब गए जिसमें दो महिलाओं के शव बरामद कर लिए गए हैं। दोनों आपस में ननद और भौजाई बताए जा रही हैं। वहीं, एक लड़का और एक लड़की लापता है। एक महिला और दोनों बच्चे नालंदा जिले के रहने वाले थे और शादी समारोह में शामिल होने सोनपुर आए थे। वहीं, एक महिला सोनपुर की रहने वाली थी। एसडीआरएफ की टीम लापता बच्चों की तलाश कर रही है। जिन दो महिलाओं के शव बरामद किए गए हैं उनमें एक की पहचान 45 वर्षीय बबीता देवी के रूप में हुई है। वह सोनपुर थाना क्षेत्र के बैजलपुर निवसी जनार्दन सिंह की पत्नी थी जबकि दूसरी मृतका की पहचान 35 वर्षीय गुड़िया देवी के रूप में हुई है। वह नूरसराय थाना क्षेत्र के बरुई पर बगहार जिला नालंदा निवासी रवि सिंह की पत्नी थी।

सम्राट चौधरी कैबिनेट की पहली बैठक में 22 प्रस्तावों पर लगी मुहर

बिहार में बनेंगी 11 नए ग्रीनफील्ड सैटेलाइट टाउनशीप, भव्य बनेगा हरिहरनाथ कॉरिडोर

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार में नई सरकार बनने के बाद बुधवार (22 अप्रैल) को मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की पहली कैबिनेट बैठक हुई। इस बैठक में कुल 22 अहम एजेंडों पर मुहर लगी। करीब एक घंटे चली इस बैठक में कई बड़े फैसले लिए गए जिनका सीधा असर विकास, रोजगार और सुरक्षा पर दिखेगा। सरकार ने महिला सुरक्षा को मजबूत करने के लिए बड़ा फैसला लिया है। अब 1500 महिला पुलिसकर्मियों को स्कूटी दी जाएगी। इसके साथ ही 3200 पुलिसकर्मियों को मोटरसाइकिल भी दी जाएगी। इस योजना पर कुल 66.75 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। सोनपुर स्थित बाबा हरिहरनाथ मंदिर क्षेत्र को अब काशी विश्वनाथ कॉरिडोर की तर्ज पर विकसित किया जाएगा। इस परियोजना के लिए 680 करोड़ रुपये की मंजूरी दी गई है। मुंगेर जिले के तारापुर में धार्मिक और पर्यटन सुविधाओं

के विकास के लिए बड़ा फैसला हुआ है। इसके लिए कृषि विभाग की 15 एकड़ जमीन पर्यटन विभाग को मुफ्त में दी जाएगी, जिससे इलाके में पर्यटन को नई दिशा मिलेगी। बैठक में नई निबंधन नियमावली 2026 को मंजूरी दी गई है। इसके तहत 80 साल या उससे अधिक उम्र के वरिष्ठ नागरिकों को रजिस्ट्री कराने में विशेष सुविधा दी जाएगी जिससे उन्हें दफ्तरों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। प्रधानमंत्री सेतु योजना के तहत बिहार के 75 आईटीआई संस्थानों को आधुनिक प्रशिक्षण केंद्र बनाया जाएगा। इस योजना पर कुल 3615 करोड़ रुपये खर्च होंगे जिसमें राज्य सरकार की भी बड़ी हिस्सेदारी होगी। इससे युवाओं को रोजगार के बेहतर अवसर मिलेंगे। वहीं कैबिनेट की बैठक में नगर विकास विभाग ने 11 नए ग्रीनफील्ड सैटेलाइट टाउनशिप बनाने की मंजूरी दी है। इन क्षेत्रों में जमीन खरीद-बिक्री, हस्तांतरण और निर्माण कार्य पर फिलहाल रोक रहेगी ताकि योजना को सही तरीके से लागू किया जा सके। आईआईटी पटना में रिसर्च पार्क बनाने के लिए 305 करोड़ रुपये की मंजूरी दी गई है। वहीं इन्क्यूबेशन सेंटर फ़ेज-2 के लिए 39.01 करोड़ रुपये स्वीकृत हुए हैं। राजीव नगर में क्टट्टट्ट और पुलिस डाटा सेंटर के लिए 172.80 करोड़ रुपये और फायर ब्रिगेड के लिए 62 मीटर ऊंची हाइड्रोलिक लैडर मशीन खरीदने के लिए 18 करोड़ रुपये मंजूर किए गए हैं।

डीएसपी पर फायरिंग करने वाला आरोपित पलामू से गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

मेदिनीनगर (पलामू)। रांची के कोतवाली डीएसपी पर फायरिंग करने के आरोपी जेपी शुक्ला को पलामू पुलिस ने गिरफ्तार किया है। जेपी शुक्ला पलामू के मेदिनीनगर टाउन थाना क्षेत्र के हाउसिंग कॉलोनी के इलाके का रहने वाला है। जेपी शुक्ला ने जमीन कारोबारी नंद यादव से 1.20 करोड़ रुपए की रंगदारी मांगी थी। मेदिनीनगर टाउन थाना पुलिस ने मामले में कार्रवाई करते हुए जेपी शुक्ला को गिरफ्तार किया है।

डीएसपी पर फायरिंग का आरोपी गिरफ्तार

पूरे मामले को लेकर डीएसपी राजेश यादव और राजीव रंजन ने मंगलवार को प्रेस कांफ्रेंस की। डीएसपी राजेश यादव और राजीव रंजन ने बताया कि नंद यादव ने प्राथमिकी दर्ज करवाई थी, जिसके बाद पुलिस ने मामले में कार्रवाई करते हुए जेपी शुक्ला को गिरफ्तार किया है।

जमीन कारोबारी की हत्या की बनाई थी प्लानिंग

पुलिस को रंगदारी मांगने से जुड़े हुए इलेक्ट्रॉनिक

सबूत मिले हैं। 2017 में रांची के कोतवाली डीएसपी के इलाके में एक जमीन कारोबारी की हत्या की योजना तैयार की गई थी। इसी के खिलाफ की गई कार्रवाई के दौरान जेएससीए स्टेडियम के पास तत्कालीन डीएसपी भोला प्रसाद यादव के साथ मुठभेड़ हुई थी।

कई मामलों में आरोपी रहा है जेपी शुक्ला

इस मुठभेड़ में जेपी शुक्ला ने सरेंडर कर दिया था। दोनों डीएसपी ने बताया कि जेपी शुक्ला इसके अलावा कई घटनाओं का आरोपी है। जेपी शुक्ला पर गढ़वा के इलाके में हत्या, पलामू के इलाके में आर्म्स एक्ट, रांची के सुखदेव नगर की इलाके में हत्याकांड को अंजाम देने का आरोप है। छापेमारी में डीएसपी राजेश यादव, राजीव रंजन, टाउन थाना प्रभारी ज्योति लाल रजवार, सब इंस्पेक्टर बालकृष्ण समेत पुलिस अधिकारी शामिल रहे।

विष्णुपद मंदिर कॉरिडोर परियोजना के काम में लाएं तेजी : सम्राट

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की अध्यक्षता में बुधवार को मुख्य सचिवालय स्थित अधिवेशन कक्ष में विष्णुपद मंदिर कॉरिडोर परियोजना को लेकर समीक्षा बैठक हुयी। बैठक में मुख्यमंत्री को अधिकारियों ने प्रस्तुतीकरण के माध्यम से विष्णुपद मंदिर कॉरिडोर परियोजना के तहत गयाजी स्थित विष्णुपद मंदिर परिसर एवं आसपास के क्षेत्रों को विकसित करने की योजना की विस्तृत जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि इस परियोजना के तहत विष्णुपद मंदिर क्षेत्र में कुल 694 स्ट्रक्चर विकसित किये जायेंगे। इनमें कमर्शियल शॉप, वाहन पार्किंग, श्रद्धालुओं एवं पिंडदानियों के लिये शेड, फल्गु नदी घाट का विकास एवं सौंदर्यीकरण, विष्णुपद मंदिर से मानपुर तक नदी घाट का विकास, सीता कुंड क्षेत्र का विकास आदि शामिल है। यह परियोजना करीब 2390 करोड़ रूपये की है। यहां तीन स्थानों पर वाहन पार्किंग की व्यवस्था सुनिश्चित की जायेगी, जहां कुल 750 चार पहिया वाहन के अलावा 20 बसों की पार्किंग भी की जा सकेगी। विष्णुपद मंदिर और सीता कुंड के मध्य फल्गु नदी में भगवान विष्णु की 108 फीट ऊँची मिस्त्रधातू की प्रतिमा स्थापित की जायेगी। प्रतिमा तक पहुंचने के लिये पेडेस्ट्रियन पथ का निर्माण कराया जायेगा जहां श्रद्धालु आसानी से जा सकेंगे। यहां 24 शेड का निर्माण कराने की योजना है। एक शेड में 20 लोगों के बैठने की व्यवस्था रहेगी। मुख्यमंत्री के समक्ष वॉक थ्रू के जरिये विष्णुपद मंदिर कॉरिडोर परियोजना के तहत पूर्ण कराये जाने वाले कार्य के पश्चात् विकसित क्षेत्र एवं निर्मित स्ट्रक्चर के मॉडल को प्रस्तुत किया गया। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश देते हुये कहा कि विष्णुपद मंदिर परिसर, फल्गु नदी के तटीय क्षेत्र एवं आसपास के इलाकों को इस प्रकार से विकसित करें कि मुख्य मंदिर तक पहुंचने में श्रद्धालुओं को कोई असुविधा न हो। उन्होंने कहा कि प्रतिवर्ष बड़ी संख्या में देश-विदेश से पिंडदान करने वाले लोग तथा श्रद्धालु भी काफी संख्या में यहां पहुंचते हैं, जिसे ध्यान में रखते हुये विष्णुपद मंदिर कॉरिडोर परियोजना का कार्य सुनिश्चित करायें। विष्णुपद मंदिर और सीता कुंड के मध्य निर्मित होने वाले पेडेस्ट्रियन पथ की चौड़ाई कम से कम 20 फीट हो ताकि लोगों को आवागमन में कोई कठिनाई न हो। पर्याप्त वाहनों के पार्किंग की उपलब्धता सुनिश्चित हो, इसका विशेष रूप से ख्याल रखें। यहां आने वाले श्रद्धालु एवं पिंडदानियों की सुविधा एवं सुरक्षा को ध्यान में रखते हुये कार्य सुनिश्चित करायें। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी, उप मुख्यमंत्री बिजेन्द्र प्रसाद यादव, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव दीपक कुमार, मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत, पुलिस महानिदेशक विनय कुमार, मुख्यमंत्री के सचिव अनुपम कुमार, मुख्यमंत्री के सचिव कुमार रवि, मुख्यमंत्री के विशेष कार्य पदाधिकारी गोपाल सिंह, मुख्यमंत्री के सचिव डॉ. चन्द्रशेखर सिंह, बिहार राज्य पर्यटन विकास निगम के प्रबंध निदेशक नंदकिशोर सहित पर्यटन विभाग के अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

श्रवण कुमार के जदयू विधायक दल के नेता चुने जाने पर डॉ. निर्मल कुशवाहा ने दी बधाई

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

औरंगाबाद/पटना। बिहार सरकार के पूर्व मंत्री श्रवण कुमार के विधानसभा में जनता दल यूनाइटेड विधायक दल का नेता चुने जाने पर वरिष्ठ जदयू नेता डॉ. निर्मल कुशवाहा ने हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। डॉ. निर्मल कुशवाहा ने अपने संदेश में कहा कि श्रवण कुमार एक अनुभवी, कर्मठ और जनसरोकारों से जुड़े नेता हैं, जिनके नेतृत्व में विधायक दल नई ऊर्जा और दिशा के साथ कार्य करेगा। उन्होंने कहा कि श्रवण कुमार का राजनीतिक अनुभव और संगठनात्मक क्षमता पार्टी को और मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। उन्होंने विश्वास जताया कि उनके नेतृत्व में जनता दल यूनाइटेड विधायक दल विधानसभा में जनता के मुद्दों को मजबूती से उठाएगा और राज्य के विकास से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर सकारात्मक पहल करेगा। डॉ. कुशवाहा ने कहा कि यह निर्णय पार्टी नेतृत्व की दूरदर्शिता को दर्शाता है और इससे कार्यकर्ताओं में नया उत्साह उत्पन्न हुआ है। डॉ. निर्मल कुशवाहा, जो औरंगाबाद लोकसभा क्षेत्र के पूर्व प्रभारी भी रहे हैं, ने कहा कि श्रवण कुमार के नेतृत्व में बिहार में सुशासन, विकास और सामाजिक न्याय की दिशा में और गति मिलेगी। उन्होंने उम्मीद जताई कि विधायक दल राज्य के सर्वांगीण विकास के लिए समर्पित भाव से कार्य करेगा और आम जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरेगा। उन्होंने अंत में कहा कि श्रवण कुमार को मिली यह जिम्मेदारी उनके प्रति पार्टी के विश्वास का प्रतीक है और वे इस दायित्व का सफलतापूर्वक निर्वहन करेंगे।

भीषण गर्मी को लेकर प्रशासन अलर्ट, स्कूल समय में बदलाव और कंट्रोल रूम सक्रिय

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह । जिले में लगातार बढ़ती गर्मी और लू की स्थिति को देखते हुए जिला प्रशासन पूरी तरह सतर्क हो गया है। उपायुक्त रामनिवास यादव की अध्यक्षता में समाहरणालय सभागार में आयोजित जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकार की बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए बैठक में उपायुक्त ने सभी विभागों को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि वर्तमान मौसम परिस्थितियां एक संभावित आपदा का रूप ले सकती हैं, इसलिए सभी विभाग समन्वय के साथ तत्परता से कार्य करें स्कूलों के समय में बदलाव भीषण गर्मी को देखते हुए जिले के सभी सरकारी एवं निजी विद्यालयों केजी से कक्षा 8 और उच्च विद्यालय का संचालन अब सुबह 7 बजे से 11 बजे तक किया जाएगा। आंगनबाड़ी केंद्रों का

समय भी इसी अनुसार निर्धारित किया गया है। पेयजल व्यवस्था पर विशेष जोर प्रशासन ने पेयजल को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए सभी खराब चापाकलों की शीघ्र मरम्मत के निर्देश दिए हैं। साथ ही जल टैंकरों की व्यवस्था और उनकी जानकारी सार्वजनिक करने को कहा गया है, ताकि लोगों को समय पर पानी मिल सके।कंट्रोल रूम होगा सक्रिय गर्मी से उत्पन्न आपात स्थितियों से निपटने के लिए जिला स्तर पर कंट्रोल रूम सक्रिय किया जाएगा।

आमजन सहायता के लिए 06532-228829 नंबर पर संपर्क कर सकेंगे। बिजली और अग्निशमन विभाग को निर्देश बिजली आपूर्ति सुचारू रखने और ट्रांसफार्मर की समस्याओं का त्वरित समाधान करने को कहा गया है। वहीं अग्निशमन विभाग को आगजनी की घटनाओं से निपटने के लिए सतर्क रहने के निर्देश दिए गए हैं स्वास्थ्य विभाग अलर्ट मोड में सभी अस्पतालों और स्वास्थ्य केंद्रों में ओआरएस, जीवन रक्षक दवाएं और आवश्यक चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध रखने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि लू से प्रभावित लोगों का तुरंत इलाज किया जा सके किसानों के लिए विशेष योजना कृषि विभाग को कम पानी में होने वाली फसलों को लेकर माइक्रो प्लान तैयार करने और किसानों को जागरूक करने का निर्देश दिया गया है।पशु पक्षियों के लिए भी व्यवस्था प्रशासन ने सार्वजनिक स्थानों पर जल पात्र रखने की व्यवस्था करने का निर्देश दिया है, ताकि गर्मी में पशु-पक्षियों को भी राहत मिल सके आम लोगों से अपील उपायुक्त ने लोगों से अपील की है कि वे दोपहर की धूप से बचें, अधिक पानी पिएं, हल्के कपड़े पहनें और बच्चों एवं बुजुर्गों का विशेष ध्यान रखें।

बढ़ती गर्मी में सावधानी व बचाव जरूरी : उपायुक्त

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। जिले में लगातार बढ़ते तापमान को देखते हुए उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी रामनिवास यादव ने आम नागरिकों से गर्मी और लू से बचाव के लिए आवश्यक सावधानियां बरतने की अपील की है। उन्होंने बताया कि आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा झारखंड के विभिन्न जिलों के लिए हीट वेव को लेकर विशेष एडवाइजरी जारी की गई है।उपायुक्त ने कहा कि अत्यधिक गर्मी के कारण डिहाइड्रेशन, चक्कर आना, चिड़चिड़ापन और हीट स्ट्रोक जैसी समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। ऐसे में लोगों को विशेष सतर्कता बरतने की जरूरत है। खासकर छोटे बच्चों, गर्भवती महिलाओं और बुजुर्गों का विशेष ध्यान रखने की सलाह दी गई है।उन्होंने कहा कि अनावश्यक रूप से घर से बाहर निकलने से बचें और बाहर जाने से पहले मौसम की जानकारी रेडियो, टीवी या अखबार के माध्यम से अवश्य प्राप्त करें।

पृथ्वी दिवस पर वृक्षों पर डॉक्टर कौशल ने बांधी वन राखी, दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू)। छतरपुर अनुमंडल के डाली बाजार पंचायत स्थित कौशल नगर में विश्व पृथ्वी दिवस के 56वें वर्ष पर आयोजित कार्यक्रम में पर्यावरणविद डॉ. कौशल किशोर जायसवाल मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। हाल ही में 25 दिनों के उपचार के बाद

स्वस्थ हुए डॉ. कौशल ने कार्यक्रम में सक्रिय भागीदारी निभाते हुए पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। कार्यक्रम की शुरूआत डाली के मोहनलाल खुर्जा पार्वती देवी पार्क में कन्या पूजन के साथ पौधारोपण से हुई। इस अवसर पर डॉ. कौशल ने कहा कि प्रकृति से केवल लेना ही नहीं, बल्कि उसे लौटाना भी सीखना चाहिए।् उन्होंने पर्यावरण संरक्षण को हर व्यक्ति का धर्म बताते हुए इसे दैनिक जीवन में अपनाने की अपील की। डॉ. कौशल ने वर्ष 1967 में लगाए गए अपने वृक्षों पर रक्षाबंधन कर वन राखी आंदोलन का संदेश दिया। कार्यक्रम के समापन पर उन्होंने वृक्षों को राखी बांधकर प्रकृति के प्रति संरक्षण और संवेदनशीलता का प्रतीक प्रस्तुत किया। इस दौरान करीब 200 ग्रामीणों को अंग वस्त्र देकर उन्हें सम्मानित भी किया । पर्यावरण धर्म ज्ञान मंदिर में आयोजित जागरूकता सत्र में डॉ. कौशल ने बढ़ते प्रदूषण, भीषण गर्मी, जल संकट और जलवायु परिवर्तन जैसे गंभीर मुद्दों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि इन समस्याओं के समाधान के लिए प्रत्येक व्यक्ति को ह्यपर्यावरण धर्मह्ल के 11 मूल मंत्रों को अपने जीवन में शामिल करना होगा। केवल सरकार के भरोसे समाधान संभव नहीं है। समाज के हर वर्ग को आगे आना होगा। उन्होंने परमाणु ऊर्जा और अत्यधिक आधुनिक सुविधाओं के दुष्प्रभावों पर चिंता जताते हुए सौर और पवन ऊर्जा के उपयोग को बढ़ावा देने की आवश्यकता बताई। साथ ही उन्होंने कहा कि वैश्विक तनाव और युद्ध की स्थिति भी पर्यावरण के लिए गंभीर खतरा बनती जा रही है। कार्यक्रम में मौजूद स्थानीय लोगों ने डॉ. कौशल के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि पलामू की धरती धन्य है। जहां ऐसे पर्यावरण प्रेमी ने जन्म लिया। उनके द्वारा स्थापित पर्यावरण धर्म ज्ञान मंदिर और मोहनलाल खुर्जा पार्वती देवी पार्क क्षेत्र के लोगों के लिए प्रेरणा का स्रोत है, जहां प्रतिदिन सैकड़ों लोग निशुल्क भ्रमण करने आते हैं। मौके पर पूर्व मुखिया अफजाल अंसारी, जुबेर अंसारी, गुलाम गौस, शिवनाथ राम, बाबूराम, सरताज अहमद, लक्ष्मण राम, गुलदन राम सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण और महिलाएं उपस्थित थीं।

संक्षिप्त समाचार

भीषण गर्मी को लेकर प्रशासन अलर्ट, उपायुक्त ने जारी की एडवाइजरी

गिरिडीह (नबिटासं)। जिले में लगातार बढ़ रही गर्मी और भीषण लू को देखते हुए उपायुक्त रामनिवास यादव ने सभी जिलेवासियों से सतर्क और सुरक्षित रहने की अपील की है। उन्होंने कहा कि अत्यधिक तापमान न केवल असुविधा पैदा करता है, बल्कि यह स्वास्थ्य के लिए भी गंभीर खतरा बन सकता है उपायुक्त ने लोगों से आग्रह किया है कि अत्यावश्यक कार्य होने पर ही घर से बाहर निकलें और विशेष रूप से दोपहर 11 बजे से शाम 4 बजे तक बाहर जाने से बचें। बाहर निकलते

समय सिर को ढककर रखें, हल्के और सूती कपड़े पहनें तथा पर्याप्त मात्रा में पानी, ओआरएस व अन्य तरल पदार्थों का सेवन करते रहें, ताकि शरीर में पानी की कमी न हो उन्होंने अभिभावकों से बच्चों, बुजुर्गों, गर्भवती महिलाओं एवं बीमार व्यक्तियों का विशेष ध्यान रखने की अपील की है, क्योंकि ये वर्ग लू से अधिक प्रभावित होते हैं। किसी भी व्यक्ति में चक्कर आना, उल्टी, तेज बुखार या अत्यधिक कमजोरी जैसे लक्षण दिखाई देने पर तुरंत नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र में संपर्क करने की सलाह दी गई है उपायुक्त ने बताया कि जिला प्रशासन पूरी तरह सतर्क है और सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि इस चुनौती से निपटने के लिए जनसहभागिता और जागरूकता बेहद जरूरी है।आपकी सतर्कता ही आपकी सुरक्षा है सुरक्षित रहें, स्वस्थ रहें।

बरही अनुमंडल में एसपी का औचक दौरा, थानों की व्यवस्था परखी, सख्त निर्देश जारी

बरही/हजारीबाग (नबिटासं)। जिले के नवपदस्थापित पुलिस अधीक्षक अमन कुमार ने मंगलवार को बरही अनुमंडलीय क्षेत्र का व्यापक दौरा कर विभिन्न थानों की कार्यप्रणाली का जायजा लिया। उनके

साथ एसडीपीओ अजीत कुमार बिमल भी मौजूद रहे। निरीक्षण के दौरान एसपी ने थाना स्तर पर विधि-व्यवस्था, सुरक्षा व्यवस्था एवं पुलिसिंग की स्थिति का गहन मूल्यांकन किया। एसपी ने सभी थाना प्रभारी व ओपी प्रभारियों को स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखना सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने आम जनता के साथ बेहतर समन्वय, शिकायतों का त्वरित निष्पादन और पुलिस की सतत सक्रियता सुनिश्चित करने पर जोर दिया। राष्ट्रीय राजमार्ग पर बढ़ते यातायात दबाव को देखते हुए एसपी ने ट्रैफिक प्रबंधन को सुदृढ़ करने और जाम की समस्या से निपटने के लिए ठोस कदम उठाने के निर्देश दिए। इसके साथ ही नशाखोरी पर रोक, अवैध शराब व मादक पदार्थों के कारोबार पर कार्रवाई, गौ तस्करी नियंत्रण तथा अंचल अधिकारियों के समन्वय से अवैध बालू उत्खनन व परिवहन पर सख्ती बरतने को कहा। महिला थाना को विशेष निर्देश देते हुए उन्होंने महिलाओं से जुड़े अपराध—जैसे उत्पीड़न और दहेज प्रकरण—पर त्वरित व प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा। दौरे के क्रम में एसपी ने बरही थाना, पद्मा ओपी, बरकट्ठा, चौपारण एवं गोरहर थाना का निरीक्षण किया और बेहतर पुलिसिंग के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

चाणक्य पब्लिक स्कूल, सिरसिया में मनाया गया विश्व पृथ्वी दिवस

गिरिडीह (नबिटासं)। सिरसिया स्थानीय चाणक्य पब्लिक स्कूल में बुधवार को विश्व पृथ्वी दिवस के अवसर पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य

विद्यार्थियों में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाना रहा इस अवसर पर स्कूली बच्चों ने आकर्षक नाटक प्रस्तुत कर पर्यावरण बचाने का संदेश दिया। साथ ही कई विद्यार्थियों ने प्रभावशाली भाषण के माध्यम से पृथ्वी संरक्षण के महत्व को बताया। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न रचनात्मक गतिविधियाँ भी आयोजित की गई, जिसमें बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया शिक्षिकाओं ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए उन्हें स्वच्छता, पेड़-पौधों के संरक्षण और पर्यावरण संतुलन बनाए रखने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने बताया कि छोटे-छोटे प्रयासों से हम पृथ्वी को सुरक्षित और हरा-भरा बना सकते हैं।विद्यालय के निदेशक राहुल बर्मन ने कहा कि ऐसे कार्यक्रमों के माध्यम से समाज में जागरूकता बढ़ाने के साथ-साथ बच्चों में जिम्मेदारी की भावना विकसित होती है कार्यक्रम को सफल बनाने में विद्यालय के सभी शिक्षक एवं शिक्षिकाओं का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

प्रमंडलीय आयुक्त से पलामू उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक ने की शिष्टाचार मुलाकात

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पलामू। प्रमंडलीय आयुक्त श्रीमती कुमुद सहाय से आज पलामू के उपायुक्त श्री दिलीप प्रताप सिंह शेखावत एवं पुलिस अधीक्षक श्री कपिल चौधरी ने शिष्टाचार मुलाकात की। प्रमंडलीय आयुक्त को उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक ने क्रमशः पौधा एवं गुलदस्ता भेंट कर अभिवादन किया। साथ ही जिले की प्रशासनिक गतिविधियों से अवगत कराया। मुलाकात के दौरान पलामू जिले के समग्र विकास को लेकर चर्चा हुई। उपायुक्त ने जिले में संचालित विभिन्न विकासात्मक योजनाओं की वर्तमान स्थिति की जानकारी देते हुए बताया कि सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने को

लेकर प्रशासन तत्पर है। प्रमंडलीय आयुक्त श्रीमती कुमुद सहाय ने उपायुक्त को कोषागार पर सक्रियता से निगरानी रखने की सलाह दी।

उन्होंने कहा कि विपत्रों की गहनता से जांच करने के उपरांत ही भुगतान सुनिश्चित की जाए। साथ ही पलामू में बढ़ते तापमान/गर्मी के मद्देनजर जिले में पेयजल व्यवस्था सुनिश्चित कराएं, ताकि किसी कोई असुविधा नहीं हो। उन्होंने बंद पड़े जल स्त्रोतों को दुरूस्त करने पर बल दिया। साथ ही विकास कार्यों में तेजी लाने तथा योजनाओं के क्रियान्वयन में पारदर्शिता और गुणवत्ता सुनिश्चित करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि सभी योजनाओं का लाभ समयबद्धता के साथ जरूरतमंद लाभुकों तक पहुंचे, इसके लिए अधिकारियों को सतत मॉनिटरिंग करने की आवश्यकता है। उन्होंने लंबित योजनाओं को प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र पूर्ण करने और जनसमस्याओं के त्वरित समाधान पर विशेष ध्यान देने की बातें कही। आयुक्त ने विभिन्न विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर कार्यों को गति देने पर बल दिया, ताकि जिले के विकास को नई दिशा मिल सके। उपायुक्त ने आयुक्त को आश्वस्त किया कि उनके मार्गदर्शन में जिले के विकास कार्यों को और अधिक प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाया जाएगा। इधर, प्रमंडलीय आयुक्त श्रीमती कुमुद सहाय से पुलिस अधीक्षक ने मुलाकात के दौरान क्षेत्र की कानून- व्यवस्था सहित विभिन्न प्रशासनिक विषयों पर चर्चा की।

गिरिडीह में अवैध मसाला कारखाने पर छापेमारी, भारी मात्रा में सामग्री जब्त

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। जिले में मिलावटखोरों के खिलाफ खाद्य सुरक्षा विभाग का अभियान लगातार जारी है। उपायुक्त श्री रामनिवास यादव के निर्देश पर खाद्य सुरक्षा अधिकारी डॉ. राजा कुमार ने सोमवार को पुलिस लाइन स्थित श्याम ट्रेडर्स नामक अवैध मसाला कारखाने पर औचक निरीक्षण किया जांच के दौरान कारखाना बिना फूड लाइसेंस के संचालित पाया गया। वहीं पैकेज किए गए खाद्य उत्पादों पर न तो बैच नंबर अंकित था और न ही एक्सपायरी डेट, जो खाद्य सुरक्षा मानकों का स्पष्ट उल्लंघन है।

इसके अलावा उत्पादक का नाम और पता भी गलत पाया गया, जिससे उत्पाद मिसब्रांडेड श्रेणी में आ गए।कार्रवाई करते हुए खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने मौके पर ही 200 किलो मैदा, 175 किलो सूजी तथा 85 किलो पैकेजिंग सामग्री को जब्त कर सीज कर दिया। साथ ही संचालक को फूड लाइसेंस बनवाने, परिसर की साफ सफाई सुनिश्चित करने और फूड सेफ्टी प्रशिक्षण लेने का निर्देश देते हुए नोटिस जारी किया गया इसके अलावा जांच के दौरान मैदा और सूजी के नमूने भी लिए गए, जिन्हें रासायनिक परीक्षण के लिए प्रयोगशाला भेजा जाएगा। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि मिलावटखोरी और खाद्य मानकों के उल्लंघन के खिलाफ आगे भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

फेनेस्टा के धनबाद में 9वें शोरूम का शुभारंभ

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धनबाद। दरवाजों और खिड़कियों के लिए भारत के नंबर 1 ब्राण्ड फेनेस्टा ने धनबाद, झारखण्ड में नए शोरूम के लॉन्च के साथ पूर्वी भारत में अपनी मौजूदगी को सशक्त बना लिया है। धनबाद प्लायवुड सेंटर द्वारा संचालित यह शोरूम भीफोरे हीरक रोड़, कुंज विहार, धनबाद, झारखण्ड- 826010 पर स्थित है और क्षेत्र के उपभोक्ताओं के लिए फेनेस्टा के प्रोडक्ट्स को सुलभ बनाएगा। यह लॉन्च उभरते रिहायशी एवं कमर्शियल मार्केट्स में विश्वस्तरीय फेनेस्ट्रेशन समाधान उपलबध कराने की ब्राण्ड की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

नया लॉन्च किया गया शोरूम उपभोक्ताओं को फेनेस्टा के व्यापक प्रोडक्ट पोर्टफोलियो का उत्कृष्ट

अनुभव प्रदान करेगा, जिसमें यूपीवीसी, एलुमिनियम विंडोज एवं डोर्स, सोलिड पैनल डोर और फॉसेड्स शामिल हैं। क्षेत्र में आधुनिक आर्कीटेक्चर और जीवनशैली की बदलती जरूरतों को ध्यान में रखते हुए डिजाइन किया गया यह शोरूम घर के मालिकों, आर्कीटेक्ट्स एवं बिल्डरों के लिए वन-स्टॉप डेस्टिनेशन बन जाएगा, जो बेहतरीन परफोर्मेन्स वाले मजबूत और आकर्षक समाधान चाहते हैं। लॉन्च के अवसर पर फेनेस्टा के बिजनेस हैड साकेत जैन ने कहा, ह्यह्यझारखण्ड तेजी से हो रहे शहरी विकास तथा प्रीमियम लिविंग स्पेसेज की बढ़ती मांग के चलते फेनेस्टा के लिए महत्वपूर्ण मार्केट है। धनबाद प्लायवुड सेंटर के साथ साझेदारी में शहर में दूसरे शोरूम का लॉन्च, उच्च क्षमता वाले क्षेत्रीय बाजारों में हमारी मौजूदगी बढ़ाने तथा आधुनिक फेनेस्ट्रेशन समाधानों को उपभोक्ताओं के करीब लाने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

यह शोरूम उपभोक्ताओं को फेनेस्टा की व्यापक प्रोडक्ट रेंज का प्रत्यक्ष अनुभव प्रदान करेगा, जिससे वे रिहायशी एवं कमर्शियल जरूरतों के लिए सोच-समझ कर अपनी पसंद के प्रोडक्ट खरीदने का फैसला ले सकेंगे।ह्लह्ल इस लॉन्च के साथ फेनेस्टा पूर्वी भारत में अपनी मौजूदगी बढ़ाने तथा उपभोक्ताओं के लिए उत्कृष्ट गुणवत्ता के इनोवेशन्स एवं उपभोक्ताओं उन्मुख सेवाओं को सुलभ बनाने के अपने वादे के और करीब आ गया है। यह शोरूम शानदार डिजाइनों, आधुनिक इंजीनियरिंग एवं बेहतरीन परफोर्मेन्स पर फेनेस्टा की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

पृथ्वी व पर्यावरण को बचाने के लिए पौधे लगाना है जरूरी : सहेंद्र साल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू)। पाटन मोड़ स्थित गुरुकुल विद्यालय में पृथ्वी दिवस कार्यक्रम में बच्चों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया। बच्चों ने अपने कार्यक्रम के माध्यम से पृथ्वी की हो रही क्षति के बारे में विस्तार से बताया। बच्चों ने इस दौरान वृक्ष का रूप धारण करके विद्यालय में पौधारोपण कार्यक्रम, भाषण, कविता सहित कई अभिनय प्रस्तुत किए। कार्यक्रम में सिया सिंह एंड श्रुति कुमारी ने एक्शन के साथ अर्थ डे पर राइम्स प्रस्तुत किए । एंजल आरयाणा ने भी कविता प्रस्तुत किया ' प्रियांशु सिंह ने भाषण प्रस्तुत किया।

नंदनी कुमारी ने एक्टिंग के साथ भाषण दिया। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाध्यापक सहेंद्र

साव ने ट्रिपल आर फ फ्रीूट्र ी, फ फी४री, ेंर्ल्रा फ फीिंूी को विस्तार से बताया ' उन्होंने न सिर्फ इस कार्यक्रम के बच्चों को पर्यावरण से जुड़कर रहने की बात कही । कहा कि हम सभी प्रकृति से हैं, प्रकृति हमसे नहीं है। प्रकृति के खिलाफ जाकर हम नहीं रह सकते हैं। प्रकृति को बचाए रखना व प्राकृतिक संसाधनों का सुनियोजित ढंग से प्रयोग करना ही भविष्य उज्जवल करेगा। कहा कि एक पेड़ 100 पुत्र समाना, इसको कभी क्षति ना पहुंचाना, पृथ्वी को पेड़ों से है सजना। इस अवसर पर गुरुकुल विद्यालय के प्राइमरी कक्षा की प्रधानाध्यापिका संध्या मिश्रा ने बच्चों को पर्यावरण के प्रति जागरुक किया। कहा कि अगर हम पर्यावरण व पृथ्वी को बचाकर नहीं रखें तो पानी की तरह ऑक्सीजन भी खरीदना पड़ेगा।

काले शीशों पर सख्ती हो, पुलिस का व्यवहार भी सुधरे : रूचिर कुमार तिवारी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

डालटनगंज (पलामू)। भारतीय कम्यूनिस्ट पार्टी के जिला सचिव, अधिवक्ता सह डालटनगंज विधानसभा के पूर्व विधायक प्रत्याशी रूचिर कुमार तिवारी ने एक प्रेस बयान जारी कर मोटर वाहन नियमों के उल्लंघन और पुलिस व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठाए हैं।उन्होंने कहा कि मोटर व्हीकल एक्ट 1988 एवं उसके संशोधन विधेयक 2019 के तहत वाहनों में काले शीशे (ब्लैक फिल्म) एवं पर्दे लगाना पूरी तरह गैरकानूनी है। कानून के अनुसार केवल उच्च सुरक्षा श्रेणी (जेड एवं वाई+ श्रेणी) के अंतर्गत आने वाले विशिष्ट व्यक्तियों — जैसे प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री एवं मंत्रियों — को ही विशेष परिस्थितियों में इस प्रकार की छूट प्राप्त है। तिवारी ने स्पष्ट किया कि सामान्य नागरिक यदि तेज धूप से बचाव के लिए टिंटेड ग्लास या सनफिल्म का उपयोग करते हैं, तो उन्हें 70% (फ्रंट ग्लास) और 50% (साइड ग्लास) भीएलटी (भिजीबुल लाईट ट्रांसमिशन) नियमों तथा भारतीय मानक आईएस :2553 का पालन करना अनिवार्य है।उन्होंने आरोप लगाया कि वर्तमान समय में कई आपराधिक प्रवृत्ति के लोग, तथाकथित सफेदपोश अपराधी, यहाँ तक कि कुछ पुलिस पदाधिकारी भी अपने वाहनों में पूर्णतः काले शीशों का प्रयोग कर रहे हैं, जो कानून का खुला उल्लंघन है। उन्होंने कहा कि पूर्व के पलामू एसपी के कार्यकाल में इस नियम को दरकिनार कर ऐसी गतिविधियों को खुली छूट दी गई थी।

जमीन मामले में 1.20 करोड़ रंगदारी मांगने वाला चढ़ा पुलिस के हत्थे

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू)। स्थानीय हाउसिंग कॉलोनी में जमीन के एक मामले को ले नंद यादव से आरोपी जयप्रकाश शुक्ला उर्फ जेपी शुक्ला ने 1.20 करोड़ रूपया की रंगदारी मांगी। नंद यादव द्वारा रंगदारी मांगे जाने से संबंधित शहर थाना में प्राथमिक की दर्ज कराई। पुलिस अधीक्षक चौधरी ने राजेश यादव के नेतृत्व में टीम गठित कर रंगदारी मांगने वालों को अविलंब गिरफ्तार करने के निर्देश दिए।

पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर की गई छापेमारी में हाउसिंग कॉलोनी से आरोपी जयप्रकाश शुक्ला उर्फ जेपी शुक्ला को गिरफ्तार कर लिया गया। इसकी जानकारी देते हुए अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी राजेश यादव ने कहा कि

नंदकुमार यादव के लिखित आवेदन पर शहर थाना में 21 अप्रैल 2026 को कांड संख्या 133/26 के तहत धारा 308(5)/ 111(2) 3(5) बीएनएस के तहत रंगदारी मांगने से संबंधित प्राथमिकी दर्ज की गई। उन्होंने कहा कि छाप हमारी टीम का गठन कर हाउसिंग कॉलोनी स्थित आरोपी के मकान पर छापेमारी कर जेपी शुक्ला को गिरफ्तार किया गया उन्होंने बताया कि आरोपी के पास से दो मोबाइल फोन बरामद किया गया उन्होंने बताया कि जेपी शुक्ला के साथ दो अन्य आरोपी भी शामिल है। इनकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। उन्होंने बताया कि हाउसिंग कॉलोनी में ही एक विवादित भूमि है। जेपी शुक्ला ने नंदकुमार यादव को विवादित जमीन से हट जाने या फिर 1.20 करोड़ रुपए बतौर रंगदारी देने के लिए नंद कुमार यादव को फोन किया था। अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी राजेश यादव ने बताया कि गढ़वा में जेपी शुक्ला के विरुद्ध अनिल टाइगर के मर्डर केस में संलिप्त से संबंधित गढ़वा नगर थाना काण्ड सं 523/14, 04.09.2014, धारा 341/ 302/ 120 (बी)/ 34 भादवि एंव 27 आर्म्स एक्ट का मामला दर्ज है। इसी तरह सदर थाना पलामू थाना काण्ड सं० 144/15, दिनांक 17.03.2015, धारा 25 (1)/26 व शहर थाना (पलामू) थाना काण्ड सं0- 231/16, दि०-10.09.2016, धारा 25 (1)/26 का मामला दर्ज है। उन्होंने बताया कि धुर्वा थाना (रांची) थाना काण्ड सं०- 240/17, दि०- 16.10.2017, धारा-307 /353/ 120 (बी)/34 में भादवि व 25 (1)/26/37 /35 के तहत थाना में फायरिंग आदि का केस दर्ज है। इसके साथही सुखदेव नगर (रांची) थाना काण्ड सं०- 502/2017, 16.11.2017, धारा 302/120 (बी) /34 मादवि एंव 27 आर्म्स एक्ट दर्ज है।

भूमि विवाद को ले असामाजिक तत्वों के पास नहीं जाएं लोग, पुलिस पर करें भरोसा : एसडीपीओ

अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी राजेश यादव ने पलामू जिले वासियों से अपील करते हुए कहा कि किसी भी तरीके के जमीनी विवाद के लिए कभी भी अपराधिक या सामाजिक तत्वों के पास नहीं जाएं। पलामू पुलिस पर भरोसा रखें। त्वरित व निष्पक्ष न्याय दिलाया जाएगा। उन्होंने कहा कि पलामू पुलिस पूरे एक्शन मोड में आ गई है। कुछ दिनों से लोगों के पास रंगदारी को ले फोन कॉल आ रहे हैं। पलामू में जमीनी विवाद के मामलों में असामाजिक तत्वों की मिलीभगत सामने आ रही है। असामाजिक तत्वों को साथ लेकर किसी को धमकी दिलाने वाले भी सचेत हो जाएं। इसमें संलिप्त पाए जाने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि पलामूवासी पुलिस पर जरूर भरोसा रखें। कानून का सहारा लें। किसी भी तरह की परेशानी हो, 24 घंटे लोगों की सेवा के लिए पलामू पुलिस तत्पर है व रहेगी।

संक्षिप्त समाचार

मोहिनी देवी मेमोरियल स्कूल में मना पृथ्वी दिवस

अररिया (नबिटासं)। बुधवार को मोहिनी देवी मेमोरियल स्कूल में विश्व पृथ्वी दिवस पर एक निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें मोहिनी देवी मेमोरियल स्कूल के कक्षा 8 तक के छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। प्रत्येक वर्ष पृथ्वी दिवस अवसर पर पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने और प्रदूषण,ग्लोबल वार्मिंग जैसे समस्याओं को धरती से बचने का संकल्प लेने के लिए मनाया जाता है। आज का दिन हमें याद दिलाता है कि हमें सिर्फ एक दिन नहीं बल्कि जीवन भर अपनी धरती की देखभाल करनी होगी। पृथ्वी दिवस का कार्यक्रम 1970 में प्रारंभ हुआ था अब 190 से अधिक देशों में पुनर्चक्रण, ऊर्जा संरक्षण, वृक्षारोपण के माध्यम से इस कार्यक्रम को मानते हैं। इस अवसर पर विद्यालय के निदेशक डॉ.संजय प्रधान, प्राचार्य डॉक्टर पाराशर त्यागी, प्रशासनिक अधिकारी अभिनंदन नीटियाल ने छात्र-छात्राओं को धरती की सुरक्षा हेतु एक-एक पेड़ पौधे लगाने का आह्वान किया। निदेशक डॉक्टर संजय प्रधान ने छात्र-छात्राओं को जीवन में प्रदुषण के प्रति सचेत रहने का संकल्प दिलाया ।

इंटर-स्कूल क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन

कटिहार (नबिटासं)। एएएम चिल्ड्रेन्स एकेडमी फसिया टोला के खेल मैदान में एक रोमांचक इंटर-स्कूल क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में एएएम चिल्ड्रेन्स एकेडमी और टेयोमल वर्ल्ड स्कूल के बीच मुकाबला खेला गया।टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए एएएम चिल्ड्रेन्स एकेडमी की टीम ने 12 ओवरों में 5 विकेट खोकर 113 रन बनाए। टीम की ओर से धर्मवीर ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 42 रन बनाए। जिसमें 5 छक्के शामिल रहे। वहीं देवराज ने भी 28 रनों की महत्वपूर्ण पारी खेलकर टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया।लक्ष्य का पीछा करने उतरी ट्यूमल वर्ल्ड स्कूल की टीम ने भी बेहतरीन खेल का प्रदर्शन किया। लेकिन निर्धारित ओवरों में 104 रन ही बना सकी। इस प्रकार एएएम. चिल्ड्रेन्स एकेडमी ने यह मुकाबला 9 रनों से अपने नाम किया। टीम का नेतृत्व कप्तान अभिनव प्रकाश एवं उप-कप्तान धर्मवीर ने किया। टीम के अन्य खिलाड़ियों में देवराज,दक्ष, संयम, अर्नव, अविनाश, योहान, अंकुश, गौरव, बिराज, राजीव, अभिषेक, दीपांशु, हिमांशु और क्रिस शामिल रहे। मैच के दौरान दोनों टीमों के खिलाड़ियों ने खेल भावना, अनुशासन और उत्कृष्ट प्रदर्शन का परिचय दिया। विद्यालय परिवार ने सभी प्रतिभागियों को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए बधाई दी तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

धुमधाम से मनाई गई कवि संत सूरदास जी की 548वीं जयन्ती

कटिहार (नबिटासं)। हिन्दी में भक्ति काल के मुर्धन्य कवि संत सूरदास जी का 548वीं जयन्ती समारोह शहर के सरस्वती शिशु विद्या मंदिर बरमसिया में दिव्यांगों के सशक्तिकरण हेतु समर्पित राष्ट्रीय संगठन सक्षम कटिहार इकाई की ओर से आयोजित की गयी। कार्यक्रम की अध्यक्षता सक्षम उत्तर बिहार प्रांत के कोषाध्यक्ष अरुण कुमार चौधरी ने की। कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्वलित व संगठन मंत्र करके किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में सरस्वती शिशु मंदिर के सचिव अमित कुमार गुप्ता उर्फ बबलू गुप्ता मौजूद रहे। मंच का संचालन शिशु मंदिर के आचार्या प्रिया ने किया।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने संत कवि सूरदास के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि जब देश मुगलों के अत्याचार से कराह रहा था। तब सूरदास ने अपनी कृष्ण भक्ति के कारण ब्रजभाषा में भक्ति रस की कविता के माध्यम से समाज में सांस्कृतिक जागरण कर लोगों को अपने-अपने आराध्य देव से जोड़ने में सफल रहे। वक्ताओं ने कहा कि भक्ति काल के कवि संत सूरदास नेत्रहीन थे। पर भगवान का चित्रण एवं समाज की पीड़ा का वर्णन जो उनकी कविता में मिलता है वह अन्यत्र कहीं नहीं। कार्यक्रम में जिला सचिव मुकुंद मुरारी साह ने बताया कि कवि सूरदास जी का जयंती वैशाख शुक्ल पंचमी को मनाया जाता है। अंत में विधालय की प्रभारी प्रधानाचार्या नेहा कुमारी ने धन्यवाद ज्ञापन से कार्यक्रम का समापन किया गया।कार्यक्रम को सफल बनाने में शिशु मंदिर के आचार्या प्रिया, अर्चना एवं सेविका नीलू प्रमुख रूप से विधालय में पढ़ने वाले छात्र-छात्राएं और उनके अभिभावक भी शामिल रहे। साथ ही सक्षम से जिला सह सचिव योगेश पूर्वे व सत्यनारायण प्रसाद जिला चरैवेति प्रकोष्ठ प्रमुख भी उपस्थित थे।

वैक्सीनेशन करवाने को लेकर आशा कार्यकताओं की बैठक आयोजित

मनसाही/कटिहार (नबिटासं)। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मनसाही में बुधवार को आशा कार्यकर्ताओं की बैठक आयोजित की गई। इस मौके पर जिला प्रतिरक्षण पदाधिकारी, डब्लूएचओ के एसएमसी एवं जिला सामुदायिक उत्प्रेरक के द्वारा प्रशिक्षण दिया गया। इस प्रशिक्षण में बताया गया कि एचपीवी टीकाकरण कार्यक्रम शुरू किया गया हैं जिसका मुख्य उद्देश्य गर्भाशय के कैंसर को रोकना हैं। एचपीवी का वैक्सीन पहले स्कूल में 9 से 14 वर्ष के किशोरियों को लगाया गया था। अब यह टीकाकरण 14 वर्ष के किशोरियों को एचपीवी गदार्सील वैक्सीन लगाया जाएगा जो भी किशोरियों का 14 वर्ष पूरा हो गया हैं और 15 वर्ष से कम हैं,उन्हें ही यह वैक्सीन एक ही बार लगाया जाएगा। यह वैक्सीन सरकारी स्वास्थ्य केंद्र एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में दिया जाएगा। इस अवसर पर प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉक्टर प्रेमराज,प्रखंड स्वास्थ्य प्रबंधक अनवर आलम, क्लर्क पुष्कर राज,लेखापाल अनिमेष कुमार आदि उपस्थित रहे ।

महिला आरक्षण व परिसीमन मुद्दे पर राष्ट्रीय लोक मोर्चा का धिक्कार मार्च

कटिहार (नबिटासं)। राष्ट्रीय लोक मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा के आह्वान पर बुधवार को बिहार के सभी जिला मुख्यालयों में धिक्कार मार्च निकाला गया। इसी क्रम में कटिहार जिला में भी जिला संयोजक उमाकांत आनंद के नेतृत्व में नगर भवन से शहीद चौक तक आक्रोश मार्च निकाला गया। मार्च के दौरान कार्यकताओं ने महागठबंधन सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और महिला आरक्षण बिल तथा परिसीमन सुधार के मुद्दे पर विरोध दर्ज कराया। जिला संयोजक उमाकांत आनंद ने कहा कि महागठबंधन सरकार महिला विरोधी मानसिकता रखती है और नहीं चाहती कि आम महिलाओं की भागीदारी संसद एवं विधानसभा में बढ़े। उन्होंने आरोप लगाया कि महिला आरक्षण बिल का विरोध कर सरकार ने अपनी मंशा साफ कर दी है। उन्होंने कहा कि उपेंद्र कुशवाहा के नेतृत्व में राष्ट्रीय लोक मोर्चा लगातार परिसीमन सुधार, संवैधानिक अधिकार और बिहार सहित उत्तर भारत के विकास को लेकर संघर्षरत है।

पत्नी ने प्रेमी को बुलाकर कर दी पति की हत्या, जांच में जुटी पुलिस

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मनसाही (कटिहार)। सदर प्रखंड क्षेत्र के सिरनिया गोलाघाट राय टोला में पत्नी ने प्रेमी के साथ मिलकर अपने ही पति की बेरहमी से हत्या कर दी। पति का शव घर के अंदर बिछावन पर ही पड़ा मिला। और गले पर गहरे निशान पाए गए। जो गला दबाकर हत्या की ओर इशारा कर रहा हैं। घटना की सूचना मिलने के बाद मुफस्सिल पुलिस एफएसएल टीम के साथ घटनास्थल को पहुंचकर घटना की जांच की और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु कटिहार सदर अस्पताल भेज दिया।

मृतक का नाम गालिब राय (42) हैं। मृतक की मां रकीमा खातून रोते बिलखते हुए बताया कि उनके पुत्र गालिब की उसकी पत्नी रोजिया खातून ने प्रेमी के साथ मिलकर हत्या कर दिया और पुलिस से उन्हें न्याय की उम्मीद हैं। इस संबंध में पत्नी रोजिया खातून का कहना हैं कि वह नशे के आदि थे और जब वे लोग सो गए थे तब वह रात में घर आया था। सुबह उठने पर उनके शव को बिस्तर पर देखा। इसके बाद इसकी सूचना उनके रिश्तेदारों को दिया गया। उनके पति की हत्या कैसे हुई यह उन्हें पता नहीं हैं। एफएसएल की टीम जांच में जुटी हुई थी।

सड़क सुरक्षा को लेकर चलाया गया शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में सघन वाहन चेकिंग अभियान

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार ग्रामीण । जिले में सड़क सुरक्षा को सुदृढ़ करने, यातायात अनुशासन बनाए रखने तथा सड़क दुर्घटनाओं में गुणात्मक कमी लाने के उद्देश्य से बुधवार को शहरी पर वाहनों की गहन जांच की गई। इस क्रम में वाहन चालकों से वैध कागजात,ड्राइविंग लाइसेंस, सीट बेल्ट, हेल्मेट के उपयोग तथा ओवरलोडिंग की विशेष रूप से जांच की गई। नियमों

और ग्रामीण क्षेत्रों में सघन वाहन जांच अभियान चलाया गया। जिला पदाधिकारी के निर्देश के आलोक में मनिहारी अनुमंडल पदाधिकारी त्रिलोकी नाथ सिंह के नेतृत्व में एसडीपीओ बिनोद कुमार, बीडीओ सनत कुमार सहित अन्य अधिकारियों ने विभिन्न चौक-चौराहों और संवेदनशील स्थानों पर व्यापक जांच की। अभियान के दौरान मनिहारी अंबेडकर चौक, नारायण पुल,कुमारीपुर समेत आधे दर्जन से अधिक स्थानों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों से मौके पर ही आर्थिक दंड भी वसूला गया।अधिकारियों ने आम लोगों से अपील करते हुए कहा कि सड़क सुरक्षा मानकों का पालन करना सभी की जिम्मेदारी है। सुरक्षित ड्राइविंग अपनाकर ही दुर्घटनाओं को रोका जा सकता है। इस तरह के अभियान आगे भी लगातार जारी रहेंगे, ताकि यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाया जा सके और आमजन की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।

हाइवोल्टेज तार गिरने से लगी आग, लोगों ने घर से भाग कर बचाई अपनी जान

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मनसाही (कटिहार)। प्रखंड क्षेत्र के भेड़मारा पंचायत के हरिप्रसाद गांव में बीती रात करीब एक बजे हाइवोल्टेज बिजली के तार गिरने से आग लग गई चुंकि भीषण गर्मी होने और ग्रामीण क्षेत्र होने के कारण कई लोग जगे हुए थे आग देख लोगों ने शोर मचाया और लोग घर से निकल सुरक्षित स्थान की ओर भागे।

हरिप्रसाद गांव में लगभग दो दर्जन परिवार के घर के ठीक ऊपर से हाइटेंशन तार गुजरा हैं लोग कई बार विभाग से इस तार को आबादी से दूर हटाने की अपील कर चुके हैं मगर विभाग इस ओर अनभिज्ञ बनी हुई हैं, बताते चलें कि जिस जगह तार टूट कर गिरा वहां लगभग दो सौ लोगों की आबादी रहती हैं,इसे कोई चमत्कार ही कहे की कोई बड़ी दुर्घटना नहीं हुई क्षेत्र के लोगों ने प्रशासन से जल्द से जल्द इस समस्या के स्थाई समाधान की मांग की ।

अग्रसेन भवन की कार्यसमिति गठित

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार। शहर के अग्रसेन भवन में कार्यकारिणी सदस्यों की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस दौरान वर्ष 2026-28 के लिए नयी कार्यसमिति का गठन किया गया। जिसमें सर्वसम्मति से अशोक अग्रवाल विधान पार्षद को अध्यक्ष,अनिल चमाडिया, राजकुमार मुरारका और सावरमल सिंघानिया को उपाध्यक्ष,शंभू अग्रवाल को सचिव, निर्मल अग्रवाल को कोषाध्यक्ष बनाया गया। इसके साथ सह कोषाध्यक्ष अभिषेक अग्रवाल, सहसचिव सुनील अग्रवाल, प्रकाश अग्रवाल और राधेश्याम अग्रवाल को बनाया गया है। उपाध्यक्ष राज कुमार मुरारका ने सभी नवचयनित कमिटी के सदस्यों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामना दी है।

धनकाहा बरहरा घाट में डूबे युवक का शव 48 घंटे बाद मिला

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बरारी (कटिहार)। प्रखंड क्षेत्र धनकाहा बरहरा घाट में सोमवार को डूबे 35 वर्षीय पंकज महतो का शव 48 घंटे बाद बुधवार सुबह करीब 7 बजे बरामद किया गया। शव मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। घर में चीख-पुकार और मातम का माहौल बन गया। परिजन रो-रोकर बेसुध हो रहे थे और गांव के लोगों की आंखें भी नम हो गईं।

मृतक पंकज महतो पिता बिहारी लाल महतो सोमवार को घाट पर स्नान के दौरान गहरे पानी में चले गए थे। जिसके बाद वे लापता हो गए थे। स्थानीय लोगों और प्रशासन की टीम द्वारा लगातार दो दिनों तक खोजबीन की जा रही थी। बुधवार सुबह शव मिलने की सूचना मिलते ही अंचल अधिकारी अनुपम कुमारी मौके पर पहुंचीं और हालात का जायजा लिया। इस दौरान मुखिया इब्राहिम और उप मुखिया सुनील मंडल भी मौजूद रहे। घटना के बाद पीड़ित परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है। परिजनों ने प्रशासन से उचित मुआवजा देने की मांग की है। सीओ ने आश्वासन दिया कि नियमानुसार कार्रवाई कर हर संभव सहायता प्रदान की जाएगी।

डीएम ने किया कदवा एवं आजमनगर प्रखंडों का निरीक्षण

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कदवा (कटिहार)। जिला पदाधिकारी आशुतोष द्विवेदी ने बुधवार को बारसोई अनुमंडल के कदवा तथा आजमनगर प्रखंड मुख्यालय पहुंचकर विभिन्न कार्यालयों का औचक निरीक्षण किया।निरीक्षण के क्रम में उन्होंने प्रखंड क्षेत्र में संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का भी निरीक्षण किया। इस दौरान अपर समाहर्ता डा.बिनोद कुमार साथ रहे। डीएम ने योजना क्रियान्वयन का जायजा लेकर जमीनी हकीकत से वाकिफ हुए। तो वहीं विभागीय पदाधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। इस क्रम में उन्होंने अंचल कार्यालय के भी विभिन्न अभिलेखों की जांच की। आरटीचीएस कार्यालयों में लंबित आवेदनों की समीक्षा कर समयबद्ध तरीके से निष्पादन का निर्देश दिया। वहीं प्रधानमंत्री आवास योजना के क्रियान्वयन में पाई गई खामियों को लेकर प्रखंड विकास पदाधिकारी प्रेम कुमार को कड़ी फटकार लगाई।

मनरेगा योजनाओं में अनियमितता और मिल रही शिकायतों पर प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी देवेश कुमार गुप्ता को भी जमकर फटकार लगाया और जल्द से जल्द सुधार लाने का निर्देश दिया। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र दुगार्गंज पहुंचकर डीएम ने जांच घर, एक्सरे कक्ष, ओटी कक्ष, महिला एवं पुरुष वार्ड सहित अन्य कक्षों का निरीक्षण किया।उन्होंने एक्सरे कक्ष के कर्मी की लापरवाही उभरकर होने पर उसे जमकर फटकार लगाई। पोषण एवःपुनर्वास केंद्र बंद पाये जाने पर डीएम ने नाराजगी जताते हुए संबंधित पदाधिकारी को लिखित आवेदन देकर अविलंब केंद्र चालू कराने का सख्त निर्देश दिया। निरीक्षण के क्रम में डीएम ने प्रशासनिक सख्ती दिखाते हुए कहा कि किसी सूरत में जनहित की योजनाओं के क्रियान्वयन तथा स्वास्थ्य सेवाओं में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। डीएम ने कहा कि प्रखंड सह अंचल मुख्यालय स्थित कार्यालयों एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र के निरीक्षण में पाई गई। लापरवाहियों को लेकर संबंधित पदाधिकारियों को व्यवस्था में सुधार लाने का निर्देश दिया गया है।

स्वगणना कार्य में तेजी लाने के लिए रात्रि चौपाल का आयोजन : नगर आयुक्त

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार। नगर निगम सभागार में महापौर उषा देवी अग्रवाल की अध्यक्षता में स्वगणना कार्यक्रम को तीव्रता देने को लेकर से एक बैठक बुलाई गयी। जिसमें निगम पार्षदों भी उपस्थित रहे।इस दौरान फील्ड ट्रेनर,अधिकारी और कर्मियों के ने सभी पार्षदों से स्वगणना कराया गया तथा उनसे आग्रह किया गया कि नगर निगम की तरफ से प्रतिनियुक्त किए गए कर्मियों को आवश्यक सहायता प्रदान करते हुए अधिक से अधिक संख्या में अपने वार्ड में स्व गणना कराये। स्व गणना से डेटा की स्पष्टता और सटीकता बढ़ेगी और सरकार को जनता के लिए नीतिगत फैसले लेने में आसानी होगी। इस मौके पर नगर आयुक्त संतोष कुमार ने कहा कि स्व गणना कैसे करे को लेकर शहर के टीवी टावर महादलित टोला में जागरूक किया गया। जिसमें दर्जनों महिला पुरुष जागरूक होकर अपने स्व गणना करके अन्य लोगों को भी प्रेरित कर स्व गणना कराया। जिससे लगातार आनलाइन गणना तेजी से हो रहा है। स्व गणना को लेकर निगम क्षेत्र में विभिन्न वार्डों में रात्रि चौपाल का आयोजन किया जा रहा है।जो 30 अप्रैल तक चलेगा। फिर एक दो मई से प्रतिनियुक्त कर्मी अपने क्षेत्र में अपने सहयोगियों के साथ डोर टु डोर जाकर गणना करेंगे। नगर जनगणना पदाधिकारी सह नगर आयुक्त श्री कुमार ने बताया कि नगर क्षेत्र में जनगणना का कार्य तेजी से हो रहा है। प्राथमिकता के आधार कार्य को पुरा किया जाएगा। मौके पर निगम पार्षद बिटटु घोष, चन्द्रशेखर यादव, नोडल पदाधिकारी नुर आलम, कनीय अभियंता अजय कुमार सिंह सहित अन्य मौजूद रहे।

लायंस क्लब कटिहार की ओर से किया गया पौधारोपण

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार। लायंस क्लब कटिहार की ओर से पृथ्वी दिवस के मौके पर वृक्षारोपण किया गया। वृक्षारोपण करते हुए क्लब के अध्यक्ष लायन काजल महासेठ ने कहा कि आज का दिन हमें याद दिलाता है कि धरती को बचाना हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता कम करना और सौर, पवन प्रति जागरूकता फैलाने के लिए दुनिया भर में आज पृथ्वी दिवस मनाया जाता है। क्लब के पीआरओ लायन प्रिया गुप्ता के हवाले से जानकारी दी गई कि आज स्थानीय गौशाला परिसर मे 50 पेड़ लगाए गये जिसमे नीम, जामुन,अमरुद के साथ अर्जुन के पेड़ भी शामिल है। क्लब के पूर्व अध्यक्ष लायन अनिल चमरिया, पंकज पूर्वे, संतोष गुप्ता, स्वर्ण

ऊर्जा को अपनाना एवं भूजल का संरक्षण और वनीकरण के लिए जरूरी है कि हम ज्यादा से ज्यादा पेड़ लगाएं।

प्रोजेक्ट चेयरपर्सन लायन हंशु अग्रवाल डालमिया ने कहा कि हर साल 22 अप्रैल को लोगों को प्रदूषण, वनों की कटाई और ग्लोबल वार्मिंग के खतरों के बारे में शिक्षित करने हेतु जागरूकता कार्यक्रम भी चलाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन से लड़ने और सतत विकास के चमरिया, उपाध्यक्ष लक्ष्मी गुप्ता के साथ मनोज महासेठ मितेश डालमिया उपस्थित थे। उन्होंने कहा कि हमसभी को अपने जन्मदिन जैसे खास मौके पर पेड़ लगाना चाहिए। प्लास्टिक थैले का प्रयोग बंद करना चाहिए ताकि ग्लोबल वार्मिंग को कम किया जा सके। उन्होंने कहा कि "धरती माता करे पुकार, वृक्ष लगाओ, करो सुधार।" जैसे स्लोगन हर स्कूल मे लगाना चाहिए ताकि बच्चे जागरूक हो।

झारखंड कोचिंग एक्ट के खिलाफ हाईकोर्ट जाने की तैयारी, कोचिंग संचालकों की बैठक

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। झारखंड कोचिंग एक्ट के विरोध में अब कोचिंग संस्थानों ने कानूनी लड़ाई का रास्ता अपनाने का निर्णय लिया है। बरगंडा में एप्टा गिरिडीह इकाई की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसमें जिले के 30 से अधिक प्रमुख कोचिंग संस्थानों के निदेशकों ने भाग लिया बैठक में एप्टा के मुख्य संरक्षक राजेश सिन्हा ने कहा कि एक्ट के कई प्रावधान कोचिंग संस्थानों के लिए अव्यवहारिक हैं, जिसके कारण इन्हें हाई कोर्ट में चुनौती दी जाएगी।

वहीं धनबाद कोचिंग संगठन के अध्यक्ष मनोज सिंह ने बताया कि चूंकि यह कानून गजट के माध्यम से लागू हो चुका है, इसलिए अब इसमें संशोधन केवल न्यायालय के माध्यम से ही संभव है। उन्होंने कहा कि संगठन जल्द ही हाई कोर्ट में याचिका दायर करेगा, जिसमें विवादित प्रावधानों को हटाने तथा तब तक एक्ट के क्रियान्वयन पर रोक लगाने की मांग की जाएगी बैठक में विशेष रूप से 5 लाख रुपये की सिक्युरिटी डिपॉजिट, न्यूनतम 50 छात्रों पर नियम लागू होने जैसी शर्तों पर आपत्ति जताई गई। सदस्यों ने इस बात पर भी आश्चर्य व्यक्त किया कि सबसे पहले गिरिडीह में ही इस संबंध में नोटिफिकेशन जारी किया गया, जबकि अन्य जिलों में अब तक ऐसा नहीं हुआ है इस दौरान कोचिंग संस्थानों की भूमिका और झारखंड के शैक्षणिक माहौल पर भी चर्चा की गई। साथ ही सभी संस्थानों को अपने यहां छात्रों की सुविधा और सुरक्षा के लिए आवश्यक इंतजाम सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। गिरिडीह कोचिंग एसोसिएशन के सचिव को सभी संस्थानों से संबंधित जानकारी जल्द उपलब्ध कराने को कहा गया, ताकि कोर्ट से राहत मिलने पर सभी को इसका लाभ मिल सके। बैठक का संचालन एप्टा सचिव अधिवक्ता सूरज नयन एवं वर्किंग कमिटी संयोजक आलोक मिश्रा ने किया। इस अवसर पर नागेंद्र कुमार, विकास तिवारी, नागेंद्र सिंह, मनोज यादव, मिंटू सिंह, सद्दाम हुसैन, संजय प्रणव मिश्रा, सुबोध वर्मा, रवि रंजन, सी.के. मिश्रा, अनिल सहित दर्जनों शिक्षक उपस्थित थे।

सर्किट हाउस में हुड़दंग करने मामले में आठ गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

औरंगाबाद। हथियार बंद कुछ लोगों द्वारा सर्किट हाउस में घुसकर वेटर को गाली-गलौज तथा मारपीट के आरोप में नगर थाना की पुलिस द्वारा आठ लोगों को गिरफ्तार किया गया है जबकि अन्य लोग मौके से फरार हो गए। पकड़े गए आरोपितों की पहचान पंजाब राज्य के अमृतसर जिले के महिता थाना क्षेत्र अन्तर्गत धरदिउ निवासी प्रवीण सिंह, बुटर थाना क्षेत्र के तरदेव गांव निवासी बलविन्द्र सिंह, मधुबनी जिले के अरेर थाना क्षेत्र के अरेर निवासी सुंदरम कुमार झा, सिवान जिले के दौरदां थाना क्षेत्र के कोथवा सारंगापुर निवासी मनोरंजन सिंह, पौधुआ निवासी आशीष कुमार, समस्तीपुर जिले के सरायरंजन थाना क्षेत्र के खेतापुर धर्मपुर निवासी गरीबन सहनी, दलसिंहसराय थाना क्षेत्र के मुक्तियारपुर निवासी रंजन कुमार एवं गया जिले के गुरारू थाना क्षेत्र के बगडिहा निवासी सुरेन्द्र सिंह के रूप में की गई है। इनके पास से 1, पिस्टल, 2 मैगजीन, 1 दोनाली बंदूक, 38 जिंदा कारतूस, 9 मोबाईल फोन 1 कैमरा, 2 स्कॉर्पियो एवं 23500 रूपये बरामद किया गया है। जानकारी के अनुसार, नगर थानाध्यक्ष बबन बैठा को सूचना मिली कि 10-15 व्यक्तियों द्वारा चार चक्का वाहन से जिला अतिथी गृह में घुसकर हथियार का भय दिखाकर जबरदस्ती रूम खुलवाया तथा विश्राम कर रहे लोगों के साथ अभद्र व्यवहार किया जा रहा हैं। सूचना के आलोक में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई सर्किट हाउस पहुंच कर मौके से आठ व्यक्तियों को हिरासत में लिया गया। इनकी तलाशी में 1 दोनाली बंदूक, 1 पिस्टल, 2 पिस्टल मैगजीन एवं 38 जिंदा कारतूस बरामद किया गया। तत्पश्चात बरामद हथियार को विधिवत जब्त कर उक्त आठ व्यक्तियों को विधिवत गिरफ्तार किया गया। थानाध्यक्ष बबन बैठा ने बताया कि सर्किट हाउस के वेटर टुनटुन कुमार द्वारा प्राप्त आवेदन के आधार पर प्राथमिकी दर्ज की गई। पीड़ित के अनुसार मंगलवार की रात तीन कार से करीब 10 से 15 लोग सर्किट हाउस पहुंचे थे और कमरे के लिए दबाव बनाने लगे। इस दौरान लाख मना करने पर आरोपितों ने हथियार के दम पर उसके साथ गाली-गलौज तथा मारपीट की। सूचना पर पहुंची पुलिस द्वारा आठ लोगों को गिरफ्तार किया गया है। जबकि शेष फरार हो गए। फरार आरोपियों की तलाश की जा रही है। आवश्यक कार्रवाई के बाद सभी आरोपियों को जेल भेज दिया गया।

चूल्हे की चिंगारी से जले 20 घर, लाखों की संपत्ति खाक

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

औरंगाबाद। बुधवार को भीषण अगलगी में करीब 20 फूस के घर जलकर पूरी तरह खाक हो गए, जिससे लाखों रुपए की संपत्ति नष्ट हो गई और दर्जनों लोग बेघर हो गए। घटना मदनपुर प्रखंड अंतर्गत सलैया थाना क्षेत्र के बेरी पंचायत स्थित पुरन बिगहा की है। जानकारी के अनुसार मंगलवार की रात मुखदेव भुइया के बेटे का तिलक था। रात में घर के बाहर चूल्हा बना कर खाना बनाया गया था। फिर चूल्हा को छोड़ दिया गया था। आग को बुझाया नहीं गया था। बुधवार को चूल्हे से निकली चिंगारी से आग लग गई। स्थानीय ग्रामीणों के अनुसार, आग लगने की शुरुआत एक घर में खाना बनाने के दौरान चूल्हे से निकली चिंगारी से हुई। यह चिंगारी पास के दूसरे घर में जा गिरी, जिससे आग भड़क उठी। तेज हवा के कारण आग ने कुछ ही मिनटों में विकराल रूप धारण कर लिया और देखते ही देखते एक-एक कर आसपास के सभी फूस के मकान इसकी चपेट में आते चले गए। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए अग्निशमन विभाग को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही दमकल की टीम मौके पर पहुंची और काफी मशक्कत के बाद आग पर नियंत्रण पाया जा सका। तब तक अधिकांश घर जलकर राख हो चुके थे। इस अगलगी में प्रभावित परिवारों में शिवकुमार भुईयां, देवकुमार भुईयां, अखिलेश भुईयां, रंजीत भुईयां, धर्मेंद्र भुईयां, शंकर भुईयां, गोलू भुईयां, कन्हाई भुईयां, लकेशरी कुंवर, कमलेश भुईयां, रमेश भुईयां, मघोद भुईयां, अरुण भुईयां, जगन भुईयां, ओम प्रकाश भुईयां, अनिल रविदास, बिरजू रविदास, जयप्रकाश भुईयां, जीतेंद्र भुईयां और विकास भुईयां शामिल हैं। सभी परिवार अत्यंत गरीब हैं और मजदूरी कर अपने परिवार का भरण-पोषण करते थे। घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय जनप्रतिनिधि और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे। अंचल अधिकारी मो. अकबर हुसैन तथा राजस्व कर्मचारी ने घटनास्थल का निरीक्षण कर पीड़ितों की स्थिति का जायजा लिया। प्रशासन की ओर से तत्काल राहत उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया गया है। अंचल अधिकारी ने बताया कि आपदा प्रबंधन राहत कोष से प्रत्येक प्रभावित परिवार को पांच-पांच हजार रुपये की नकद सहायता दी जाएगी। बताया गया है कि ये सभी लोग एक निजी जमीन पर बसे हुए थे। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि इन प्रभावित परिवारों को सरकारी जमीन उपलब्ध कराकर बसाने की दिशा में पहल की जाएगी। साथ ही नियमानुसार मुआवजा देने की प्रक्रिया भी पूरी की जाएगी।

हत्या मामले में दो अभियुक्तों को सात साल की क़ैद

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

औरंगाबाद। व्यवहार न्यायालय औरंगाबाद में जिला जज अष्टम मनीष कुमार जायसवाल ने खुदवा थाना की एक कांड में सज़ा के बिंदु पर सुनवाई करते हुए अभियुक्त पिता व पुत्र को सज़ा सुनाई है। एपीपी प्रदीप कुमार सिंह ने बताया कि खुदवां थाना क्षेत्र के रामनगर निवासी फेकु पासवान एवं सुजित कुमार उर्फ भलुआ (प्राथमिक अभियुक्त) को भादंवि धारा -304 में 15 अप्रैल 2026 को दोषी ठहराया गया था और बंधपत्र विखंडित कर जेल भेज दिया गया था आज दोनों पक्षों को सुनने के पश्चात न्यायधीश ने भादंवि धारा 304 में अभियुक्तों को सात साल सश्रम कारावास की सजा और पांच हजार रूपये जुर्माना लगाया है जुर्माना न देने पर एक साल अतिरिक्त साधारण कारावास होगी। अभियोजन की ओर से 17 गवाही हुई थी, अधिवक्ता सतीश कुमार स्नेही ने बताया कि वाद सूचक रामनगर निवासी प्रभावती देवी ने 10 जनवरी 2013 प्राथमिकी दर्ज कराई थी जिसमें बताया कि 09 जनवरी 2013 की रात 09 बजे मेरे पति दिलेश्वर राम को अभियुक्तों ने लाठी डंडे से मार-मार कर बुरी तरह से ज़ख्मी कर दिया। शोर मचाने पर ग्रामीण जुटे तो सभी अभियुक्त मौके से फरार हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस के सहयोग से जख्मी पति को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ओबरा में भर्ती कराया जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। कांड की गंभीरता के आधार पर पुलिस ने अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया।

विवेकानंद स्कूल के छात्रों का जेईई मेन्स में जलवा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

औरंगाबाद। जेईई मेन्स सेशन-2 के परीक्षा परिणाम में शहर के विवेकानंद विजन आइडियल पब्लिक स्कूल के छात्रों ने शानदार प्रदर्शन कर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। विद्यालय के छात्र आयुष कुमार सिंह ने 99.8 परसेंटाइल अंक प्राप्त कर विद्यालय एवं जिले का नाम रोशन किया है। आयुष कुमार सिंह, पिता संतोष कुमार सिंह एवं माता नीतू कुमारी, औरंगाबाद के शाहपुर निवासी हैं। उनकी इस उपलब्धि से परिवार और क्षेत्र में खुशी का माहौल है। इसी क्रम में ओबरा निवासी धीरेंद्र कुमार एवं रिंकू देवी के पुत्र आदित्य कुमार ने 98.6 परसेंटाइल अंक प्राप्त किए। वहीं रोहतास निवासी धनंजय कुमार व किरण देवी के पुत्र सौरभ कुमार ने 96.6 परसेंटाइल हासिल किया। औरंगाबाद के पांडेय बिगहा निवासी नीरज कुमार एवं सोनी कुमारी शर्मा की पुत्री दिव्यांशी पांडेय ने 96.4 परसेंटाइल प्राप्त कर सफलता अर्जित की। श्रीकृष्ण नगर निवासी हरेन्द्र शर्मा व मिंटू सिन्हा के पुत्र सत्यम कुमार ने 96 परसेंटाइल अंक प्राप्त कर विद्यालय का मान बढ़ाया। राजपुर (रोहतास) निवासी प्रमोद कुमार एवं बबिता कुमारी के पुत्र अक्षत कुमार ने 90.96 परसेंटाइल अंक प्राप्त कर सफलता हासिल की। इसके अलावा विद्यालय के छह अन्य छात्रों ने भी 90 परसेंटाइल से अधिक अंक प्राप्त किए। विद्यालय के निदेशक डॉ. शंभू शरण सिंह एवं चेयरमैन मनीष वत्स ने सभी सफल छात्रों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि आज पूरी दुनिया को भारत से बड़ी उम्मीदें हैं और ऐसे प्रतिभाशाली छात्र देश के विकास को नई दिशा देंगे। इस अवसर पर विद्यालय की उप-प्राचार्य सूची कुमारी सहित समस्त शिक्षकगणों ने भी छात्रों को शुभकामनाएं दीं।

एक नजर

पुलिस महानिरीक्षक का औरंगाबाद दौरा

औरंगाबाद/ नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बिहार पुलिस के पुलिस महानिरीक्षक (मुख्यालय, पटना) सह-नोडल पदाधिकारी के औरंगाबाद आगमन पर समाहरणालय परिसर में गार्ड ऑफ ऑनर देकर सम्मानित किया गया। इसके बाद पुलिस महानिरीक्षक ने पुलिस अधीक्षक की उपस्थिति में पुलिस अधीक्षक कार्यालय का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कार्यालय की कार्यप्रणाली, अभिलेखों के संधारण, लंबित मामलों तथा जिले की कानून-व्यवस्था की स्थिति की विस्तृत समीक्षा की गई। इस अवसर पर सभी एसडीपीओ, डीएसपी (यातायात), साइबर शाखा के अधिकारी एवं प्रशिक्षु पदाधिकारी उपस्थित रहे। अधिकारियों को कार्यों में पारदर्शिता, त्वरित निष्पादन और कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। निरीक्षण के दौरान पुलिस महानिरीक्षक ने अपराध नियंत्रण, लंबित मामलों के शीघ्र निष्पादन तथा आमजन की समस्याओं के त्वरित समाधान पर विशेष जोर दिया।

रोस्टर के अनुसार प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र निष्पादन का दिया निर्देश

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

औरंगाबाद। योजना भवन के सभा कक्ष में जिला पदाधिकारी अभिलाषा शर्मा की अध्यक्षता में निबंधन विभाग अंतर्गत राजस्व संग्रह से संबंधित समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में राजस्व संग्रह की प्रगति, लंबित मामलों के निष्पादन तथा विभागीय कार्यप्रणाली की विस्तृत समीक्षा की गई।

समीक्षा के दौरान जिला पदाधिकारी द्वारा निर्देश दिया गया कि रोक सूची से संबंधित सभी लंबित मामलों की अद्यतन सूची तैयार कर रोस्टर के अनुसार प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र निष्पादन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि किसी भी प्रकार की लंबित फाइलों को अनावश्यक रूप से लंबित न रखा जाए तथा समयबद्ध निष्पादन पर विशेष बल दिया जाए। राजस्व संग्रह की समीक्षा करते हुए जिला पदाधिकारी ने संबंधित पदाधिकारियों को निर्देशित किया कि विभागीय प्रावधानों एवं नियमानुसार त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करें, ताकि राजस्व वसूली में अपेक्षित प्रगति हासिल की जा सके। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि कार्य में पारदर्शिता एवं जवाबदेही बनाए रखते हुए सभी प्रक्रियाओं का नियमित अनुश्रवण किया जाए।

जनगणना में प्रत्येक परिवार और व्यक्ति की सही जानकारी संकलन आवश्यक

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

औरंगाबाद। जनगणना-2027 की तैयारियों के अंतर्गत एचएलबी (हाउस लिस्टिंग ब्लॉक) के डिमार्केशन एवं जियो-टैगिंग कार्य का नगर परिषद, औरंगाबाद में जिलाधिकारी द्वारा स्थलीय निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि एचएलबी का सीमांकन पूर्णतः सटीक एवं निर्धारित मानकों के अनुरूप किया जाए, ताकि जनगणना कार्य सुचारू एवं त्रुटिरहित ढंग से संपन्न हो सके।उन्होंने जियो-टैगिंग कार्य में तकनीकी शुद्धता एवं अद्यतन डेटा अपलोड सुनिश्चित करने पर विशेष बल दिया। जिलाधिकारी ने कहा कि जनगणना-2027 एक महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्य है जिसमें प्रत्येक परिवार एवं व्यक्ति की सही जानकारी का संकलन आवश्यक है। इसके लिए प्रारंभिक चरण में एचएलबी का सही डिमार्केशन एवं जियो-टैगिंग अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने संबंधित पदाधिकारियों एवं कर्मियों को निर्देशित किया कि कार्य में किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए तथा निर्धारित समयसीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण ढंग से कार्य पूर्ण किया जाए। साथ ही, नियमित मॉनिटरिंग एवं फील्ड वेरिफिकेशन सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए गए। इस अवसर पर अपर समाहर्ता अनुग्रह नारायण सिंह, जिला सांख्यिकी पदाधिकारी एवं अन्य कर्मी उपस्थित थे।

सुरक्षा व्यवस्था में लापरवाही बर्दाश्त नहीं : अभिलाषा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

औरंगाबाद। जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-जिलाधिकारी अभिलाषा शर्मा द्वारा प्रखण्ड परिसर स्थित इवीएम एवं वीवीपैट वेयरहाउस का मासिक निरीक्षण किया गया। विदित हो कि भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली के निदेशानुसार ईवीएम एवं वीवीपैट वेयरहाउस का नियमित निरीक्षण किया जाना अपेक्षित है, ताकि निर्वाचन प्रक्रिया की पारदर्शिता, विश्वसनीयता एवं सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। निरीक्षण के दौरान वेयरहाउस में सुरक्षित रखे गए ईवीएम एवं वीवीपैट के रख-रखाव, सुरक्षा व्यवस्था तथा संधारित अभिलेखों की गहन जांच की गई। जिला निर्वाचन पदाधिकारी द्वारा संबंधित पदाधिकारियों को निर्देशित किया गया कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित सभी मानकों एवं दिशा-निर्देशों का अक्षरशः अनुपालन सुनिश्चित किया जाए तथा वेयरहाउस की सुरक्षा व्यवस्था को और सुदृढ़ बनाए रखा जाए। इस दौरान जिलाधिकारी ने पदाधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि वेयरहाउस की सुरक्षा व्यवस्था में किसी भी प्रकार की कोताही नहीं होनी चाहिए। निर्वाचन आयोग के सभी निर्देशों का पालन पूर्ण तत्परता से किया जाये। इस अवसर पर अपर समाहर्ता अनुग्रह नारायण सिंह, उप निर्वाचन पदाधिकारी मो. गजाली सहित उपस्थित रहे।

स्व-गणना को ससमय पूर्ण करने को लेकर प्रशासन गंभीर

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

औरंगाबाद। जिले में सभी वरीय पदाधिकारियों द्वारा जिलाधिकारी-सह-प्रधान जनगणना अधिकारी अभिलाषा शर्मा के निर्देशानुसार स्व-गणना प्रपत्र पूर्ण किया जा रहा है। इसी क्रम में उप विकास आयुक्त अनन्या सिंह, अपर समाहर्ता अनुग्रह नारायण सिंह, अपर समाहर्ता (आपदा) उपेंद्र पंडित, जिला पंचायती राज पदाधिकारी इफ्तेखार अहमद, सदर डीसीएलआर श्वेतांक लाल, सदर अनुमंडल पदाधिकारी संतन कुमार सिंह, दाउदनगर अनुमंडल पदाधिकारी अमित राजन, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी श्वेता प्रियदर्शी, वरीय उप समाहर्ता रितेश कुमार यादव एवं बेवी प्रिया, जिला योजना पदाधिकारी अविनाश प्रकाश सहित अन्य जिला स्तरीय पदाधिकारियों द्वारा स्व-गणना प्रपत्र पूर्ण किया गया। उल्लेखनीय है कि भारत की जनगणना 2027 दो चरणों में संपन्न होगी। प्रथम चरण के अंतर्गत मकान सूचीकरण एवं आवासीय विवरण संकलन का कार्य 2 मई 2026 से 31 मई 2026 तक किया जाएगा। आम नागरिकों की सुविधा के लिए पहली बार स्व-गणना की व्यवस्था 17 अप्रैल 2026 से 1 मई 2026 तक उपलब्ध कराई गई है। नागरिक se.census.gov.in पोर्टल पर जाकर अपने राज्य का चयन करते हुए मोबाइल नंबर के माध्यम से ओटीपी द्वारा लॉगिन कर सकते हैं। तत्पश्चात डिजिटल मानचित्र पर अपने घर को चिह्नित कर परिवार से संबंधित 33 प्रश्नों का उत्तर भर सकते हैं। प्रक्रिया पूर्ण होने पर प्राप्त स्व-गणना आईडी (एसई आईडी) को सुरक्षित रखना अनिवार्य है, जिसे गणनाकर्मी के क्षेत्र भ्रमण के दौरान सत्यापन हेतु प्रस्तुत करना होगा। जिला प्रशासन द्वारा आम नागरिकों से अपील की गई है कि वे स्व-गणना प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी निभाते हुए सही एवं पूर्ण जानकारी उपलब्ध कराएं, ताकि जनगणना कार्य का सफल एवं त्रुटिरहित क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जा सके।

113 बालूघाटों में 64 की नीलामी, राजस्व संग्रह पर जोर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

औरंगाबाद। जिलाधिकारी अभिलाषा शर्मा एवं पुलिस अधीक्षक अम्बरीष राहुल की संयुक्त अध्यक्षता में योजना भवन स्थित सभा कक्ष में खनन एवं परिवहन विभाग से जुड़े राजस्व संग्रह की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न विभागों की प्रगति, राजस्व प्राप्ति तथा कानून-व्यवस्था से संबंधित बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा हुई। खनन विभाग की समीक्षा के दौरान जिला खनन पदाधिकारी हरेश कुमार ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में मार्च 2026 तक 51,290.81 लाख रुपये के लक्ष्य के विरुद्ध 31,665.56 लाख रुपये (61.73 प्रतिशत) की राजस्व प्राप्ति हुई है। जिले के 113 बालूघाटों में से 64 की नीलामी हो चुकी है, जबकि 23 घाट वर्तमान में संचालित हैं। शेष घाटों के लिए पुनः नीलामी की प्रक्रिया जारी है। अवैध खनन एवं परिवहन के विरुद्ध चालू वित्तीय वर्ष में 2,596 छापेमारी अभियान चलाए गए, जिनमें 120 लोगों की गिरफ्तारी की गई तथा 360.67 लाख रुपये की वसूली हुई। ईंट भट्ठों की समीक्षा में 232 में से 174 द्वारा पूर्ण भुगतान किए जाने की जानकारी दी गई, जबकि 58 भट्ठों से राशि लंबित है। परिवहन विभाग की समीक्षा में जिला परिवहन पदाधिकारी सुनंदा कुमारी ने बताया कि रमेश चौक, रामाबांध, ओवरब्रिज, नावाडीह मोड़, मदनपुर, ओबरा, अंबा चौक सहित कई स्थानों पर नियमित जाम की समस्या बनी रहती है। इसके समाधान के लिए विभिन्न स्थलों पर 'नो पार्किंग' बोर्ड लगाए गए हैं तथा 15 ट्रॉलियां खरीदकर यातायात पुलिस को उपलब्ध कराई गई हैं। हेलमेट जांच अभियान के तहत 6,899 वाहनों के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए 68.99 लाख रुपये का जुर्माना वसूला गया। वहीं ओवरलोडिंग के खिलाफ 538 वाहनों पर कार्रवाई कर 3.74 करोड़ रुपये से अधिक का शमन शुल्क अधिरोपित किया गया। जिलाधिकारी ने राजस्व संग्रह में तेजी लाने, अवैध खनन पर कड़ी कार्रवाई करने, यातायात व्यवस्था सुदृढ़ करने एवं विभागीय समन्वय बढ़ाने के निर्देश दिए। साथ ही चिन्हित ब्लैक स्पॉट क्षेत्रों में विशेष सतर्कता बरतने को कहा। बैठक में सदर एसडीओ संतन कुमार सिंह, एसडीपीओ संजय पांडे, जिला परिवहन पदाधिकारी सुनंदा कुमारी सहित संबंधित विभागों के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

अलग-अलग कार्रवाई में 54 लोग गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

औरंगाबाद। जिले में अपराध नियंत्रण और अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने को लेकर औरंगाबाद पुलिस ने सघन अभियान चलाया। इस क्रम में मंगलवार की रात जिले के विभिन्न थानों में कार्रवाई में करते हुए कुल 54 लोगों को गिरफ्तार किया गया जिनमें से 31 अभियुक्तों को न्यायिक हिरासत में भेजा गया है। पुलिस की इस कार्रवाई को बड़ी सफलता माना जा रहा है। जानकारी के अनुसार रंगदारी में 1, हत्या के प्रयास में 6, मद्य निषेध अधिनियम के तहत 8 तथा अन्य मामलों में 37 लोगों की गिरफ्तारी की गई। 18.50 लीटर देसी, दोनाली बंदूक 1, देसी कार्बाइन 1, जिंदा कारतूस 38, मैगजीन 2, मोबाइल 9, कैमरा 1, 2 चार चक्का एवं नकद 23500 रूपये बरामद किया गया। वाहन जांच अभियान के तहत 1349 वाहनों की जांच की गई जिसमें 54500 रूपये शमन की राशि वसूल की गई। इसके अलावा 37 वारंट का निष्पादन किया गया है। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि जिले में अपराध नियंत्रण और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए नियमित रूप से छापेमारी और जांच अभियान चलाया जा रहा है। पुलिस ने आमजन से अपील की है कि किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधि की सूचना तत्काल नजदीकी थाना या पुलिस कंट्रोल रूम को दें। पुलिस ने भरोसा दिलाया है कि अपराध और तस्करी के खिलाफ यह अभियान आगे भी जारी रहेगा।

संस्कृत व संस्कृति से होगा सनातन का उद्धार : अश्विनी चौबे

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

दाउदनगर (औरंगाबाद) । प्रखंड के कनाप सूर्य मंदिर परिसर में ज्ञानपथ इंटरनेशनल डेवलपमेंट वेलफेयर फाउंडेशन आदर्श कला संगीत द्वारा श्री दुर्गा माता एवं हनुमंत प्राण प्रतिष्ठा तथा श्रीमदभागवत ज्ञान यज्ञ का आयोजन किया गया है। कार्यक्रम में मंगलवार की देर रात भाजपा के वरिष्ठ नेता भारत सरकार के पूर्व मंत्री अश्विनी कुमार चौबे पहुंचे। उनका स्वागत किया गया। श्री चौबे ने धार्मिक अनुष्ठान पर अपना विचार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे धार्मिक अनुष्ठान देश भर में होना चाहिए। संस्कृत व संस्कृति से सनातन का उद्धार है। उन्होंने कहा कि तेरा वैभव अमर रहे मां, हम दिन चार रहे ना रहे। हम लोग सिर्फ यहां कुछ दिनों के लिए आए हैं। लेकिन भारत माता अमर है। सत्य और सनातन अमर है। इसलिए हम सभी को ऐसे पुनीत कार्य में उपस्थित होकर लोगों को जागृत करना चाहिए। सत्कर्म के प्रति सभी को आसक्ति होना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि पिछले दिनों लोकसभा में नारी शक्ति वंदन विधेयक का विरोध कांग्रेस व अन्य दलों ने किया है, जिससे महिलाओं का अपमान हुआ है। अपने अपमान का बदला वोट के माध्यम से वे जरूर लेगी। उन्होंने कहा कि पिछले वर्ष बक्सर में भी संत समागम का आयोजन किया गया था। संत समागम के होने से अंतरात्मा शुद्ध होता है। मुख्य आयोजनकर्ता संतोष कुमार (अधिवक्ता- सुप्रीम कोर्ट) हैं। भाजपा के जिला प्रवक्ता अश्विनी कुमार तिवारी, पूर्व पंचायत समिति सदस्य कौशल शर्मा व विकास शर्मा, सूर्य मंदिर परिसर के मुख्य पुजारी नथूनी शर्मा, सोनल शर्मा, संजय शर्मा, अनिरुद्ध शर्मा समेत काफी भक्त उपस्थित थे। इस कार्यक्रम में सरस कथा वाचक आचार्य धर्मेंद्र त्रिपाठी- वृंदावन, पंडित दीपक शास्त्री -अयोध्या तथा अन्य कई विद्वान जनों प्रवचन दिया।

पूर्व मंत्री का स्वागत

पूर्व मंत्री अश्विनी चौबे को पटना से कनाप आने के क्रम में ठाकुर बिगहा में और इसके बाद अरई में राजकुमार शर्मा -पूर्व मुखिया के आवास पर स्वागत किया गया। वहां डा. बैजनाथ शर्मा, मंडल अध्यक्ष संजय शर्मा, अर्मेन्द्र शर्मा, निर्भय तिवारी, सुधीर कुमार, रितेश कुमार, धनंजय शर्मा, नागेंद्र शर्मा, रूपेश तिवारी, बटेश्वर शर्मा, अनुरुद्ध शर्मा, रणजीत शर्मा, राजू राजवंशी एवं अन्य उपस्थित रहे।

शॉर्ट सर्किट से लगी भीषण आग, 13 घर जलकर राख

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बारून (औरंगाबाद)। बारून प्रखंड के गठौली गांव में बुधवार को शॉर्ट सर्किट से लगी भीषण आग ने भारी तबाही मचा दी। बिजली के तारों के आपस में टकराने से उठी चिंगारी ने देखते ही देखते विकराल रूप ले लिया और 13 घर जलकर राख हो गए। आग इतनी तेजी से फैली कि लोगों को अपना सामान तक निकालने का मौका नहीं मिला। इस अग्निकांड में कई परिवारों की पूरी गृहस्थी उजड़ गई। अनाज, कपड़े, बर्तन, नगदी, वाहन और मवेशी तक जलकर खाक हो गए। इस हादसे में प्रभावित परिवारों में मनबोध चौधरी, कृष्णा प्रजापत, रामाधार पाल, बसंत राम, बिहारी चौधरी, रंजीत साव, कामता प्रसाद गुप्ता, विनय पाल, गणेश चौधरी, कृष्णा चौधरी, जामवंत कुमार, अजीत साव और बैधनाथ राम शामिल हैं। घटना की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। इसके बाद प्रशासनिक अधिकारी भी गांव पहुंचे और पीड़ित परिवारों के बीच तिरपाल सहित अन्य राहत सामग्री का वितरण किया। स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने जिला प्रशासन से सभी प्रभावित परिवारों को उचित मुआवजा देने की मांग की है, ताकि वे दोबारा अपनी जिंदगी की शुरुआत कर सकें।

वीर कुंवर सिंह विजयोत्सव दिवस पर विशेष

वीर कुंवर सिंह ने आम जनमानस के बल पर ब्रिटिश हुकूमत को दी थी कड़ी चुनौती

अखिलेश कुमार

पटना/आरा। प्रथम स्वतंत्रता संग्राम 1857 के महान सेनानायक वीर कुंवर सिंह के विजयोत्सव दिवस पर उनके अदम्य साहस, युद्ध कौशल और राष्ट्रभक्ति को याद किया जा रहा है। 80 वर्ष की आयु में उन्होंने जिस पराक्रम के साथ ब्रिटिश हुकूमत के खिलाफ संघर्ष किया, वह विश्व इतिहास में विरल उदाहरण माना जाता है। इतिहासकारों के अनुसार, उस समय के कई राजा और जमींदारों ने उनका साथ नहीं दिया, बावजूद इसके वीर कुंवर सिंह ने आम जनमानस को संगठित कर अंग्रेजी शासन के खिलाफ व्यापक आंदोलन खड़ा किया। शाहाबाद की धरती जगदीशपुर से शुरू हुआ यह विद्रोह मगध, छोटानागपुर, रीवां, बांदा, कानपुर, लखनऊ, अयोध्या, आजमगढ़ और बलिया तक फैल गया। आरा और आजमगढ़ सहित कई स्थानों पर उन्होंने ब्रिटिश सत्ता को चुनौती देते हुए विजय पताका फहराई। वीर कुंवर सिंह को जनसमर्थन व्यापक रूप से मिला। उस समय की प्रसिद्ध नृत्यांगना धरमन बाई ने अपनी संपत्ति उनके संघर्ष के लिए समर्पित कर दी। उनके साथ निशान सिंह, हरकिशन, रघुवीर, दिलावर खान, छोटू रजवार, सरनाम सिंह जैसे अनेक योद्धा जुड़े, जिन्होंने अपने प्राण न्योछावर कर दिए। झारखंड के छोटानागपुर क्षेत्र से खरवार समुदाय के वीर नीलांबर-पीतांबर भी उनके साथ संघर्ष में शामिल हुए। हालांकि चतरा के समीप मेजर इंग्लिश के नेतृत्व में ब्रिटिश सेना के हमले में विद्रोही दल को भारी क्षति उठानी पड़ी। 27 जुलाई 1857 को आरा कलेक्ट्रेट पर कब्जा करने के बाद भी उनका संघर्ष लगातार जारी रहा। कैमूर की पहाड़ियों से होते हुए वे रॉबर्ट्सगंज, रीवां और बांदा तक अंग्रेजों के खिलाफ अभियान चलाते रहे। इसी दौरान कालवी के पास संघर्ष में उनके एकमात्र पौत्र वीरभजन सिंह वीरगति को प्राप्त हुए, लेकिन इस व्यक्तिगत क्षति के बावजूद उन्होंने अपने अभियान को जारी रखा। 26 मार्च 1858 को आजमगढ़ पर कब्जा करने के बाद वे 12 अप्रैल तक वहां रहे और 13 अप्रैल को जगदीशपुर के लिए रवाना हुए। रास्ते में अंग्रेजी सेना और उनके समर्थकों की घेराबंदी के बावजूद वे आगे बढ़ते रहे। 23 अप्रैल 1858 को वे एक हजार पैदल सैनिकों और सैकड़ों घुड़सवारों के साथ जगदीशपुर पहुंचे जहां जनता के उत्साह के बीच क्षेत्र को स्वतंत्र कराया गया। 21 अप्रैल 1858 को शिवपुर घाट पर गंगा पार करते समय अंग्रेजों के तोप हमले में उनका बायां हाथ गंभीर रूप से घायल हो गया। किंवदंती के अनुसार उन्होंने स्वयं अपना क्षतिग्रस्त हाथ काटकर गंगा को अर्पित कर दिया। पहले से घायल शरीर के बावजूद वे युद्ध करते रहे, लेकिन तीन दिन बाद 26 अप्रैल 1858 को उनका निधन हो गया। वीर कुंवर सिंह की स्मृति में हर वर्ष 23 अप्रैल को विजयोत्सव दिवस मनाया जाता है। बिहार सरकार द्वारा इस दिन अवकाश घोषित किया गया है और जगदीशपुर में भव्य राजकीय समारोह आयोजित होता है। प्रसिद्ध ब्रिटिश इतिहासकार होम्स ने उनके बारे में लिखा था कि अंग्रेजों के लिए यह सौभाग्य की बात थी कि युद्ध के समय वीर कुंवर सिंह 80 वर्ष के थे, अन्यथा यदि वे युवा होते तो अंग्रेजों को 1857 में ही भारत छोड़ना पड़ता।

विधान सभा सत्र के सफल संचालन को लेकर नेताओं-शीर्ष अधिकारियों के साथ बैठक

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। 24 अप्रैल 2026 को प्रस्तावित अष्टादश बिहार विधान सभा के द्वितीय सत्र के आगामी उपवेशन के सफल संचालन को लेकर बिहार विधान सभा अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार की अध्यक्षता में उनके कार्यालय कक्ष में अपराह्न 5:00 बजे दलीय नेताओं की बैठक आयोजित की गई। बैठक में डॉ. प्रेम कुमार ने कहा कि इस एकदिवसीय सत्र के सफल और शांतिपूर्ण संचालन के उद्देश्य से यह महत्वपूर्ण बैठक बुलाई गई है। उन्होंने सभी पक्षों से सहयोग की अपेक्षा जताई। इस दौरान पक्ष एवं विपक्ष के सभी नेताओं ने सदन के संचालन में सकारात्मक सहयोग देने पर सहमति व्यक्त की। बैठक में उप मुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी एवं बिजेन्द्र प्रसाद यादव, उपाध्यक्ष नरेन्द्र नारायण यादव, सदस्य विजय कुमार सिन्हा, विनोद नारायण झा, आलोक कुमार मेहता, मनोहर प्रसाद सिंह, माधव आनंद, राजू तिवारी, इन्द्रजीत प्रसाद गुप्ता, सतीश कुमार सिंह यादव, कुमार सर्वजीत एवं प्रफुल्ल मांझी उपस्थित रहे। इसके अलावा बिहार विधान सभा की प्रभारी सचिव पूनम सिन्हा सहित सभा सचिवालय के वरीय पदाधिकारी भी बैठक में मौजूद रहे।

विश्व पृथ्वी दिवस पर डॉ. प्रेम कुमार का संदेश, पर्यावरण संरक्षण के लिए जागरूकता पर जोर

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार विधान सभा अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार ने विश्व पृथ्वी दिवस के अवसर पर पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने की अपील की। उन्होंने कहा कि इस दिवस का मुख्य उद्देश्य लोगों को पर्यावरण के संरक्षण के लिए प्रेरित करना है। डॉ. प्रेम कुमार ने कहा कि यह दिन जलवायु परिवर्तन, प्रदूषण और सतत जीवन शैली (सस्टेनेबल लिविंग) जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर केंद्रित है। उन्होंने बताया कि पृथ्वी दिवस 2026 की थीम ''हमारी शक्ति, हमारा ग्रह'' (आवर पावर, आवर प्लैनेट) है जो पर्यावरण संरक्षण और सुरक्षा के प्रति हमारी सामूहिक जिम्मेदारी को दर्शाती है। उन्होंने कहा कि पृथ्वी दिवस युवाओं को पर्यावरण विज्ञान, वैज्ञानिक जिज्ञासा और पृथ्वी की जैव विविधता से जुड़े ज्ञान के प्रति जागरूक होने का महत्वपूर्ण संदेश देता है। साथ ही उन्होंने लोगों से अपील की कि वे प्रकृति के संरक्षण के लिए छोटे-छोटे प्रयासों को अपने दैनिक जीवन में शामिल करें, जिससे आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ और सुरक्षित पर्यावरण सुनिश्चित किया जा सके।

बिहार विधान सभा में प्रेस सलाहकार समिति की बैठक, 'विधान प्रबोधनी' विशेषांक का विमोचन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार विधान सभा अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार की अध्यक्षता में प्रेस सलाहकार समिति की बैठक शुक्रवार को अपराह्न 3:00 बजे आयोजित हुई। बैठक में अष्टादश बिहार विधान सभा के द्वितीय सत्र के आगामी उपवेशन के सकारात्मक कवरेज को लेकर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया। साथ ही अध्यक्ष ने बजट सत्र से पूर्व आयोजित समिति की बैठक में लिए गए निर्णयों की जानकारी भी सदस्यों को दी। इसी दौरान डॉ. प्रेम कुमार ने बिहार विधान सभा की मासिक पत्रिका 'विधान प्रबोधनी' के विशेषांक का विमोचन किया। उन्होंने कहा कि यह पत्रिका विधायिका से जुड़े विभिन्न पहलुओं और संसदीय प्रणाली के महत्वपूर्ण आयामों को समेटे हुए है तथा संसदीय कार्यों में रुचि रखने वाले

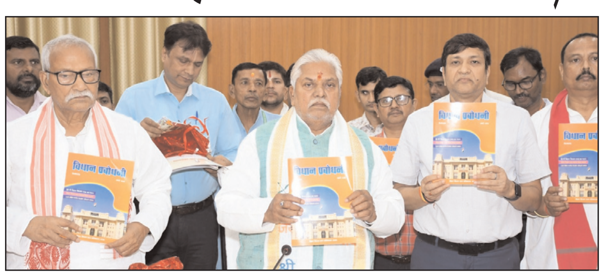

पाठकों के लिए ज्ञानवर्धक सिद्ध होगी। इस विशेषांक में 18वीं बिहार विधान सभा का गठन, बिहार विधान सभा स्थापना दिवस 2026, लखनऊ में आयोजित 86वां अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारी सम्मेलन, बजट सत्र-2026, नई दिल्ली में आयोजित 28वां राष्ट्रमंडल के अध्यक्षों एवं पीठासीन अधिकारियों का सम्मेलन, विधायकों के आलेख, ह्लसंघर्ष से शीर्ष नेतृत्व तक 'नितिन नवीन', संसदीय कार्यवाही में सदस्यों की भागीदारी, भारतीय संदर्भ में संसदीय गतिविधियां, जिला विशेष के रूप में गयाजी तथा दिशोम गुरु शिबू सोरेन को श्रद्धांजलि से जुड़े लेख शामिल हैं। उन्होंने कहा कि यह अंक नए कलेवर में प्रस्तुत किया गया है जो सराहनीय है और संपादकमंडल को समयबद्ध प्रकाशन के लिए बधाई दी। बैठक में उपाध्यक्ष नरेंद्र नारायण यादव, प्रेस सलाहकार समिति के सदस्य एवं विशेष आमंत्रित सदस्य, प्रभारी सचिव पूनम सिन्हा, सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के निदेशक अनिल कुमार सहित पत्रिका प्रकाशन से जुड़े वरीय पदाधिकारी उपस्थित रहे।

उच्चस्तरीय बैठक में सत्र की तैयारियों की समीक्षा

इसके बाद अपराह्न 4:00 बजे विधान सभा के वाचनालय में डॉ. प्रेम कुमार की अध्यक्षता में एक उच्चस्तरीय बैठक आयोजित हुई जिसमें 24 अप्रैल 2026 को प्रस्तावित सत्र के दौरान सुरक्षा, यातायात, चिकित्सा, सफाई, पार्किंग सहित अन्य व्यवस्थाओं को सुचारू बनाने पर चर्चा की गई। डॉ. प्रेम कुमार और उपाध्यक्ष नरेंद्र नारायण यादव ने बजट सत्र के सफल संचालन के लिए सभी विभागों और पदाधिकारियों को धन्यवाद देते हुए कहा कि आगामी सत्र में सभी व्यवस्थाएं बेहतर ढंग से सुनिश्चित की जाएं। उन्होंने सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने तथा विधान सभा और परिषद में स्थापित सीसीटीवी कैमरों, सुरक्षा, यातायात, चिकित्सा, सफाई और पार्किंग व्यवस्था को दुरुस्त करने का निर्देश दिया। उप मुख्यमंत्री सह संसदीय कार्य मंत्री विजय कुमार चौधरी ने कहा कि इस सत्र में नवगठित सरकार द्वारा प्रस्तुत विश्वास मत प्रस्ताव पर चर्चा और मतदान होगा। उन्होंने भरोसा दिलाया कि सदन के सुचारू संचालन में सरकार पूरा सहयोग करेगी। बैठक में विजय कुमार चौधरी, नरेंद्र नारायण यादव, मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत, पुलिस महानिदेशक विनय कुमार, अपर पुलिस महानिदेशक (विशेष) कुंदन कृष्णन, पटना के जिलाधिकारी डॉ. त्यागराजन एस एम, वरीय पुलिस अधीक्षक कार्तिकेय के शर्मा, नगर आयुक्त यशपाल मीणा, सिविल सर्जन, प्रभारी सचिव पूनम सिन्हा, प्रभारी सचिव शंकर कुमार सहित विभिन्न विभागों के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

जदयू ने राष्ट्रीय पदाधिकारियों की नई सूची जारी की

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। जनता दल (यूनाइटेड) ने अपने राष्ट्रीय पदाधिकारियों की नई सूची जारी कर दी है। पार्टी अध्यक्ष नीतीश कुमार द्वारा गठित इस नई टीम में संगठन को मजबूती देने के उद्देश्य से विभिन्न पदों पर नेताओं की जिम्मेदारी तय की गई है। जारी सूची के अनुसार संजय कुमार झा को सांसद रहते हुए कार्यकारी अध्यक्ष की जिम्मेदारी दी गई है। चंदेश्वर प्रसाद चंद्रवंशी को उपाध्यक्ष तथा डॉ. आलोक कुमार सुमन को कोषाध्यक्ष बनाया गया है। पार्टी ने 12 महासचिव भी नियुक्त किए हैं। इनमें मनीष कुमार वर्मा, आफाक अहमद खान (सदस्य बिहार विधान परिषद), श्याम रजक, अशोक चौधरी, रमेश सिंह कुशवाह (पूर्व सदस्य बिहार विधान सभा), राम सेवक सिंह (सदस्य बिहार विधान सभा), कहकशां परवीन (पूर्व सांसद), कपिल हरिश्चंद्र पाटिल, राज सिंह मान, सुनील कुमार उर्फ इंजीनियर सुनील, हर्षवर्धन सिंह और मौलाना गुलाम रसूल बलियावी शामिल हैं। इसके अलावा सचिव पद पर आठ नेताओं को मनोनीत किया गया है। इनमें राजीव रंजन प्रसाद (प्रवक्ता/सचिव), रविंद्र प्रसाद सिंह (सदस्य बिहार विधान परिषद), विद्या सागर निषाद, दयानंद राय, संजय कुमार, मोहम्मद निसार, रूही तागुंग तथा निवेदिता कुमारी (कटिहार) शामिल हैं। इस संबंध में जानकारी आफाक अहमद खान ने दी। उन्होंने बताया कि नई टीम संगठन को और सशक्त बनाने तथा पार्टी की नीतियों को प्रभावी ढंग से लागू करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

बिहार कौशल विकास मिशन में भारी अव्यवस्था, छात्रों और केंद्र संचालकों में आक्रोश

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हाजीपुर/पटना। बिहार सरकार के बिहार कौशल विकास मिशन के अंतर्गत संचालित कुशल युवा कार्यक्रम (के.वाई.पी.) इन दिनों गहरे संकट से गुजर रहा है। के.वाई.पी. वेलफ़ेयर सोसाइटी ने विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर आरोप लगाते हुए इसे युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ बताया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार मार्च 2026 में नामांकन ले चुके हजारों प्रशिक्षणार्थियों का एडमिशन अब तक लंबित है। डीआरसीसी द्वारा वेरिफिकेशन किए जाने के बावजूद उन्हें अंतिम स्वीकृति (अप्रूवल) नहीं मिल सका है। बताया जा रहा है कि डीआरसीसी में आवेदन के लिए वेरिफिकेशन से पहले आवश्यक पीडीएफ फॉर्म 2 अप्रैल से ही डाउनलोड नहीं हो पा

रहा है जिसके कारण वेरिफिकेशन की प्रक्रिया भी ठप पड़ गई है। इस तकनीकी समस्या के कारण हजारों छात्रों का नामांकन अधर में लटक गया है। स्थिति तब और गंभीर हो गई जब अप्रैल बैच के लिए नामांकन प्रक्रिया शुरू कर दी गई, लेकिन अचानक उसे भी रोक दिया गया। इसके साथ ही प्रशिक्षण केंद्रों का रिनिवल भी बंद कर दिया गया है जिससे पूरे सिस्टम में अनिश्चितता का माहौल बन गया है। इधर, दिसंबर बैच के छात्रों की पढ़ाई भी बीच में ही ठप हो गई है जिससे हजारों युवाओं का भविष्य अधर में लटक गया है। न तो नए बैच में नामांकन हो पा रहा है, न ही पुराने बैच की पढ़ाई सुचारू रूप से चल पा रही है। सबसे गंभीर पहलू यह है कि पिछले छह महीनों से प्रशिक्षण केंद्रों का भुगतान भी लंबित है। केंद्र संचालकों का कहना है कि आर्थिक संकट के कारण स्टाफ वेतन, बिजली बिल और अन्य खर्चों का वहन करना मुश्किल हो गया है। कई संचालकों के सामने जीवन-यापन का संकट खड़ा हो गया है। इस पूरे मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए के.वाई.पी. वेलफेयर सोसाइटी के अध्यक्ष डॉ. आनंद रंजन सिंह ने कहा कि विभाग की लापरवाही के कारण हालात अत्यंत गंभीर हो चुके हैं।

पावरग्रिड, पटना ने पाटलिपुत्र जंक्शन पर दिए चार ह्वील चेयर

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड, पूर्वी क्षेत्र 1 मुख्यालय द्वारा पाटलीपुत्र जंक्शन पर दिव्यांगजनों एवं वरिष्ठ नागरिक यात्रियों की सुविधा के लिए चार (4) ह्वील चेयर प्रदान की गईं। यह पहल यात्रियों को सहज, सुरक्षित एवं सम्मानजनक यात्रा सुविधा उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। पावरग्रिड, जो देश में विद्युत पारेषण के क्षेत्र में अग्रणी सार्वजनिक उपक्रम है, अपने मुख्य व्यवसाय के साथ-साथ सामाजिक मूल्यों एवं सामाजिक सरोकारों के प्रति भी पूर्ण रूप से प्रतिबद्ध है। उपलब्ध कराई गई ह्वील चेयर से पाटलीपुत्र जंक्शन से प्रतिदिन यात्रा करने वाले हजारों दिव्यांग एवं वरिष्ठ नागरिक यात्रियों को लाभ मिलेगा जिससे प्लेटफॉर्म पर आवाजाही एवं ट्रेन में चढ़ने उतरने में सुविधा प्राप्त होगी। पावरग्रिड की यह पहल समाज के कमजोर वर्गों के प्रति संवेदनशीलता एवं समावेशी विकास के प्रति उसकी प्रतिबद्धता को दर्शाती है। इस अवसर पर पावरग्रिड के वरीय महाप्रबन्धक (मानव संसाधन) रजत प्रसाद, पाटलिपुत्र जंक्शन के स्टेशन प्रबंधक मिथलेश शरण एवं पावरग्रिड एवं भारतीय रेल के वरीय अधिकारी मौजूद थे।

युवा उद्यमी एवं सामाजिक कार्यकर्ता डॉ. पुलकित गर्ग सैकड़ों समर्थकों के साथ कांग्रेस में शामिल

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय, सदाकत आश्रम में युवा उद्यमी एवं सामाजिक कार्यकर्ता इंजीनियर डॉ. पुलकित गर्ग ने अपने सैकड़ों समर्थकों के साथ प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम के हाथों कांग्रेस पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। इस अवसर पर कांग्रेस परिवार में शामिल हुए सभी लोगों का स्वागत करते हुए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि डॉ. पुलकित गर्ग जैसे ऊर्जावान और सामाजिक रूप से सक्रिय युवाओं के जुड़ने से कांग्रेस संगठन को नई मजबूती और नई दिशा मिलेगी। डॉ. पुलकित गर्ग के साथ जिन प्रमुख लोगों ने कांग्रेस पार्टी की सदस्यता ग्रहण की, उनमें युवा उद्यमी इंजीनियर इजराइल अंसारी, इंजीनियर राजेश कुमार,

इंजीनियर पवन सिन्हा तथा राजद नेता राजकुमार प्रसाद सहित कई सामाजिक कार्यकर्ता और युवा शामिल थे। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम ने कहा कि आज देश और राज्य की राजनीति में युवाओं की भागीदारी बेहद जरूरी है। कांग्रेस पार्टी हमेशा से युवाओं, उद्यमियों और समाज के हर वर्ग को साथ लेकर चलने वाली पार्टी रही है। उन्होंने कहा कि डॉ. पुलकित गर्ग और उनके साथ जुड़े साथियों के कांग्रेस परिवार में आने से संगठन को जमीनी स्तर पर और अधिक ताकत मिलेगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की विचारधारा सामाजिक न्याय, समावेशी विकास और लोकतांत्रिक मूल्यों पर आधारित है। बड़ी संख्या में युवाओं और सामाजिक कार्यकर्ताओं का पार्टी से जुड़ना इस बात का संकेत है कि लोग कांग्रेस की नीतियों और नेतृत्व पर भरोसा जता रहे हैं। इस अवसर पर पार्टी में शामिल पुलकित गर्ग ने कहा कि देश अब लफ्फाजियों से ऊब गया है। हमारे पूर्वजों ने जो कुर्बानियां दी है आज उन कुर्बानियों को कलंकित किया जा रहा है। इसलिए ये जरूरी है कि आजादी और संविधान की रक्षा के लिए आगे आया जाए।

बी.डी. कॉलेज में पृथ्वी दिवस पर सेमिनार, सतत जीवनशैली और इकोसिस्टम संरक्षण पर जोर

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय से संबद्ध बी.डी. कॉलेज, पटना के जंतु विज्ञान विभाग द्वारा पृथ्वी दिवस के अवसर पर 'सस्टेनेबिलिटी एंड इकोसिस्टम प्रोटेक्शन' विषय पर एक दिवसीय विशेष सेमिनार और जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि प्रो. नूपुर बोस, विशिष्ट अतिथि डॉ. गोपाल शर्मा, प्राचार्या प्रो. रत्ना अमृत, विभागाध्यक्ष डॉ. कविता परमार, शिक्षिका गीतांजलि और रौशनी परवीन ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलन कर किया। विशिष्ट अतिथि डॉ. गोपाल शर्मा ने आर्द्रभूमि संरक्षण पर विस्तार से चर्चा करते हुए कहा कि बिहार में 4500 से अधिक आर्द्रभूमियां हैं, जिन्हें 'धरती की किडनी'

कहा जाता है। उन्होंने कहा कि इनका संरक्षण केवल सरकार नहीं, बल्कि समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। आर्द्रभूमियां जैव विविधता का आधार होने के साथ जलवायु संतुलन बनाए रखने और स्थानीय समुदायों की आजीविका का महत्वपूर्ण स्रोत हैं। इनके नष्ट होने से पर्यावरणीय संकट के साथ ग्रामीण अर्थव्यवस्था भी प्रभावित होगी। उन्होंने कानून, विज्ञान और समुदाय के समन्वय से संरक्षण की आवश्यकता पर बल दिया। मुख्य वक्ता प्रो. नूपुर बोस ने कहा कि इकोसिस्टम संरक्षण के लिए केवल सैद्धांतिक ज्ञान पर्याप्त नहीं है, बल्कि व्यवहारिक जीवनशैली में बदलाव जरूरी है। उन्होंने 'ग्रीन लाइफस्टाइल' अपनाने की जरूरत बताते हुए जल संरक्षण, ऊर्जा के विवेकपूर्ण उपयोग और रासायनिक पदार्थों के सीमित प्रयोग पर जोर दिया। उन्होंने चेतावनी दी कि भूगर्भ जल के अत्यधिक दोहन और रासायनिक प्रदूषण के कारण पीने के पानी में आर्सेनिक और भारी धातुओं की मात्रा बढ़ रही है जिससे कैंसर और किडनी फेलियर जैसी गंभीर बीमारियां हो रही हैं। उन्होंने वर्षा जल संचयन और स्थानीय संसाधनों के बेहतर प्रबंधन को बढ़ावा देने की अपील की। प्राचार्या प्रो. रत्ना अमृत ने स्वागत संबोधन में कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल ज्ञान देना नहीं, बल्कि समाज के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित करना भी है। उन्होंने हड़प्पा कालीन सभ्यता का उदाहरण देते हुए कहा कि उस समय जल प्रबंधन और पर्यावरण संतुलन का उत्कृष्ट मॉडल था जिससे आज भी प्रेरणा लेने की आवश्यकता है। विभागाध्यक्ष डॉ. कविता परमार ने कहा कि सेमिनार का उद्देश्य केवल समस्याओं पर चर्चा नहीं, बल्कि समाधान की दिशा में पहल करना है। छोटे-छोटे नवाचार पर्यावरण संरक्षण में बड़ा योगदान दे सकते हैं। कार्यक्रम के अंत में आयोजित पोस्टर प्रतियोगिता में इतिहास विभाग की प्रिया कुमारी ने प्रथम स्थान, आदित्य आनंद ने द्वितीय स्थान तथा जंतु विज्ञान विभाग की अंजलि आर्या, प्रिंस कुमार और सुगम ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम का संचालन गीतांजलि ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन रौशनी परवीन ने प्रस्तुत किया।

मुजफ्फरपुर में लगेगी विशाल टेक्सटाइल इकाई, 1500 लोगों को मिलेगा रोजगार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार में औद्योगिक विकास लगातार गति पकड़ रहा है और राज्य विभिन्न क्षेत्रों में निवेश आकर्षित करते हुए एक उभरते औद्योगिक केंद्र के रूप में स्थापित हो रहा है। इसी क्रम में उद्योग विभाग के अंतर्गत बिहार औद्योगिक क्षेत्र विकास प्राधिकार की परियोजना स्वीकृति समिति की बैठक में लिए गए निर्णय महत्वपूर्ण साबित हो रहे हैं। इसी कड़ी में मेसर्स एसएपीएल इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड को मुजफ्फरपुर जिले के आइ ए मुजफ्फरपुर में औद्योगिक इकाई स्थापित करने की स्वीकृति प्रदान की गई है। प्रस्तावित इकाई लगभग 1.38 एकड़ क्षेत्रफल में स्थापित की जाएगी जहां रेडीमेड

गारमेंट्स का उत्पादन होगा। इस परियोजना में लगभग 30 करोड़ का निवेश प्रस्तावित है। यह परियोजना न केवल औद्योगिक गतिविधियों को बढ़ावा देगी, बल्कि लगभग 1500 प्रत्यक्ष रोजगार के अवसर सृजित कर क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था को भी मजबूती प्रदान करेगी। उद्योग विभाग के सचिव सह बियाडा एवं आयडा के प्रबंध निदेशक कुंदन कुमार ने कहा कि मुजफ्फरपुर में प्रस्तावित यह परियोजना बिहार के औद्योगिक विकास को नई गति देगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार उद्योगों के लिए अनुकूल वातावरण तैयार करने और निवेशकों को तेज एवं सहज सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयासरत है। ऐसे प्रयास बिहार को एक मजबूत औद्योगिक केंद्र के रूप में स्थापित करने में सहायक होंगे। बिहार सरकार संतुलित एवं समग्र औद्योगिक विकास के लिए प्रतिबद्ध है। निवेशकों को आधुनिक अवसंरचना, सरल प्रक्रियाएं, बेहतर कनेक्टिविटी एवं नीतिगत सहयोग उपलब्ध कराकर एक अनुकूल निवेश वातावरण सुनिश्चित किया जा रहा है, ताकि परियोजनाओं का त्वरित और प्रभावी क्रियान्वयन हो सके।

संस्कृतमय हुई संस्कृत विदुषी शांति देवी की पुण्यतिथि

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। सर्वत्र संस्कृतम संकल्प के साथ आधुनिको भव संस्कृतं वद अभियान के अन्तर्गत मनायी गयी संस्कृत शिक्षिका शांति देवी की पुण्यतिथि संस्कृतमय हो गयी। अपने अध्यक्षीय भाषण में आधुनिको भव संस्कृतं वद अभियान के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं विहार संस्कृत संजीवन समाज पटना के महासचिव डॉ मुकेश कुमार ओझा ने कहा कि शांति देवी की स्मृति

आयोजन से संस्कृत और हिन्दी के संवर्धन को बल मिला। उन्होंने कहा कि एक मां के रुप में उनसे प्रेरित होकर ही आधुनिको भव संस्कृतं वद अभियान चलाया जा रहा है।

पूर्व मध्य रेल मुख्यालय में राजभाषा हिंदी को लेकर बैठक

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

हाजीपुर। पूर्व मध्य रेल, मुख्यालय/हाजीपुर द्वारा क्षेत्रीय रेल राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 86वीं बैठक महाप्रबंधक छत्रसाल सिंह की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए श्री सिंह ने कहा कि पूर्व मध्य रेल 'क' क्षेत्र में स्थित होने के कारण यहां अधिकांश कार्य हिंदी में ही होता है फिर भी

राजभाषा से संबंधित अनुदेशों का अनुपालन दृढ़तापूर्वक किए जाने की आवश्यकता है। यदि अधिकारीगण छोटे-छोटे आदेश/टिप्पणी हिंदी में लिखें तो हिंदी के प्रयोग-प्रसार की दिशा में एक सकारात्मक माहौल बनेगा और इससे अधीनस्थ कर्मचारी भी हिंदी में कार्य करने के लिए प्रेरित होंगे। हिंदी की व्यापकता और सार्थकता सभी स्वीकारते हैं। अब समय आ गया है कि हम अपना दैनिक कामकाज हिंदी में करें। सरल और सहज शब्दों का प्रयोग करें, क्योंकि भाषा प्राथमिक रूप से अभिव्यक्ति और संवाद का माध्यम है। एक टीम के रूप में कार्य करते हुए हम यह सुनिश्चित करें कि धारा 3 (3) समेत राजभाषा के सभी मानक निर्देशों का अनुपालन कड़ाई से किया जाए तभी बैठक की सार्थकता सिद्ध होगी।

डर और भय के खिलाफ वोटिंग करेगी बंगाल की जनता : मंगल पांडेय

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। भाजपा के वरिष्ठ नेता व पश्चिम बंगाल भाजपा प्रभारी मंगल पांडेय ने पश्चिम बंगाल में आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर दावा किया है कि यहां का सियासी माहौल लगातार भाजपा के पक्ष में बनता जा रहा है। पीएम मोदी के भरोसे पर जनता का विश्वसा अडिग है। पश्चिम बंगाल की जनता ने मन बना लिया है कि पहले चरण की वोटिंग में भाजपा को अपना भरपूर समर्थन और प्यार देगी। यहां की जनता ममता सरकार के कुशासन के खिलाफ एकजुट है और अब बदलाव के मूड में हैं। श्री पांडेय ने कहा कि जैसे-जैसे मतदान का दिन करीब आ रहा है। यह विश्वास और मजबूत होता जा रहा है कि बंगाल में बदलाव होगा।

संपादकीय

रफ्तार पर भारी पड़ती मौत की राह ...

देश में सड़कों की कुल लंबाई का केवल दो फीसदी राष्ट्रीय राजमार्ग है, लेकिन सड़क हादसों में होने वाली मौत की कुल संख्या में इनकी हिस्सेदारी करीब तीस फीसदी तक पहुंच गई है।इसमें दोराय नहीं कि देश के विकास के लिए बुनियादी ढांचे का विस्तार बेहद जरूरी होता है। आम लोगों के लिए जीवनरेखा मानी जाने वाली सड़कों का निर्माण भी इसी श्रेणी में आता है। देश में पिछले कुछ वर्षों में नई सड़कें बनाने की गति निश्चित रूप से तेज हुई है, लेकिन इसके साथ ही हादसों का सिलसिला भी बदस्तूर जारी है। विशेषकर उच्च तकनीक की मदद से तैयार किए जा रहे एक्सप्रेस-वे और राष्ट्रीय राजमार्ग चमकदार एवं सुविधाजनक जरूर दिखते हैं, मगर ये सुरक्षित सफर की कसौटी पर खरे नहीं उतर पा रहे हैं।देश में सड़कों की कुल लंबाई का केवल दो फीसदी राष्ट्रीय राजमार्ग है, लेकिन सड़क हादसों में होने वाली मौत की कुल संख्या में इनकी हिस्सेदारी करीब तीस फीसदी तक पहुंच गई है। यही वजह है कि सर्वोच्च न्यायालय ने इस पर गंभीर चिंता जताते हुए केंद्र, राज्य सरकारों और संबंधित प्राधिकरणों को सड़क सुरक्षा मजबूत करने के लिए दिशानिर्देश जारी किए हैं। शीर्ष अदालत ने स्पष्ट कहा कि प्रशासनिक सुस्ती या बुनियादी ढांचे की कमियों के कारण एक्सप्रेस-वे खतरे का गलियारा नहीं बनने चाहिए।गौरतलब है कि देश में सड़क दुर्घटनाओं को कम करने के सरकार के दावों के बावजूद इनमें साल दर साल बढ़ोतरी हो रही है। केंद्रीय सड़क एवं परिवहन मंत्रालय की रिपोर्ट के मुताबिक, वर्ष 2019 में देश में 4.56 लाख सड़क दुर्घटनाएं दर्ज की गई, जिनमें लगभग 1.59 लाख लोगों की मौत हो गई। वर्ष 2020 के कोरोनाकाल में पूर्णबंदी के कारण सड़क हादसों में कुछ कमी आई, लेकिन उसके बाद वर्ष 2021 में करीब 4.2 लाख, 2022 में 4.61 लाख और 2023 में 4.80 लाख दुर्घटनाएं हुईं। यानी पांच वर्षों में 21 लाख से ज्यादा सड़क हादसों में करीब आठ लाख लोगों की मौत हो गई। यह आंकड़ा वास्तव में चिंताजनक है, लेकिन इसमें कमी लाने के प्रयास सरकारी कागजों से बाहर निकलकर धरातल पर प्रभावी रूप से अमल में आते नजर नहीं आ रहे हैं। सड़कों पर जिन खतरों को टाला जा सकता है, अगर उनकी वजह से लोगों की जान जाती है, तो यह स्पष्ट रूप से नागरिकों की सुरक्षा में व्यवस्था की विफलता को दर्शाता है।हाल के दिनों में यह देखा गया है कि सड़क पर अवैध रूप से वाहन खड़ा करना दुर्घटनाओं का बड़ा कारण बन रहा है। राष्ट्रीय राजमार्गों पर भोजनालयों की बढ़ती संख्या भी इस स्थिति के लिए जिम्मेदार है, जहां वाहनों को सड़क पर बेतरतीब ढंग से खड़ा कर दिया जाता है। संबंधित महकमे की ओर से ऐसे भोजनालयों को जोखिम का आकलन किए बिना ही अनुमति दे दी जाती है। इसी के मद्देनजर सर्वोच्च न्यायालय ने अपने दिशा-निर्देशों में कहा है कि संबंधित प्राधिकरण और नियामकीय एजेंसियों को यह सुनिश्चित करना होगा कि निर्धारित स्थलों को छोड़कर राष्ट्रीय राजमार्ग पर वाहनों को कहीं भी खड़ा या रोका नहीं जाएगा।नियमानुसार, राष्ट्रीय राजमार्गों पर यातायात पुलिस की नियमित गश्त का प्रावधान है, लेकिन इसमें भी विभिन्न स्तरों पर लापरवाही साफ दिखती आती है। इसके अलावा, राजमार्गों पर वाहनों की तेज गति, सड़कों के निर्माण में तकनीकी खामी और संकेतकों का अभाव एवं अस्पष्टता भी दुर्घटनाओं का कारण बनते हैं।

पृथ्वी दिवस -समुद्री धाराओं पर जलवायु परिवर्तन का प्रभाव, धरती सोख नहीं पा रही गर्मी

यदि यह प्रवाह और धीमा होता है या रुक जाता है, तो यह पृथ्वी के मौसम पैटर्न को पूरी तरह से बदल सकता है। इससे उत्तरी गोलार्ध के कुछ हिस्सों में अचानक तापमान गिर सकता है, जबकि भूमध्य रेखा के आसपास के क्षेत्रों में गर्मी और भी बढ़ सकती है।

(उत्तम सिंह गहरवार)

सागरों-महासागरों में बहने वाली जल-धाराएं पृथ्वी की जलवायु प्रणाली में काफी अहम भूमिका निभाती हैं। इन धाराओं के जरिये होने वाला जल-प्रवाह पृथ्वी के विभिन्न भागों के बीच गर्मी का आदान-प्रदान करके पूरी धरती के तापमान को संतुलित रखने में मदद करता है। चिंता की बात यह है कि जलवायु परिवर्तन के कारण ये समुद्री धाराएं धीमी पड़ती जा रही हैं, जिसके गंभीर परिणाम हमें आने वाले समय में मौसम में बदलाव और क्लाइमेट चेंज के रूप में देखने को मिल सकते हैं।

भूविज्ञानियों के मुताबिक अटलांटिक मेरिडियनल ओवरटर्निंग सर्कुलेशन (एएमओसी) नामक प्रमुख समुद्री धारा प्रणाली पिछले कुछ दशकों में कमजोर हुई है। वैज्ञानिकों का मानना है कि ग्लोबल वार्मिंग के कारण ग्लेशियरों के पिघलने से समुद्र के पानी में मीठे पानी की मात्रा बढ़ रही है।

इससे समुद्री जल का घनत्व प्रभावित होने से धाराओं का प्रवाह धीमा पड़ रहा है। यदि यह प्रवाह और धीमा होता है या रुक जाता है, तो यह पृथ्वी के मौसम पैटर्न को पूरी तरह से बदल सकता है। इससे उत्तरी गोलार्ध के कुछ हिस्सों में अचानक तापमान गिर सकता है, जबकि भूमध्य रेखा के आसपास के क्षेत्रों में गर्मी और भी बढ़ सकती है। इसके अलावा, मानसून चक्र बाधित हो सकता है, जिससे कृषि और पेयजल आपूर्ति पर काफी बुरा असर पड़ सकता है।

'पृथ्वी' में क्या-क्या है शामिल– इस साल विश्व पृथ्वी दिवस (22 अप्रैल) की थीम 'हमारी शक्ति -हमारा ग्रह' रखी गई है। इसी ध्येय वाक्य के साथ अर्थ डे को पूरे विश्व में मनाया जाएगा। पृथ्वी यानी धरती का मतलब अकसर लोग केवल भूमि यानी धरती के भू-भाग से समझ लेते हैं। जबकि, वास्तव में पृथ्वी एक व्यापक शब्द है, जिसके दायरे में थल के साथ-साथ जल यानी हमारे सागर-महासागर और नभ यानी हमारा वायुमंडल भी आता है। क्योंकि इनके बिना पृथ्वी जीवंत नहीं रह सकती।

इसलिए जल, थल, नभ, नदी, झीलें, तालाब, कुएं, भूमि, वन, वन्य प्राणी, सागर, महासागर जैसी सभी चीजों को पृथ्वी शब्द के साथ जोड़कर देखा जाना चाहिए। क्योंकि, यह सब इस धरती पर अस्तित्व में शामिल हैं। ऐसे में पृथ्वी दिवस पर धरती के भूभाग के संरक्षण के साथ ही अपने वायुमंडल और सागरों-महासागरों की स्थिति पर भी गंभीरता से ध्यान देने की जरूरत है।

अंटार्कटिक सर्कम्पोलर करंट (एसीसी) का महत्व– आइए, अब लौटते हैं समुद्री जल-धाराओं के अपने अपने मूल विषय पर। 'द कन्वरसेशन' के एक अध्ययन के अनुसार, पृथ्वी की सबसे शक्तिशाली समुद्री धारा अंटार्कटिका के चारों ओर बहती है। इसे अंटार्कटिक सर्कम्पोलर करंट (एसीसी) कहते हैं। इसे वेस्ट विंड ड्रिफ्ट भी कहा जाता है। यह दुनिया की इकलौती ऐसी समुद्री जलधारा है, जिसका प्रवाह महाद्वीपों से बाधित नहीं होता। यह धरती के तीन सबसे बड़े महासागरों अटलांटिक, प्रशांत और हिंद महासागर के बीच पानी के आदान-प्रदान का मुख्य चैनल है। इस तरह यह धारा दुनिया के मौसम का मिजाज तय करने में काफी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है और उसे ठीक रखने में मदद करती है।

धीमी पड़ रही सबसे ताकतवर धारा एसीसी– एक हालिया रिसर्च में पता चला है कि एसीसी का प्रवाह अगले 25 सालों में धीमा पड़ सकता है। इससे समुद्री जीवन और समुद्र के बढ़ते जल स्तर के साथ-साथ धरती की वातावरण से गर्मी सोखने की क्षमता पर भी बुरा असर पड़ सकता है। गणितीय मॉडल बताते हैं कि 2050 तक एसीसी की रफ्तार में 20 फीसदी तक की कमी आ सकती है। रिपोर्ट के मुताबिक अगर ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन बहुत ज्यादा होता है, तो 2050 तक इस धारा का प्रवाह मंद पड़ने के कारण अंटार्कटिक बर्फ की चादरों के पिघलने से समुद्र में मिलने वाला पानी सागर के खारे पानी को पतला कर देगा। इससे दुनिया की सबसे असरदार और महत्वपूर्ण समुद्री धाराओं में से एक एसीसी का प्रवाह बाधित हो सकता है।

अमेजन नदी से 100 गुना ताकतवर– रिसर्चरों के अनुसार एसीसी अमेजन नदी से 100 गुना ज्यादा शक्तिशाली है। यह दुनिया के महासागरों में गर्मी और पोषक तत्वों को फैलाती है। पर, चिंता की बात यह है कि ग्लोबल वॉर्मिंग के कारण दक्षिणी महासागर के हालात तेजी से बदल रहे हैं। ऐसे में अगर एसीसी के प्रवाह में कोई रुकावट आती है, तो महासागरों की गर्मी और कार्बन सोखने की क्षमता घट जाएगी। इससे जलवायु को नियंत्रित और बैलेंस करने की उनकी क्षमता कमजोर हो जाएगी।

वैज्ञानिकों की सख्त चेतावनी– ब्रिटिश अंटार्कटिक सर्वे के एक समुद्र विज्ञानी माइकल मेरेडिथ के अनुसार ग्लोबल वार्मिंग से होने वाली 90 प्रतिशत से ज्यादा गर्मी समुद्र में जाती है। उन्होंने कहा कि अगर यह प्रक्रिया धीमी हो जाती है, तो ग्लोबल वार्मिंग से बचने के लिए हमारे पास जो सबसे बड़ा सहारा है, वह खत्म हो जाएगा। कई अन्य रिसर्च रिपोर्ट्स में भी एसीसी के धीमे पड़ने का पूरे महासागरीय प्रवाह सहित समूची धरती की जलवायु पर भी गहरा असर पड़ सकता है।

तेजी से पिघल सकती है अंटार्कटिका की बर्फ – एसीसी धारा अगर कमजोर पड़ गई, तो गर्म पानी अंटार्कटिका पर जमी बर्फ की चादरों के करीब आ जाएगा। इससे अंटार्कटिक के ग्लेशियर तेजी से पिघल कर समुद्र में मिलने लगेंगे। रिसर्चरों के अनुसार बर्फ के तेजी से पिघलने से यह धारा और कमजोर हो सकती है। इससे तापमान में बदलाव और जलवायु परिवर्तन का एक बुरा चक्र शुरू हो जाएगा। अंटार्कटिक की बर्फ तेजी से पिघलने से समुद्र का जल-स्तर भी बढ़ जाएगा, जिससे धरती के कई निचले भूभागों के जल में समाने का खतरा पैदा हो जाएगा।

गर्मी बढ़ने की आशंका हुई 30 गुनी– वैज्ञानिक दुनिया भर में पड़ रही भीषण गर्मी को विनाश का संकेत मान रहे हैं। मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक भौगोलिक तौर पर भारत के बहुत बड़े हिस्से को एक झटके में प्रभावित करने वाली हीट वेव यानी लू अब तक 100 साल में कभी एक बार चलती थी, पर अब इसमें बढ़ोतरी देखी जा रही है। अब तो यह लू भारत के अलावा दुनिया के कई देशों को प्रभावित कर रही है। यहां तक कि दुनिया के कई ठंडे देशों में भी भीषण गर्मी का अनुभव हो रहा है। समुद्री धाराओं में बदलाव के चलते हो रहे इस जलवायु परिवर्तन से गर्मी के बढ़ने की आशंका 30 गुना तक बढ़ी है।

बढ़ती गर्मी धरती को कर रही बीमार– हाल ही के कई शोध अध्ययनों के आधार पर वैज्ञानिक कहते हैं कि बीते कुछ दशकों में हुई तापमान वृद्धि से धरती रुग्ण होती जा रही है। धरती का तापमान सन् 1850-1900 की औद्योगिक क्रांति से पहले के औसत तापमान की तुलना में 1.5 से 2 डिग्री सेल्सियस ऊपर जाने की सीमा को पार करने के करीब है। तापमान में यह तेज बदलाव हम लोगों को गर्मी से होने वाले जलवायु परिवर्तन जैसी मुश्किलों की तरफ धकेल रहा है। वैज्ञानिकों का कहना है कि बढ़ते तापमान के लिए इंसानी गतिविधियों के चलते मौसम में हो रहे बदलाव ही सबसे ज्यादा जिम्मेदार हैं। यह अस्थायी तौर पर अल-नीनो इफेक्ट को हवा दे रहा है।

पृथ्वी के संरक्षण में हम भी दें योगदान– इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि पृथ्वी दिवस को लेकर देश और दुनिया में जागरूकता का भारी अभाव है। सामाजिक और राजनीतिक स्तर पर इस दिशा में कोई खास महत्वपूर्ण कदम नहीं उठाए जा रहे हैं। पहले पूरी दुनिया में साल में दो दिन - 21 मार्च और 22 अप्रैल को पृथ्वी दिवस मनाया जाता था, लेकिन वर्ष 1970 से 22 अप्रैल को ही पृथ्वी दिवस मनाया जाना तय किया गया है। इस एक दिन भी धरती को बचाने के लिए हमें लोगों की ओर से कोई बड़ी पहल होती देखने को नहीं मिलती।ऐसे में हम सभी को इसमें कुछ न कुछ प्रयास करना पड़ेगा। तभी हम जिस धरती पर रह रहे हैं, उसे रहने लायक बनाए रख सकते हैं। 22 अप्रैल को पृथ्वी दिवस के मौके पर अमेरिका में वृक्ष दिवस मना कर लोग अपने घरों के आसपास पौध रोपण करते हैं। हमें भी अपनी ओर से इस तरह के छोटे-छोटे प्रयास करके धरती की सेहत को सुधारने की कोशिशें करनी चाहिए।

पति पत्नी और वो 2- 'सब कुछ बदलता है, पतियों की फितरत नहीं' चीटिंग को नॉर्मलाइज करती एक और फिल्म?

(ज्योति जैसवाल)

पति पत्नी और वो दो का टीज़र आज रिलीज हुआ है, फिल्म 15 मई 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। 'एक ही चीज है जो नहीं बदलती है पतियों की फितरतज' आयुष्मान खुराना, रकुल प्रीत सिंह, वामिका गब्बी और सारा अली खान की फिल्म 'पति, पत्नी और वो दो' का टीज़र आज रिलीज हुआ है। इसे देखते ही सबसे पहला सवाल यही उठता है- क्या फिल्में सिर्फ समाज का आईना होती हैं या फिर उसे इंफ्लुएंस भी करती हैं। भारत में सिनेमा हमेशा से रिश्तों और प्यार को बड़े पर्दे पर अलग-अलग तरीकों से दिखाता आया है। हमारे यहां तो लोग प्यार का सबक भी फिल्मों से ही सीखते हैं और सिनेमा से बहुत हद का प्रभावित होते हैं।

फिल्म स्टडीज़ जैसे GerbnerÓs Cultivation Theory में यह माना जाता है कि मीडिया लंबे समय में सोच को प्रभावित कर सकता है, इसका सीधा और तुरंत असर भले नहीं होता है मगर धीरे-धीरे फिल्में सामाजिक धारणाओं और सोच को आकार देती हैं।

यहां 'पति, पत्नी और वो', 'घरवाली बाहरवाली', 'बीवी नंबर 1', 'साजन चले ससुराल' जैसी फिल्मों में अक्सर पुरुषों के एक्स्ट्रामैरिटल रिलेशनशिप को या तो गलती के तौर पर दिखाया गया या फिर हालात की मजबूरी बताकर पेश किया गया। और अपने लिए आवाज उठाने वाली महिला को कई बार पुराने सिनेमा में निगेटिव शेड में दिखाया गया।

आज के समय में, जब रिश्तों को लेकर लोगों की सोच पहले से ज्यादा कॉम्प्लिकेटेड हो रही है, वहीं दूसरी तरफ डेटिंग और रिलेशनशिप से जुड़े नए ऐप्स भी सामने आ चुके हैं- जिनमें से कुछ खास तौर पर शादीशुदा लोगों के लिए बनाए गए हैं। ऐसे में जब समाज में पहले से ही चीटिंग और रिश्तों की अस्थिरता को लेकर इतनी चर्चाएं हैं, उस वक्त इस तरह की फिल्में सवाल तो खड़े करती हैं।

मीडिया रिसर्च के अनुसार, दर्शक फिल्मों को अपनी निजी सोच, अनुभव और सामाजिक पृष्ठभूमि के आधार पर अलग-अलग तरीके से समझते हैं। इसलिए जरूरी नहीं है कि इस तरह के सिनेमा से लोग सीधे तरह से इंस्पायर होकर चीटिंग करने लगेंगे मगर इससे भी इनकार नहीं किया जा सकता है कि अगर किसी के मन में ऐसे विचार हैं तो ऐसी फिल्में उन विचारों को बढ़ावा जरूर दे सकती हैं।

टीज़र की शुरुआती लाइन ही है- 'एक ही चीज है जो नहीं बदलती, पतियों की फितरत' और इसका अंत यह कहकर होता है कि 'पतियों का यूनिवर्स 15 मई 2026 को दिखेगा', ये इस बात की ओर इशारा करता है कि फिल्म इस नैरेटिव को आगे बढ़ा रही है कि पति और मर्द तो ऐसे ही होते हैं।

यानी कि फिल्म ये पहले से ही नॉर्मलाइज कर रही है कि पतियों का यूनिवर्स है, जहां पतियों की फितरत नहीं बदलती है। इस तरह से ये लोगों की सोच को भी शेप कर रही है- पति तो ऐसे ही होते हैंज्पत्नियां तो अंत में माफ कर देती हैं। मर्दों की तो फितरत ही होती है कि पत्नी के अलावा भी दूसरी अच्छी लगती हैं।

अभी हाल ही में मशहूर कोरियोग्राफर शक्ति मोहन ने भी एक इंटरव्यू में कहा था कि जब उन्हें 3 साल के रिलेशनशिप में चीटिंग मिली तो उनकी मां ने कहा था कि लड़का अच्छा है, और लड़के तो ऐसे ही होते हैं, तुम माफ करके उसके साथ आगे बढ़ो।

यानी कि ये सोच भीतर तक बैठ चुकी है कि लड़के तो ऐसे ही होते हैं उन्हें चीटिंग के लिए माफ किया जा सकता है।

इस वजह से भी ये सवाल उठते हैं- अगर साल 2026 में भी इसी तरह की फिल्में बनती रहेंगीज जहां पुरुषों के एक्सट्रामैरिटल को मजाक की तरह परोसा जाएगा और पुरुष तो ऐसे ही होते हैं कहा जाएगा तो कहीं ना कहीं ऐसा महसूस होने लगता है कि सिनेमा चीटिंग को नॉर्मलाइज कर रहा है। यह लेख लेखक की निजी राय और समझ पर आधारित है। इसका मकसद किसी व्यक्ति, जेंडर, फिल्म या समूह को निशाना बनाना नहीं है।

बढ़ते तापमान के बीच संकट में खेती, समय रहते संभलना जरूरी

विकास की तीव्र आंधी में हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि विश्व की अधिकांश आबादी के लिए रोजी-रोटी की व्यवस्था करना मुश्किल हो जाएगा। वर्ष 2030 तक भुखमरी को खत्म करने का हमारा लक्ष्य भी अधूरा रह सकता है। गौरतलब है कि देश में पिछले चालीस वर्षों में वर्षा की मात्रा में निरंतर गिरावट आ रही है। बीसवीं सदी के आरंभ में औसत वर्षा 141 सेंटीमीटर थी, जो नब्बे के दशक में घट कर 119 सेंटीमीटर रह गई है। गंगोत्री हिमनद भी प्रतिवर्ष सिकुड़ रहा है। नदियों में जल कम हो रहा है। पानी की कमी के कारण खेती घाटे का सौदा बनती जा रही है।

(रवि शंकर)

एक तरफ जलवायु परिवर्तन का प्रत्यक्ष प्रभाव कृषि उत्पादन पर पड़ा है, तो दूसरी ओर अप्रत्यक्ष प्रभाव आय की हानि और अनाज की बढ़ती कीमतों के रूप में देखने को मिल रहा है। वर्तमान समय में जलवायु परिवर्तन वैश्विक मुद्दे के रूप में उभरा है। यह कोई एक देश या राष्ट्र से संबंधित अवधारणा नहीं है, बल्कि एक वैश्विक अवधारणा है जो समस्त पृथ्वी के लिए चिंता का कारण बनती जा रही है। देखा जाए तो जलवायु परिवर्तन से भारत सहित पूरी दुनिया में बाढ़, सूखा, कृषि संकट एवं खाद्य सुरक्षा के साथ बीमारियों का भी खतरा बढ़ा है। हालांकि, भारत की बड़ी आबादी (लगभग साठ फीसद) आज भी कृषि पर निर्भर है। जलवायु परिवर्तन के प्रभाव से आज कृषि भी अछूती नहीं है। इसलिए खेती पर जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को देखना बहुत जरूरी है। बदलते मौसम के प्रभाव से केवल फसलों का ही उत्पादन प्रभावित नहीं हो रहा है, बल्कि उनकी गुणवत्ता पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। यह देश की खाद्य सुरक्षा के लिए एक अहम चुनौती है। संयुक्त राष्ट्र के खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) ने चेतावनी दी है कि उच्च तापमान, सूखा, बाढ़ और मिट्टी की उर्वरता में कमी के कारण मध्य-पूर्व के कई देशों में कृषि को बड़े पैमाने पर नुकसान हो सकता है। बदलते पर्यावरण के कारण खेती के सामने बड़ा संकट है। एक अनुमान के अनुसार वर्ष 2040 तक तापमान 1.5 डिग्री तक बढ़ता है, तो फसलों की पैदावार पर इसका गंभीर असर पड़ेगा। बढ़ते कार्बन उत्सर्जन से इस शताब्दी में दुनिया भर में भुखमरी, बाढ़ और नागरिकों का पलायन बढ़ने की बात कही जा रही है। अगर तापमान में बढ़ोतरी होती है, तो एशियाई देशों में कृषि पैदावार तीस फीसद तक नीचे आ सकती है। विकास की तीव्र आंधी में हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि विश्व की अधिकांश आबादी के लिए रोजी-रोटी की व्यवस्था करना मुश्किल हो जाएगा। वर्ष 2030 तक भुखमरी को खत्म करने का हमारा लक्ष्य भी अधूरा रह सकता है। गौरतलब है कि देश में पिछले चालीस वर्षों में वर्षा की मात्रा में निरंतर गिरावट आ रही है। बीसवीं सदी के आरंभ में औसत वर्षा 141 सेंटीमीटर थी, जो नब्बे के दशक में घट कर 119 सेंटीमीटर रह गई है। गंगोत्री हिमनद भी प्रतिवर्ष सिकुड़ रहा है। नदियों में जल कम हो रहा है। पानी की कमी के कारण खेती घाटे का सौदा बनती जा रही है।

एक तरफ जलवायु परिवर्तन का प्रत्यक्ष प्रभाव कृषि उत्पादन पर पड़ा है, तो दूसरी ओर अप्रत्यक्ष प्रभाव आय की हानि और अनाज की बढ़ती कीमतों के रूप में देखने को मिल रहा है। जबकि फसलों की उपज बढ़ाने में उपजाऊ मिट्टी, पानी, अनुकूल वातावरण और कीट-पतंगों से बचाव आदि का महत्त्वपूर्ण योगदान होता है, लेकिन इनमें से किसी भी मानक में परिवर्तन होने से फसलों की पैदावार प्रभावित होती है। जलवायु परिवर्तन के कारण पिछले कई दशकों में तापमान बढ़ता गया है।

कुछ पौधे ऐसे होते हैं, जिन्हें एक विशेष तापमान की आवश्यकता होती है। वायुमंडल में तापमान बढ़ने पर उनकी उपज पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। जैसे गेहूं, सरसों, जौ और आलू आदि इन फसलों को कम तापमान की आवश्यकता होती है। तापमान का बढ़ना इनके लिए हानिकारक होता है। इसी प्रकार, ज्यादा तापमान बढ़ने से मक्का, ज्वार और धान आदि फसलों का नुकसान हो सकता है, क्योंकि ज्यादा तापमान के कारण इन फसलों में दाना नहीं बनता या फिर कम बनता है।

जलवायु परिवर्तन खाद्य सुरक्षा के सभी चार आयामों- खाद्य उपलब्धता, खाद्य पहुंच, खाद्य उपयोग और खाद्य प्रणाली स्थिरता को प्रभावित करेगा। यदि धरातल का तापमान ऐसे ही बढ़ता रहा, तो हमारे सामने भोजन का संकट उत्पन्न हो जाएगा। तापमान की बढ़ती गति को देखें, तो आंकड़े बताते हैं कि इस सदी के अंत तक धरती का तापमान 3.7 डिग्री से 4.8 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ जाएगा। जिसका सीधा असर कृषि उत्पादन पर होगा। उदाहरण के लिए आज जहां गेहूं, जौ, सरसों और आलू की खेती हो रही है, तापमान बढ़ने से इन फसलों की खेती नहीं हो सकेगी, क्योंकि इन फसलों को ठंडक की आवश्यकता पड़ती है। ठीक इसी प्रकार अधिक तापमान बढ़ने से मक्का, धान या ज्वार आदि फसलों का चरण हो सकता है, क्योंकि इन फसलों में अधिक तापमान के कारण दाना नहीं बनता है अथवा कम बनता है। इससे इन फसलों की खेती करना असंभव हो सकता है। इसके अतिरिक्त तापमान बढ़ने से वर्षा में कमी होती है। इससे मिट्टी में नमी समाप्त हो जाती है। इसी के साथ सूखे की संभावना भी बढ़ी है। इतना ही नहीं जलवायु परिवर्तन मिट्टी की सेहत को भी प्रभावित कर रहा है, क्योंकि बढ़ता तापमान प्राकृतिक नाइट्रोजन कम कर रहा है और इसे बढ़ाने के लिए हम रासायनिक खादों का बेतहाशा इस्तेमाल कर रहे हैं जो मिट्टी की उर्वरता को प्रभावित कर रही है। आज पूरे विश्व में जलवायु परिवर्तन का प्रभाव पड़ रहा है और यह कहीं ज्यादा, तो कहीं कम महसूस किया जा रहा है। जलवायु परिवर्तन जोखिम सूचकांक में भारत शीर्ष बीस देशों में शामिल है। पिछले चार दशकों में हमारी धरती का तापमान 0.5 डिग्री सेल्सियस बढ़ा है, जिसके कारण बाढ़, सूखे और तूफान जैसी कुदरती आपदाएं भी बढ़ी हैं। चूंकि अपने देश में ज्यादातर किसानों के पास छोटा रकबा है, इसलिए इन आपदाओं के कारण उनकी आमदनी बुरी तरह गिर रही है। भारत के लिए यह और अधिक चिंता की बात है, क्योंकि हमारे यहां साठ फीसद जनसंख्या खेती से प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से जुड़ी है। कृषि ही उनके जीवनयापन का मुख्य स्रोत है। जलवायु परिवर्तन न सिर्फ आजीविका, पानी की आपूर्ति और मानव स्वास्थ्य के लिए खतरा पैदा कर रहा है, बल्कि खाद्य सुरक्षा के लिए भी चुनौती खड़ा कर रहा है। वर्ष 2050 तक विश्व की आबादी वर्ष कर साढ़े नौ अरब हो जाएगी। इसका अर्थ यह है कि हमें दो अरब अतिरिक्त लोगों के लिए 70 फीसद ज्यादा भोजन पैदा करना होगा। इसलिए अब खाद्य और कृषि प्रणाली को जलवायु परिवर्तन के अनुकूल बनाना होगा और इसे ज्यादा उपजाऊ तथा टिकाऊ बनाने की जरूरत होगी। ऐसे में कृषि के विभिन्न तरीकों का पुनरावलोकन कर पर्यावरण को कम से कम क्षति पहुंचाने वाली तकनीकों का इस्तेमाल वांछनीय है। जलवायु परिवर्तन न सिर्फ कृषि के लिए बल्कि संपूर्ण मानव सभ्यता के लिए भी खतरे के रूप में सामने आ रहा है। लिहाजा कोई भी देश इसके असर से बच नहीं सकता। निसंदेह यह चिंता की बात है कि बढ़ते तापमान का संकट बहुत गहरा है। यह भारत के लिए बड़ी समस्याएं पैदा करेगा। इसलिए जलवायु परिवर्तन से उत्पन्न चुनौतियों के परिप्रेक्ष्य में ऐसे तरीकों की समीक्षा किया जाना आवश्यक है, जिससे हमारे कृषक जलवायु परिवर्तन का मुकाबला करते हुए फसलों का उत्पादन कर सकें और उन्हें समुचित लाभ भी मिल सके। साथ ही, कृषि से उनका मोह भंग भी न हो। चूंकि जलवायु परिवर्तन किसी एक देश अथवा क्षेत्र तक सीमित नहीं है, इसलिए इसमें कमी लाने के लिए सभी स्तरों पर ठोस उद्यमी की जरूरत है।

सड़कों के निर्माण एवं मरम्मत कार्यों में तेजी लाने का निर्देश

दिशा की बैठक में विभिन्न योजनाओं की समीक्षा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

बिहारशरीफ। बुधवार को सांसद कौशलेंद्र कुमार की अध्यक्षता में जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न विभागों की योजनाओं एवं कार्य प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में जिला पदाधिकारी कुंदन कुमार, पुलिस अधीक्षक भारत सोनी उपस्थित थे। बैठक की शुरुआत पूर्व बैठक की कार्यवाही के अनुपालन की समीक्षा से हुई। इसके बाद जिला पदाधिकारी द्वारा पीपीटी के माध्यम से विभिन्न विभागों की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की गई। समीक्षा के दौरान कृषि विभाग की योजनाओं पर चर्चा करते हुए अधिकारियों ने राष्ट्रीय कृषि विकास योजना, मृदा स्वास्थ्य कार्ड, प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना समेत अन्य कार्यक्रमों की जानकारी दी। जिलाधिकारी ने किसानों की आय बढ़ाने के लिए ड्रैगन फ्रूट जैसे उन्नत फसलों के उत्पादन को बढ़ावा देने पर जोर दिया। पशुपालन विभाग की समीक्षा में राष्ट्रीय पशु रोग नियंत्रण कार्यक्रम, राष्ट्रीय गोकुल मिशन एवं डेयरी विकास योजनाओं की प्रगति पर चर्चा हुई। जिलाधिकारी ने पशुपालकों को 1962 नंबर पर कॉल कर निःशुल्क पशु चिकित्सा सेवा का लाभ लेने के लिए जागरूक करने का निर्देश दिया। स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा के दौरान राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन एवं टीबी उन्मूलन कार्यक्रम की प्रगति की जानकारी दी गई। जिलाधिकारी ने शत-प्रतिशत संस्थागत प्रसव, नियमित टीकाकरण और गर्भवती महिलाओं की जांच सुनिश्चित करने पर बल दिया। साथ ही जनप्रतिनिधियों से अस्पतालों में डॉक्टरों की उपस्थिति एवं सुविधाओं की निगरानी करने का आग्रह किया। ग्रामीण कार्य विभाग के तहत प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत सड़कों के निर्माण एवं मरम्मत कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए गए। विद्युत विभाग को ट्रांसफार्मर, पोल एवं तार से संबंधित शिकायतों का त्वरित निष्पादन करने तथा बांस-बल्लों के स्थान पर स्थायी पोल लगाने का निर्देश दिया गया। लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग के तहत 'हर घर नल का जल' योजना की समस्याओं के समाधान हेतु टोल फ्री नंबर 18001231129 की जानकारी दी गई। पंचायत राज विभाग को पंचायत सरकार भवनों को नियमित रूप से क्रियाशील रखने के निर्देश दिए गए। ग्रामीण विकास विभाग द्वारा संचालित योजनाओं के तहत 22 हजार से अधिक योजनाओं पर कार्य प्रगति की जानकारी दी गई। वहीं जीविका के अंतर्गत स्वयं सहायता समूहों को सशक्त बनाने की दिशा में किए जा रहे कार्यों की समीक्षा की गई। आपूर्ति विभाग की समीक्षा में प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना एवं राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत लाभुकों को सुविधाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। विशेष रूप से शादी-ब्याह के अवसर पर गैस सिलेंडर की समय पर उपलब्धता सुनिश्चित करने को कहा गया। उद्योग विभाग की समीक्षा के दौरान प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम, पीएम विश्वकर्मा योजना एवं मुख्यमंत्री उद्यमी योजना के तहत उद्यमिता को बढ़ावा देने पर जोर दिया गया।

नालंदा कॉलेज में पृथ्वी दिवस पर पोस्टर व भाषण प्रतियोगिता आयोजित

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

बिहारशरीफ। नालंदा कॉलेज भूगोल विभाग के द्वारा 'पृथ्वी दिवस' आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन पृथ्वी की बिगड़ती स्थिति के बारे में जागरूकता फैलाने एवं इसे बेहतर बनाने के लिए हम क्या प्रयास कर सकते हैं, इस विषय पर जानकारी देने के उद्देश्य से किया गया था। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए नालंदा कॉलेज की प्राचार्या प्रो. सुनीता सिन्हा ने सभी जीवित प्राणियों के लिए पृथ्वी के महत्व पर ज़ोर दिया। उन्होंने 'इको-फ़ेमिनिज़्म' (पर्यावरण-नारीवाद) के बारे में भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि ऐसा नहीं है कि पृथ्वी को हमारी ज़रूरत है, बल्कि हमें पृथ्वी की ज़रूरत है। हमारी परंपरा के अनुसार हम प्रकृति पूजक हैं और इसलिए हम धरती को भी माता का दर्ज़ा देते हैं एवं उनके ऋण को चुकाने के लिए हम सभी को सकारात्मक तरीके से प्रयासरत रहना चाहिए। उनका भाषण छात्रों के लिए बहुत जानकारीपूर्ण और विचारोत्तेजक था। भूगोल विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. भावना ने उन तरीकों और उपायों पर भी ज़ोर दिया, जिनका इस्तेमाल करके हम ग्लोबल वार्मिंग को कम कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि 'पृथ्वी दिवस' हमें यह याद दिलाता है कि हमें विकास के क्रम में भी अपनी धरती माता को संरक्षित करने की ज़रूरत है। डॉ. प्रीति रानी ने इस कार्यक्रम का समन्वय किया और कहा कि पृथ्वी ही हमारा एकमात्र साझा घर है, और हमें इसे हर कीमत पर वैसा ही बनाए रखना होगा जैसा यह पहले था। डॉ. सिंधु ने भी छात्रों को संबोधित किया। डॉ. रामानुज चौधरी ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। छात्रों ने पोस्टर प्रस्तुति एवं भाषण प्रतियोगिता के माध्यम से पर्यावरण के प्रति जागरूकता एवं पृथ्वी को मानव अनुकूल बनाये रखने पर बल दिया। भक्ति, शुभम और श्रेया ने भाषण प्रतियोगिता में भाग लिया तो वहीं कई छात्रों ने पोस्टर के माध्यम से रचनात्मक जानकारियां दी।

24 को लगेगा रोजगार कैम्प

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

नवादा। जिला नियोजन पदाधिकारी सुनील कुमार सुमन ने बताया कि युवा, रोजगार एवं कौशल विकास विभाग, बिहार, पटना के निदेशानुसार जिला नियोजनालय-सह-मॉडल कैरियर सेंटर, नवादा द्वारा दिनांक 24.04.2026 को संयुक्त श्रम भवन (सरकारी आई.टी.आई.) नवादा के प्रांगण में फ्रीडम एम्प्लॉयबिलिटी एकेडमी, नई दिल्ली द्वारा शिक्षक के 10 रिक्त पद अधिसूचित किए गए हैं।

जिसके लिए योग्यता स्नातक के साथ बेसिक इंग्लिश होना चाहिए। वेतन 14,500 के साथ ?3,000 मकान किराया तथा अन्य सुविधाएं ई.पी.एफ. उपलब्ध होंगी। स्थानांतरण होने पर किराया देय होगा। उम्र सीमा 18 से 25 वर्ष निर्धारित है। कार्यस्थल नवादा है।

इच्छुक अभ्यर्थी अपने सभी शैक्षणिक प्रमाण-पत्र, आधार कार्ड की छायाप्रति, रंगीन फोटो एवं बायोडाटा के साथ चयन हेतु कैम्प स्थल संयुक्त श्रम भवन (सरकारी आई.टी.आई.) नवादा के प्रांगण में आकर इस अवसर का लाभ उठा सकते हैं। रोजगार कैम्प पूर्वाह्न 10:30 बजे से अपराह्न 4:00 बजे तक आयोजित होगा।

जो अभ्यर्थी एन.सी.एस. पोर्टल पर निबंधित हैं, वही अभ्यर्थी रोजगार कैम्प में भाग ले सकते हैं। जो अभ्यर्थी निबंधित नहीं हैं, वे अभ्यर्थी एन.सी.एस. पोर्टल पर अपना निबंधन स्वयं या जिला नियोजनालय, नवादा में कराकर भाग ले सकते हैं।

नियोजक निजी क्षेत्र के हैं। नियोजन की शर्तों के लिए नियोजक स्वयं उत्तरदायी होंगे। नियोजनालय केवल सुविधा प्रदाता की भूमिका में होगा।

सड़क हादसे ने छीनी दो जिंदगियां, शव वाहन न मिलने पर बिलखते परिजनों का फूटा गुस्सा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रजौली। थाना क्षेत्र के केंदुआ गांव के पास बुधवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे ने दो घरों के चिराग बुझा दिए। बाइक पर सवार तीन दोस्तों में से दो की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीसरा जिंदगी और मौत से जूझ रहा है। स्थानीय लोगों ने बताया कि सिरदला से रजौली आ रहे 20 से 25 साल के तीनों युवक अचानक अनियंत्रित होकर सड़क पर गिर पड़े। अभी संभल पाते कि पीछे से आ रहे एक अज्ञात वाहन ने उन्हें कुचल दिया और रफ्तार के साथ फरार हो गया। खून से लथपथ तीनों को ग्रामीणों ने ई-रिक्शा पर लादकर रजौली अस्पताल पहुंचाया। अस्पताल में ड्यूटी पर तैनात डॉ. परितोष कुमार ने बताया कि तीनों को अस्पताल लाया गया था, लेकिन दो की सांसें अस्पताल पहुंचने से पहले ही थम चुकी थीं। मृतकों की पहचान सिरदला थाना क्षेत्र के गोनपुर गांव निवासी दिनेश चौधरी के पुत्र सूरज कुमार और गणेश चौधरी के पुत्र लीटो कुमार के रूप में हुई। वहीं तीसरा युवक महेंद्र राजवंशी का पुत्र रोहित कुमार गंभीर हालत में नवादा रेफर किया गया। जवान बेटों के शव देख परिजनों का कलेजा फट गया। जब उन्हें पता चला कि शव को पोस्टमार्टम के लिए पिकअप में ले जाना होगा तो उनका गुस्सा फूट पड़ा। शव वाहन की मांग करते हुए बिलखते परिजनों ने अस्पताल में तोड़फोड़ कर दी। आंखों में आंसू और दिल में आक्रोश लिए परिजन स्वास्थ्यकर्मियों से उलझ पड़े। मामला यहीं नहीं थमा, गुस्साए परिजन दोनों शवों को स्ट्रेचर पर लादकर बाईपास होते हुए प्राणचक मोड़ पहुंचे और एनएच-20 को जाम कर दिया। हालांकि सीओ कृष्णकांत चौबे एवं थानाध्यक्ष सह इंस्पेक्टर रणजीत कुमार के साथ एएसआई संजय कुमार ने परिजनों को काफी समझाया, तब जाकर परिजन एनएच से शव को हटाया। सड़क पर शव रखकर रोते बिलखते मां-बाप को देख हर किसी की आंखें नम हो गईं। हर कोई यही सवाल कर रहा था कि क्या गरीब के बेटे की लाश को भी सम्मान नहीं मिल सकता। एक पल में दो हंसते खेलते घरों में मातम पसर गया। गांव में चूल्हे नहीं जले। हर जुबां पर बस यही था कि काश समय पर शव वाहन मिल जाता तो शायद परिजनों का गुस्सा इतना न बढ़ता। इस हादसे ने दो जिंदगियां लील गया और पीछे आंसुओं का सैलाब छोड़ गया। इस संबंध में प्रभारी डीएस डॉ. दिलीप कुमार ने बताया कि परिजनों के कहने पर शव वाहन को जिला मुख्यालय से मंगवाया गया। लेकिन जब तक वाहन आता, परिजन उग्र हो गए। अस्पताल में तोड़फोड़ को लेकर थाने में आवेदन दिया गया है। वहीं थानाध्यक्ष सह इंस्पेक्टर रणजीत कुमार ने कहा कि पुलिस सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है। प्रशासन द्वारा परिजनों को समझा-बुझा कर जाम को हटवाया गया है एवं दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

उप विकास आयुक्त ने की जीविका योजनाओं की प्रगति की समीक्षा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

नवादा। उप विकास आयुक्त नीलिमा साहू की अध्यक्षता में आज दिनांक 22 अप्रैल 2026 को उनके कार्यालय प्रकोष्ठ में जीविका परियोजना अंतर्गत संचालित गतिविधियों एवं उससे संबंधित प्रगति की समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई।

बैठक के दौरान उप विकास आयुक्त द्वारा नवादा जिले में जीविका द्वारा संचालित गतिविधियों की विषयवार समीक्षा की गई। समीक्षा के क्रम में सभी कार्य बिंदुओं पर निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप उपलब्धि प्राप्त करने का दिशा-निर्देश दिया गया। स्वयं सहायता समूह की दीदियों द्वारा तैयार किए जा रहे विभिन्न उत्पादों की जानकारी संकलित कर अगली बैठक में प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया, ताकि समाज की अन्य महिलाओं के मनोबल एवं व्यक्तिगत उद्यमिता को बढ़ावा देने हेतु नवाचार आधारित कार्यों को प्रोत्साहित किया जा सके। जीविका दीदियों द्वारा उत्पादित सामग्रियों की बिक्री बढ़ाकर उन्हें अधिक लाभ उपलब्ध कराने के उद्देश्य से स्थानीय स्तर पर मार्केट एवं हाट-बाजार की उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया। उप विकास आयुक्त ने विभिन्न विभागों के साथ समन्वय स्थापित कर जीविका दीदियों को विभिन्न सरकारी योजनाओं से आच्छादित कराने की दिशा में कार्य करने का भी निर्देश दिया। बैठक में जीविका के जिला परियोजना प्रबंधक चन्दन कुमार सुमन सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

मुर्गावां क्रिकेट टूर्नामेंट का एमएलसी ने किया उदघाटन

16 टीमों ने लिया भाग, वाना बिगहा की टीम विजयी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

बिहारशरीफ। परवलपुर प्रखंड के मुर्गावां गांव में मुर्गावां क्रिकेट टूर्नामेंट 2026 का उद्घाटन किया गया। इस मौके पर क्षेत्र के कई गणमान्य लोग मौजूद रहे और खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। टूर्नामेंट का उद्घाटन पूर्व एमएलसी राजू यादव, परवलपुर नगर पंचायत के उप मुख्य पार्षद अक्षय कुमार, मुखिया सोनू कुमार सहित अन्य अतिथियों के द्वारा संयुक्त रूप से फीता काटकर किया गया। उद्घाटन समारोह में बड़ी संख्या में ग्रामीण और खेल प्रेमी मौजूद रहे।

बताया जा रहा है कि इस क्रिकेट टूर्नामेंट में कुल 16 पंचायतों की टीमें हिस्सा ली है।

टूर्नामेंट का पहला मुकाबला वानाबीघा और मानिकपुर टीम के बीच खेला गया। 12 ओवर के इस रोमांचक मैच में वानाबीघा टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला लिया। वानाबीघा ने 7 विकेट खोकर 133 रन बनाए, जबकि लक्ष्य का पीछा करने उतरी मानिकपुर की टीम 6 विकेट के नुकसान पर 121 रन ही बना सकी। इस तरह वानाबीघा टीम ने मुकाबला जीत लिया। मैच में शानदार प्रदर्शन के लिए आयुष कुमार को 'मैन ऑफ द मैच' चुना गया।

वहीं, इस मौके पर उप मुख्य पार्षद अक्षय कुमार एवं विक्रम सिंह ने घोषणा की कि वे अपने तरफ से फाइनल मैच के विजेता टीम नगद इनाम देंगे। इस मौके पर मुख्य अतिथि पूर्व एमएलसी राजू यादव ने सभी खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दी,कहा कि सभी लोग अच्छा से खेल का प्रदर्शन करे और अपने पंचायत का नाम रौशन करें।

स्थानीय स्तर पर आयोजित इस तरह के खेल आयोजन से युवाओं को अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका मिल रहा है और क्षेत्र में खेल संस्कृति को भी बढ़ावा मिल रहा है।

इस टूर्नामेंट के उद्घाटन मौके पर जीतू मुखिया, राज कुमार, मोनू यदुवंशी, रंजन पटेल, आयोजक गौतम सिंह, टुनटुन, सनोज कुमार, वही सहयोगकर्ता के रूप में विक्की, रौशन, तपन, सूरज कुमार सहित सैकड़ों की संख्या में स्थानीय ग्रामीण मौजूद थे।

कन्या पूजन और उत्सव के साथ मना नामांकन पर्व

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रजौली। रजौली प्रखंड की सीमाओं को लांघकर जिला स्तर पर अपनी विशिष्ट पहचान बना चुका उत्क्रमित मध्य विद्यालय निमटांड एक बार फिर अपनी सृजनात्मकता के लिए सुर्खियों में है। प्रधानाध्यापक राजेश कुमार के नेतृत्व में विद्यालय ने विगत बुधवार को नामांकन अभियान को एक यादगार उत्सव में तब्दील कर दिया। आयोजन की भव्यता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि नामांकन से पूर्व छात्र-छात्राओं ने पूरे पोषक क्षेत्र में प्रभात फ़ेरी निकालकर 'आधी रोटी खाएंगे, फिर भी स्कूल जाएंगे' जैसे गगनभेदी नारों से गांव की गलियों को गुंजायमान कर दिया। विद्यालय परिसर में पहुंचते ही अभिभावकों और बच्चों का स्वागत किसी सरकारी प्रक्रिया की तरह नहीं, बल्कि एक पारिवारिक समारोह की भांति किया गया, जहां शीतल पेयजल, अल्पाहार और सुव्यवस्थित प्रतीक्षा कक्ष ने व्यवस्था की संवेदनशीलता को दर्शाया। नामांकन प्रभारी अंजू कुमारी के देखरेख में कुल 35 नए छात्र-छात्राओं का दाखिला हुआ,लेकिन सबसे भावुक और प्रेरणादायक क्षण वह रहा जब पहली कक्षा में नामांकित छात्राओं का विधिवत कन्या पूजन किया गया। शिक्षिका मंजू कुमारी द्वारा इन नन्हीं छात्राओं को चंदन-तिलक लगाकर, आरती उतारकर और मुंह मीठा कराकर न केवल श्रृंगार व लेखन सामग्री भेंट की गई, बल्कि बैग और पाठ्यपुस्तकें देकर उनके शैक्षिक सफर को गरिमा प्रदान की गई। बाल संसद की सदस्यों कीर्ति, मानसी और अनुष्का के मधुर स्वागत गान ने जहां माहौल में उत्साह भर दिया, वहीं वरीय शिक्षक सच्चिदानंद प्रसाद के मंगल वचनों ने बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की नींव रखी। शिक्षिका निखत बानो, नीतू कुमारी और सैकड़ों ग्रामीणों की मौजूदगी में पूरा विद्यालय प्रांगण 'स्वच्छ विद्यालय, निपुण विद्यालय, श्रेष्ठ विद्यालय' के संकल्प से गूंज उठा, जो यह सिद्ध करता है कि यदि विजन स्पष्ट हो तो एक ग्रामीण विद्यालय भी देश के लिए रोल मॉडल बन सकता है।

सम्मान समारोह : ऋषभ ने 96 फीसदी अंक लाकर किया विद्यालय को गौरवान्वित

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

नवादा। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा 10वीं बोर्ड परीक्षा परिणाम में मॉडर्न इंटरनेशनल स्कूल हिसुआ के विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए नया कीर्तिमान स्थापित किया। इस अवसर पर विद्यालय द्वारा उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मेधावी छात्र-छात्राओं को मॉडर्न शैक्षणिक समूह के निदेशक डॉ0 अनुज सिंह के दिशा निर्देशन में सम्मानित किया गया। मॉडर्न इंटरनेशनल स्कूल के प्रांगण में आयोजित इस भव्य कार्यक्रम में दसवीं के टॉपर विद्यार्थियों को मोमेंटो और पुरस्कार देकर प्रोत्साहित किया गया। मॉडर्न शैक्षणिक समूह के निदेशक डॉ अनुज सिंह ने छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि आज की प्रतिभाएं ही कल का भविष्य है। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि आपकी सफलता हमारा अभिमान है। कड़ी मेहनत और दृढ़ निश्चय से ही मुकाम हासिल किया जा सकता है। उन्होंने अभिभावकों और शिक्षकों को भी बच्चों की सफलता का श्रेय दिया। विद्यालय के प्राचार्य मिखाइल चौधरी ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि प्रतिभा सम्मान समारोह का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों की मेहनत, शिक्षा और कल को प्रोत्साहित करना है। उन्होंने छात्रों को बधाई देने के साथ-साथ उन्हें भविष्य में भी कड़ी मेहनत करने, बड़े सपने देखने और राष्ट्र निर्माण में योगदान देने के लिए प्रेरित किया। हिंदी शिक्षक प्रवीण कुमार पंकज ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि यह केवल एक सम्मान नहीं है बल्कि आपके कंधों पर जिम्मेदारी भी है कि आप आगे भी समाज और देश के लिए अपना योगदान दें। प्रतिभा सम्मान समारोह को सफल बनाने में विज्ञान शिक्षक गौरव कुमार, मनोरंजन पांडे, हिंदी शिक्षक एस के रंजन, प्रवीण कुमार सिंह तथा अन्य सभी शिक्षकों की भूमिका सराहनीय रही।

नालंदा में राष्ट्रीय लोक मोर्चा का धिक्कार मार्च, महागठबंधन के खिलाफ प्रदर्शन

बिहारशरीफ। बुधवार को राष्ट्रीय लोक मोर्चा की जिला इकाई के तत्वावधान में धिक्कार मार्च निकाला गया। यह मार्च गत 17 अप्रैल को लोकसभा में परिसीमन सुधार एवं महिला आरक्षण से जुड़े विधेयक के विरोध में महागठबंधन दलों द्वारा मतदान किए जाने के खिलाफ आयोजित किया गया।

मार्च में जिले के विभिन्न प्रखंडों एवं पंचायतों से बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता और नेता शामिल हुए। प्रदर्शनकारियों ने महागठबंधन दलों के खिलाफ नारेबाजी करते हुए उनके रवैये की आलोचना की। कार्यक्रम के दौरान जिला संयोजक सोनू कुशवाहा ने बताया कि पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद उपेंद्र कुशवाहा के नेतृत्व में बीते वर्ष पूरे बिहार में संवैधानिक अधिकारों एवं परिसीमन सुधार को लेकर व्यापक अभियान चलाया गया था। इसके तहत विक्रमगंज, मुजफ्फरपुर, गया और पटना में बड़ी महारैलियों का आयोजन किया गया, जिसे आम जनता का व्यापक समर्थन मिला। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा संसद के विशेष सत्र में परिसीमन सुधार एवं महिला प्रतिनिधित्व बढ़ाने के उद्देश्य से संविधान संशोधन विधेयक पेश किया गया था, जिसे एनडीए के सभी दलों का समर्थन प्राप्त था। हालांकि, महागठबंधन दलों ने इसके विरोध में मतदान कर इसे पारित नहीं होने दिया, जिससे बिहार सहित अन्य राज्यों के हित प्रभावित हुए। सोनू कुशवाहा ने बताया कि यदि यह विधेयक पारित हो जाता तो बिहार में लोकसभा सीटों की संख्या 40 से बढ़कर 60 हो जाती, जिसमें 20 सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित होतीं। इसी प्रकार विधानसभा में 243 के स्थान पर 365 विधायक होते, जिनमें 120 महिलाएं शामिल होतीं।

उन्होंने कहा कि विपक्ष के इस रवैये के विरोध में राष्ट्रीय लोक मोर्चा के आह्वान पर बिहार के सभी जिला मुख्यालयों में धिक्कार मार्च का आयोजन किया गया है। इस अवसर पर प्रेम कुमार, चंदन, अजयकांत, चमेली वर्मा, इंदु देवी, संजू देवी, सुबोध पंडित, सचित कुशवाहा, धर्मेंद्र कुशवाहा, रवि कुमार मेहता, मनीष सिंह, वीरू कुशवाहा एवं महेंद्र कुशवाहा सहित अन्य नेता उपस्थित रहे।

जनसुराज की बैठक में संगठन विस्तार पर की गई चर्चा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

नवादा। जन सुराज पार्टी के जिला कमेटी की पहली बैठक बुधवार को प्रस्तावित कार्यालय में संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए जिला अध्यक्ष त्रिवेणी प्रसाद सिंह ने कहा कि संगठन के विस्तार को लेकर पार्टी के अधिकारी से लेकर कार्यकर्ता तक को काफी सक्रिय और गंभीरता से काम करने की जरूरत है। इन्होंने कहा कि इसके विस्तार को लेकर आगामी 2 मई से प्रखंडों का दौरा किया जाएगा। इसके लिए पार्टी ने एकल पद धारकों को जिम्मेवारी सौंपी है। इसके पहले 28 अप्रैल तक प्रकोष्ठ अध्यक्षों से प्रखंड कमेटी की सूची मांगी गई है। बताया जाता है आगामी 19 में को तक प्रखंड स्तर तक कमेटी का गठन कर लिया जाना है इसके बाद पार्टी के सूत्रधार प्रशांत किशोर का नवादा आगमन होगा। इसे लेकर पार्टी काफी गंभीर दिख रही है। हर आज तक कार्यकर्ताओं और अधिकारियों को जिम्मेदारी दी जा रही है ताकि व हर हाल में संगठन का विस्तार प्रखंड स्तर तक कर सकें। पार्टी के जोनल मीडिया इंचार्ज अजय कुमार ने संगठन विस्तार की तकनीकी जनकारी उपलब्ध कराई। पार्टी के जिला प्रवक्ता मिथिलेश कुमार सिंह और सरस्वती देवी ने भी अपनी बात रखी। बैठक में महासचिव सरयू प्रसाद, कमलेश कुमार बिंदु, ललन शर्मा, स्वीटी कुमारी, राधा देवी, युवा अध्यक्ष नीरज कुमार, किसान मोर्चा के मुकेश कुमार बबलू, सुबोध सिंह, अल्पसंख्यक मोर्चा के चुन्नू जी नसीम सहित अन्य मौजूद थे।

नवादा में पोषण पखवाड़ा के तहत जागरूकता अभियान

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

नवादा। सदर प्रखंड में पोषण पखवाड़ा के तहत जागरूकता अभियान चलाया गया, जिसमें बच्चों के समग्र विकास और सही खानपान के महत्व पर जोर दिया गया। इस दौरान आंगनबाड़ी केंद्रों और स्कूलों में विशेष कार्यक्रम आयोजित किए गए, जहां बच्चों को खेल-खेल के माध्यम से पोषण संबंधी जानकारी दी गई। शिक्षकों और सेविकाओं ने गीत, चित्रकला और छोटे-छोटे खेलों के जरिए बच्चों को संतुलित आहार की अहमियत समझाई। कार्यक्रम में अभिभावकों को भी जागरूक किया गया और उन्हें बच्चों को जंक फूड से दूर रखने की सलाह दी गई। बताया गया कि अधिक मात्रा में जंक फूड का सेवन बच्चों के स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव डालता है, जिससे मोटापा, कमजोरी और अन्य बीमारियों का खतरा बढ़ता है। इसके बजाय घर का बना ताजा और पौष्टिक भोजन जैसे दाल, हरी सब्जियां, फल और दूध को बच्चों के आहार में शामिल करने की अपील की गई। अधिकारियों ने कहा कि पोषण पखवाड़ा का उद्देश्य बच्चों में कुपोषण को कम करना और स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देना है। अभियान के माध्यम से लोगों को जागरूक कर एक स्वस्थ और सशक्त समाज के निर्माण की दिशा में कदम बढ़ाया जा रहा है। सीडीपीओ शशि कुमारी और एलएस सपना कुमारी के द्वारा आमंत्रण पत्र छपवाकर अन्न प्रासन्न किया गया।

नवबिहार टाइम्स
बोकारो, गुरुवार 23 अप्रैल 2026

कार्ड बदलने पर नहीं रुकेगा ऑटोमैटिक पेमेंट

15,000 तक नहीं पड़ेगी ओटीपी-पासवर्ड की जरूरत

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय रिजर्व बैंक ने मंगलवार को डिजिटल पेमेंट को आसान और सुरक्षित बनाने के लिए नए नियम जारी किए हैं। इसके तहत अगर किसी ग्राहक का कार्ड दोबारा जारी होता है, तो उसके पुराने कार्ड पर चल रहे ई-मैंडेट (ऑटोमैटिक पेमेंट सेटिंग्स) को नए कार्ड पर अपने आप ट्रांसफर किया जा सकेगा। आरबीआई ने बैंकों से कहा है कि जब भी किसी ऑटोमैटिक पेमेंट का नोटिफिकेशन ग्राहक के पास जाए, तो उसमें शिकायत दर्ज करने के तरीके की पूरी जानकारी भी होनी चाहिए। आरबीआई ने बताया कि ई-मैंडेट से जुड़े नियमों में ये बदलाव इस क्षेत्र से जुड़े लोगों और कंपनियों से मिले सुझावों के आधार पर किए गए हैं। नए नोटिफिकेशन में साफ किया गया है कि बार-बार होने वाले पेमेंट (जैसे ओटीटी सब्सक्रिप्शन या बिजली बिल) के लिए ई-मैंडेट की सुविधा देने के बदले ग्राहकों से फीस या चार्ज नहीं लिया

जाएगा। आरबीआई के मुताबिक, बैंकों को शिकायतों के लिए एक मजबूत सिस्टम बनाना होगा। केंद्रीय बैंक ने बताया कि हर महीने होने वाले 15,000 रुपये तक के ऑटोमैटिक पेमेंट के लिए अब अलग से ओटीपी या पासवर्ड की जरूरत नहीं होगी। अगर पेमेंट 15,000 रुपये से ज्यादा का है, तो उसके लिए ओटीपी जैसा वेरिफिकेशन जरूरी होगा। वहीं, आरबीआई ने कुछ खास पेमेंट्स के लिए इस लिमिट को और भी बढ़ाया है। इंश्योरेंस प्रीमियम, म्यूचुअल फंड की किश्तें और क्रेडिट कार्ड के बिल पेमेंट के लिए 1 लाख रुपये तक के ट्रांजैक्शन बिना ओटीपी के किए जा सकेंगे।

विश्व पृथ्वी दिवस पर वेदांता की बड़ी घोषणा

नई दिल्ली, एजेंसी। हर साल 22 अप्रैल के दिन दुनिया भर में यह दिवस मनाया जाता है। इसका उद्देश्य पर्यावरण की रक्षा के लिए जागरूकता पैदा करना और ग्लोबल सस्टेनिबिलिटी को प्रोत्साहित करना है। इस अवसर पर वेदांता लिमिटेड (ने घोषणा की है कि उसने पिछले साल रिन्यूएबल एनर्जी का उपयोग 50 फीसदी से भी अधिक बढ़ाया है। मेटल, ऑयल एंड गैस, क्रिटिकल मिनरल्स, पावर और टेक्नोलॉजी सेक्टर की कंपनी वेदांता लिमिटेड ने घोषणा की कि वित्त वर्ष 2026 में उसके रिन्यूएबल एनर्जी उपयोग में पिछले वर्ष की तुलना में 50 प्रतिशत से अधिक वृद्धि होकर 3.97 बिलियन यूनिट हो गई है। इस दौरान कंपनी ने 30 लाख टन कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन से बचाव किया। कंपनी का कहना है कि अब स्ट्रेटेजिक मेटल्स और क्रिटिकल मिनरल्स का पोर्टफोलियो एडवांस मैन्यूफैक्चरिंग, ग्लोबल एनर्जी ट्रांजिशन और क्लीन टेक को आगे बढ़ाने में मदद कर रहा हे। दुनिया भर की प्रतिष्ठित कंपनियां

इस समय नेट जीरो की तरफ बढ़ रही हैं। वेदांता का कहना है कि वह नेट जीरो जर्नी की तरफ मजबूत कदम उठा रही है। उसने मेटल्स इंटेंसिटी में 15 प्रतिशत की कमी की है। यह वित्त वर्ष 2020-21 के बेसलाइन से घटकर वित्त वर्ष 2025-26 में 5.44 हो गई है। यह परिचालन दक्षता को दर्शाता है। वेदांता ने वैकल्पिक ईंधन के रूप में 365 किलो टन बायोमास का भी उपयोग किया है, जिससे अनुमानित 5 से 6 लाख टन कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन में कमी आई है। साथ ही, कंपनी ने अपने विभिन्न कारोबार में जल संरक्षण की दिशा में भी महत्वपूर्ण प्रगति की है। हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड, केर्न ऑयल एंड गैस और इसके आयरन ओर बिजनेस ने नेट वॉटर पॉजिटिव स्थिति हासिल की है।

पाक में सस्पेंस के बीच अमेरिका से भारत के लिए खुशखबरी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और अमेरिका बहुप्रतीक्षित द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) को अंतिम रूप देने के करीब पहुंच गए हैं। दोनों पक्षों ने संकेत दिया है कि अब केवल कुछ ही मुद्दे अनसुलझे हैं। वॉशिंगटन में जारी चर्चाओं ने इस प्रक्रिया में नई रफ्तार ला दी है। इससे निकट भविष्य में इसके पूरा होने की उम्मीदें बढ़ गई हैं। एएनआई की रिपोर्ट में एक वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारी ने कहा कि डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन और नई दिल्ली के बीच चर्चाएं 'सकारात्मक' रही हैं। उन्होंने यह भी जोड़ा कि बातचीत अंतिम समझौते की ओर बढ़ रही है। यह खबर ऐसे समय आई है जब इस्लामाबाद में ईरान के साथ अमेरिका की प्रस्तावित बातचीत पर सस्पेंस बना हुआ है। खबरों के मुताबिक, ईरान ने इस वार्ता को लेकर चुप्पी साध रखी है। बातचीत से परिचित अधिकारी ने रिपोर्ट में कहा, 'इसका ज्यादातर हिस्सा लगभग पूरा हो चुका है... अब बहुत ज्यादा ढीले सिरे नहीं बचे हैं।'

टैरिफ और मार्केट एक्सेस पर फोकस

रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि वैसे तो विशिष्ट विवरण सार्वजनिक नहीं किए गए हैं। लेकिन, ऐसी उम्मीदें बढ़ रही हैं कि जल्द ही कोई आधिकारिक घोषणा हो सकती है।

प्रस्तावित समझौता दोनों अर्थव्यवस्थाओं के बीच व्यापार प्रवाह को बढ़ावा देने और टैरिफ से संबंधित बाधाओं को दूर करने के व्यापक प्रयास का हिस्सा है। वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि समझौते का पहला चरण लगभग अंतिम रूप ले चुका है। उन्होंने प्रतिस्पर्धी देशों की तुलना में अमेरिका में बेहतर बाजार पहुंच हासिल करने के भारत के प्रयासों पर प्रकाश डाला। ये चर्चाएं इस साल की शुरुआत में सामने आए एक व्यापक ढांचे पर आधारित हैं। इसका उद्देश्य पारस्परिक और परस्पर लाभकारी व्यापार संबंधों को बढ़ावा देना है। ये प्रयास प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच हुई पिछली मुलाकातों पर आधारित हैं। इन्होंने गहरे आर्थिक सहयोग के लिए आधार तैयार किया था।

नीतिगत बदलावों से आई तेजी

समझौते के शुरुआती चरण में प्रगति को तेज करने के लिए भारतीय अधिकारियों का एक प्रतिनिधिमंडल 20 से 22 अप्रैल तक वॉशिंगटन में मौजूद है। यह बातचीत अमेरिका की बदलती व्यापार नीतियों की पृष्ठभूमि में भी हो रही है। इसमें इस साल की शुरुआत में लागू किया गया 10 प्रतिशत का अस्थायी टैरिफ भी शामिल है। इसके चलते दोनों पक्षों को कुछ प्रावधानों का दोबारा मूल्यांकन करना पड़ा है। भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने इस समझौते को दोनों देशों के लिए 'विन-विन' की स्थिति बताया। इसके रणनीतिक और आर्थिक महत्व पर रोशनी डाली। इस प्रक्रिया में शामिल अधिकारियों ने बताया कि बैठकों का यह मौजूदा दौर बाकी अटके मुद्दों को सुलझाने पर केंद्रित है। जबकि समझौते के ज्यादातर ढांचे पर पहले ही सहमति बन चुकी है।

अटके मसलों को सुलझाने पर केंद्रित है बातचीत

बातचीत के मौजूदा चरण में दोनों देशों के वरिष्ठ प्रतिनिधि शामिल हैं। यह इस समझौते को दिए जा रहे महत्व को दिखाता है। भारत के प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व वाणिज्य विभाग के अतिरिक्त सचिव दर्पण जैन कर रहे हैं। अमेरिकी टीम की अगुवाई अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि कार्यालय के ब्रेंडन लिंच कर रहे हैं।

इथेनॉल ब्लेंडिंग, ईरान युद्ध के बीच सरकार ने सेट किया बड़ा टारगेट

नई दिल्ली, एजेंसी। पश्चिम एशिया में जारी संकट के बीच सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने एक अहम टारगेट की बात की है। उन्होंने मंगलवार को कहा कि ऊर्जा के मामले में आत्मनिर्भरता को मजबूत करने की जरूरत है। इसके लिए भारत को आने वाले समय में 100 फीसदी इथेनॉल ब्लेंडिंग का लक्ष्य रखना चाहिए। उनके मुताबिक, मिडिल ईस्ट संकट के चलते तेल सप्लाई में आई कमजोरी ने देश के लिए आयात पर निर्भरता कम करना जरूरी बना दिया है। इंडियन फेडरेशन ऑफ ग्रीन एनर्जी के ग्रीन ट्रांसपोर्ट कॉन्क्लेव में गडकरी ने कहा, 'आने वाले समय में भारत को 100 प्रतिशत इथेनॉल ब्लेंडिंग का लक्ष्य रखना चाहिए... आज पश्चिम एशिया में युद्ध के कारण हम ऊर्जा संकट का सामना कर रहे हैं। इसलिए हमारे लिए ऊर्जा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनना जरूरी है।'

इथेनॉल-ब्लेंडिंग क्या है

इथेनॉल-ब्लेंडिंग पेट्रोल आम पेट्रोल और इथेनॉल का मिक्सचर होता है। इथेनॉल रिन्यूएबल, अल्कोहल-बेस्ड बायोफ्यूल है जो गन्ने, मक्का और अन्य कृषि बायोमास जैसे पौधों के स्रोतों से हासिल किया जाता है। इथेनॉल पेट्रोल की तुलना में ज्यादा साफ जलता है। यह एक ऑक्सीजनेट के तौर पर काम करता है। इससे ईंधन ज्यादा पूरी तरह से जल पाता है। कार्बन मोनोऑक्साइड और बिना जले हाइड्रोकार्बन जैसे नुकसानदायक उत्सर्जन कम होते हैं। यह एक फ्यूल एक्सटेंडर के तौर पर भी काम करता है।

अभी किस लेवल तक ब्लेंडिंग

- भारत अभी गाड़ियों को श्व20 पेट्रोल पर चलाने की इजाजत देता है।
इसमें 20 फीसदी इथेनॉल (20 प्रतिशत इथेनॉल + 80 प्रतिशत पेट्रोल) होता है।
- जंग लगने और उससे जुड़ी समस्याओं से बचने के लिए इंजन में थोड़े-बहुत बदलाव करने पड़ते हैं।
- 2023 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 20 फीसदी इथेनॉल मिला हुआ पेट्रोल लॉन्च किया था।
- ब्राजील जैसे देश पहले ही 100 फीसदी इथेनॉल ब्लेंडिंग का लक्ष्य हासिल कर चुके हैं। हम 22 लाख करोड़ रुपये का जीवाश्म ईंधन आयात करते हैं। इससे प्रदूषण भी होता है... वैकल्पिक ईंधन और बायो-फ्यूल के उत्पादन को बढ़ाने पर काम करने की जरूरत है।

100 प्रतिशत ब्लेंडिंग का मतलब क्या है

तकनीकी रूप से '100 प्रतिशत ब्लेंडिंग' का मतलब है श्व100 फ्यूल। इसका मतलब यह है कि वाहन पूरी तरह से इथेनॉल पर चलेगा, जिसमें पेट्रोल की मात्रा मामूली होगी। सरकार का मकसद ऐसे 'फ्लेक्स फ्यूल इंजन' को बढ़ावा देना है जो 20 प्रतिशत से लेकर 100 प्रतिशत तक किसी भी अनुपात में इथेनॉल पर चल सकें। अगर वाहन 100 प्रतिशत इथेनॉल पर चलता है तो उसके लिए पेट्रोल की जरूरत बहुत कम या न के बराबर होगी। इससे भारत का कच्चा तेल आयात बिल काफी हद तक कम हो सकता है।

नौकरी में एक जगह पर 2 साल भी नहीं टिक रहे युवा

कुल भर्तियों में 40 प्रतिशत हिस्सा रिप्लेसमेंट का

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत में ग्लोबल कंपनियों के ऑफिसों (ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर) में एक अजीब स्थिति देखने को मिल रही है। एक तरफ जहां नई भर्तियों में तेजी आई है, वहीं दूसरी तरफ (आज के दौर के युवा) कर्मचारियों के जल्दी-जल्दी नौकरी

छोड़ने से कंपनियां पुराने पदों को ही दोबारा भरने में जुटी हुई हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, कर्मचारियों के एक कंपनी में टिकने का समय 24 महीने यानी 2 साल से भी कम हो गया है। स्थिति यह है कि कंपनियों में होने वाली कुल भर्तियों में से 40 प्रतिशत हिस्सा सिर्फ रिप्लेसमेंट का है। इसका मतलब है कि हर 5 में से 2 भर्तियां नई नहीं हैं, बल्कि वे उन पदों को भरने के लिए की जा रही हैं जिन्हें कर्मचारी छोड़कर चले गए हैं।

क्यों छोड़ रहे हैं नौकरी

खासकर टेक सेक्टर में युवा प्रोफेशनल्स बेहतर सैलरी, प्रमोशन की तेज रफ्तार जैसी आधुनिक तकनीक पर काम करने के लालच में फटाफट नौकरियां बदल रहे हैं। इस वजह से कंपनियों के लिए भर्ती करना, ट्रेनिंग देना और फिर से नई भर्ती करने का एक कभी न खत्म होने वाला चक्र शुरू हो गया है।

भर्तियों की स्थिति

रिपोर्ट के अनुसार, वित्त वर्ष 2026 की मार्च तिमाही में जीसीसी में भर्तियों में शानदार सुधार दिखा है। पिछली तिमाही की तुलना में इस बार कर्मचारियों की संख्या में 12-14 प्रतिशत की बढ़त हुई है, जबकि इससे पहले यह आंकड़ा सिर्फ 4-6 प्रतिशत था। भारत में इस समय लगभग 2,150 से 2,200 सक्रिय काम कर रहे हैं। अनुमान है कि 2030 तक इनमें कर्मचारियों की संख्या 25 से 27 लाख तक पहुंच जाएगी। भर्तियों में यह तेजी एआई डेटा और प्लेटफॉर्म इंजीनियरिंग की वजह से आ रही है। कुल मांग का करीब 60 प्रतिशत हिस्सा इन्हीं स्किल्स से जुड़ा है। आईटी स्टाफिंग के सीईओ कपिल जोशी का कहना है कि यह तेजी सिर्फ थोड़े समय के लिए नहीं है।

ईरान युद्ध का असर! तेल-गैस और कच्चे माल की कीमत बढ़ी

नई दिल्ली, एजेंसी। रेटिंग एजेंसी ने वित्त वर्ष 2027 के लिए भारत की ग्रोथ का अनुमान घटा दिया है। एजेंसी ने पहले इसके 6.8 प्रतिशत रहने का अनुमान जताया था लेकिन अब इसे कम करके 6 प्रतिशत कर दिया है। इसकी मुख्य वजह पश्चिम एशिया में चल रहे युद्ध को बताया है, जिसके चलते एनर्जी (तेल-गैस) और कच्चे माल की कीमतें बढ़ गई हैं। आधिकारिक अनुमानों के मुताबिक फाइनेंशियल ईयर 2026 में देश की जीडीपी ग्रोथ 7.6 फीसदी रहने का अनुमान है। मंगलवार को जारी अपनी रिपोर्ट में मूडीज ने कहा कि ऊर्जा की बढ़ती कीमतों की वजह से भारत का व्यापार घाटा बढ़ सकता है। ईंधन और खाद पर दी जाने वाली सब्सिडी पर ज्यादा खर्च होने के कारण सरकारी खजाने पर दबाव बढ़ेगा, जिससे जीडीपी की रफ्तार धीमी हो सकती है। हालांकि, भारत का मजबूत विदेशी मुद्रा भंडार और सर्विसेज एक्सपोर्ट अर्थव्यवस्था

को सहारा देंगे।

मूडीज का अनुमान: एजेंसी ने इसे 6.8 फीसदी से घटाकर 6 फीसदी कर दिया है, इसकी मुख्य वजह पश्चिम एशिया में चल रहे युद्ध को बताया है, इसके चलते तेल-गैस और कच्चे माल की कीमतें बढ़ गई हैं, ऊर्जा की बढ़ती कीमतों से भारत का व्यापार घाटा बढ़ सकता है, ईंधन-खाद पर सब्सिडी बढ़ने से सरकारी खजाने पर दबाव बढ़ेगा।

इससे इस फाइनेंशियल ईयर में जीडीपी की रफ्तार धीमी हो सकती है इस बीच संयुक्त राष्ट्र ने भारत की अर्थव्यवस्था के इस वर्ष 6.4 प्रतिशत और 2027 में 6.6 प्रतिशत की दर से बढ़ने का अनुमान है। संयुक्त राष्ट्र आर्थिक एवं सामाजिक आयोग एशिया-प्रशांत (ईएससीएपी) ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि दक्षिण एवं दक्षिण-पश्चिम एशिया की अर्थव्यवस्थाएं 2025 में 5.4 प्रतिशत की दर से बढ़ीं।

1441.55 रुपये पर बंद हुआ था और आज यह 1344.05 रुपये पर खुला

प्रॉफिट बढ़ने के बावजूद 10 प्रतिशत लुढ़का एचसीएल टेक शेयर

नई दिल्ली, एजेंसी। देश की तीसरी बड़ी आईटी कंपनी एचसीएल टेक के शेयरों में आज भारी गिरावट आई है।

कंपनी का शेयर एनएसई पर 9.58 फीसदी गिरावट के साथ 1,303 रुपये तक आ गया। कंपनी ने मंगलवार को अपना चौथी तिमाही का रिजल्ट जारी किया। लेकिन यह निवेशकों की उम्मीदों पर खरा नहीं उतरा। बीएसई पर कंपनी का शेयर पिछले सत्र में 1441.55 रुपये पर बंद हुआ था और आज यह 1344.05 रुपये पर खुला। कारोबार के दौरान यह 1301.60 रुपये तक गिरा। इसका 52 हफ्ते का उच्चतम स्तर 1,770 रुपये और न्यूनतम 1,275.70 रुपये है।

एचसीएल टेक्नोलॉजीज का वित्त वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही में नेट प्रॉफिट 4.2 प्रतिशत बढ़कर 4,488 करोड़ रुपये रहा। इस प्रदर्शन के पीछे एआई-आधारित सेवा कारोबार की अहम भूमिका रही है। पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 4,307 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ दर्ज किया था। इस दौरान कंपनी का रेवेन्यू 12.34 प्रतिशत बढ़कर 33,981 करोड़ रुपये हो गई, जो एक साल पहले की समान तिमाही में 30,246 करोड़ रुपये थी। तिमाही आधार पर कंपनी का नेट प्रॉफिट 10.10 प्रतिशत और रेवेन्यू 0.32 प्रतिशत बढ़ गया।

समूचे वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी का शुद्ध लाभ 4.3 प्रतिशत घटकर 16,642 करोड़ रुपये रहा, जो वित्त वर्ष 2024-25 में 17,390 करोड़ रुपये था। हालांकि, इसका वार्षिक राजस्व 11.18 प्रतिशत बढ़कर 1,30,144 करोड़ रुपये हो गया। एचसीएल टेक के सीईओ एवं एमडी सी विजयकुमार ने कहा कि कुछ कारोबार क्षेत्रों में सुस्ती, विवेकाधीन खर्च में कमी और निर्णय लेने में देरी के कारण तिमाही प्रदर्शन उम्मीद से कम रहा। कुछ कारोबार क्षेत्रों में सुस्ती, विवेकाधीन खर्च में कमी और निर्णय लेने में देरी के कारण तिमाही प्रदर्शन उम्मीद से कम रहा। हालांकि हमारी एआई-आधारित सेवाओं को अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है और वार्षिक आधार पर उन्नत एआई राजस्व 62 करोड़ डॉलर से अधिक हो गया है।

शार्क टैंक में जीता दिल और 1 करोड़ का फंड

बुजुर्गों के लिए भी पेश किया सॉल्यूशन

नई दिल्ली, एजेंसी। अभिषेक बाहेती मुंबई से हैं। एक दर्दनाक हादसे ने उनका नजरिया बदल दिया। इसमें उनकी मासूम भतीजी और ताऊजी की जान चली गई थी। इसी के बाद उन्होंने अलर्ट करने वाली डिवाइस बनाने का फैसला किया। 'वॉचआउट वियरेबल्स' इसी सोच का नतीजा है। बच्चों और बुजुर्गों की सुरक्षा के लिए खास स्मार्टवॉच बनाता है। अभषिक के आइडिया ने शार्क टैंक के जजों का भी दिल जीत लिया। वह एक करोड़ रुपये की फंडिंग पाने में कामयाब हुए। आइए, यहां अभिषेक बाहेती की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं। अभिषेक बाहेती ने केमिकल इंजीनियर से उद्यमी बनने तक का सफर तय किया है। वह मुंबई में ज्वाइंट फैमिली में पले-बढ़े। अभिषेक की जिंदगी का सबसे बड़ा टर्निंग पॉइंट साल 2010 में आया। घर में लगी आग और

उससे निकले धुंए के कारण उन्होंने अपनी भतीजी और ताऊजी को खो दिया।उस समय वे लोग मदद के लिए बाहर संपर्क नहीं कर पाए थे।

शार्क टैंक में जीता दिल

अभिषेक की इस सोच ने 'शार्क टैंक इंडिया' के सीजन-2 में जजों का भी ध्यान खींचा। उनकी कहानी और प्रोडक्ट से इम्प्रेस होकर अनुपम मित्तल और विनीता सिंह ने उन्हें 1 करोड़ रुपये की डील ऑफर की। शो के बाद उनकी ब्रांड वैल्यू और बिक्री में तीन गुना इजाफा हुआ है। आज देश भर में प्रोडक्ट्स के 3,000 से अधिक यूजर हैं। अभिषेक का अगला टारगेट इन स्मार्टवॉच को और अधिक किफायती बनाना है ताकि हर भारतीय परिवार अपने बच्चों और बुजुर्गों की सुरक्षा सुनिश्चित कर सके।

खास तरह की स्मार्टवॉच बनाई

अभिषेक ने ऐसी स्मार्टवॉच बनाई जो सामान्य ब्लूटूथ घड़ियों से बिल्कुल अलग है। यह एक इंडिपेंडेंट डिवाइस है। इसमें 4जी कॉलिंग, इन-बिल्ट जीपीएस और एक इमरजेंसी एसओएस बटन दिया गया है। इसकी सबसे बड़ी खासियत इसका 'एंटी-रिमूवल सेंसर' है। जैसे ही बच्चा अपनी कलाई से घड़ी हटाता है, माता-पिता के पास तुरंत नोटिफिकेशन पहुंच जाता है। पैरेंट्स वीडियो कॉल के जरिए बच्चों से जुड़ सकते हैं। उनके आसपास की आवाजें भी सुन सकते हैं। इससे सुरक्षा का स्तर और बढ़ जाता है। बच्चों के साथ अभिषेक ने बुजुर्गों के लिए भी खास घड़ियां तैयार की हैं। ये घड़ियां सिर्फ समय बताने का काम नहीं करती हैं। इसके बजाय शरीर का तापमान, ब्लड प्रेशर और ऑक्सीजन लेवल जैसे महत्वपूर्ण हेल्थ डेटा पर नजर रखती हैं। इसमें 'एंटी-फॉल अलार्म' सेंसर लगा है। यह बुजुर्गों के गिरने या फिसलने पर तुरंत देखभाल करने वालों को सूचित कर देता है। यह घड़ी बुजुर्गों की स्थिति को समझने में एक पुल का काम करती है।

टोविनो थॉमस ने जूनियर एनटीआर की 'ड्रैगन' का हिस्सा होने पर दी प्रतिक्रिया

निर्देशक प्रशांत नील की जूनियर एनटीआर स्टारर फिल्म, जिसे अभी 'ड्रैगन' के नाम से जाना जा रहा है, अपनी घोषणा के बाद से ही चर्चाओं में है। इस फिल्म में जूनियर एनटीआर के साथ मलयालम स्टार टोविनो थॉमस के भी होने की चर्चाएं चल रही थीं। लेकिन अब टोविनो थॉमस ने इन चर्चाओं पर विराम लगा दिया है। टोविनो फिल्म का हिस्सा हैं या नहीं इसको लेकर उन्होंने अब स्थिति साफ कर दी है।

मैं एकसाथ कई फिल्में नहीं करता

हैदराबाद में अपनी मलयालम फिल्म 'पल्लीचट्टाम्बी' के प्रमोशन के दौरान टोविनो थॉमस ने स्पष्ट किया कि वो प्रशांत नील और जूनियर एनटीआर की फिल्म का हिस्सा नहीं हैं। उन्होंने बताया कि शेड्यूल में टकराव के कारण उन्होंने 'ड्रैगन' छोड़ दी। एक्टर ने कहा कि डेट्स मिलना बहुत मुश्किल है, इसलिए मैं यह फिल्म नहीं कर रहा हूं। मैं एक साथ कई फिल्में नहीं करता। मलयालम में हम एक ही शेड्यूल में फिल्म पूरी कर लेते हैं। लेकिन तेलुगु में, एक प्रोजेक्ट में लगभग एक साल लग जाता है। मैं तीन महीने दे सकता हूं, पूरा साल नहीं।

25 जून को रिलीज होनी है फिल्म

एनटीआर-नील के नाम से मशहूर इस तेलुगु फिल्म को फिलहाल 'ड्रैगन' के नाम से पहचाना जा रहा है। यह तेलुगु सिनेमा की बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। इस फिल्म को 25 जून 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होना है। हालांकि, फिल्म के आगे बढ़ने और टलने की भी खबरें सामने आईं, लेकिन अभी तक मेकर्स की ओर से इसकी कोई घोषणा नहीं की गई है। फिल्म में जूनियर एनटीआर के अलावा रुक्मिणी वसंत और अनिल कपूर भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे।

'वॉर 2' में नजर आए थे जूनियर एनटीआर

जूनियर एनटीआर आखिरी बार ऋतिक रोशन के साथ 'वॉर 2' में नजर आए थे। इस फिल्म से उन्होंने बॉलीवुड में अपना डेब्यू किया है। यह यशराज के स्पाई यूनिवर्स का हिस्सा है। हालांकि, फिल्म को क्रिटिक्स और दर्शकों से आलोचनाओं का सामना करना पड़ा था।

मुझे किसी पर डिपेंड होने की जरूरत नहीं...

कृतिका कामरा ने करियर की शुरुआत टीवी सीरियल से की थी, वह टीवी की टॉप एक्ट्रेसेस में से एक थीं लेकिन अचानक ही सबकुछ छोड़ दिया। टीवी से फिल्मों और वेब सीरीज की तरफ रुख किया। धीरे-धीरे वह यहां भी अपनी अलग पहचान बना चुकी हैं। हालिया रिलीज सीरीज 'मटका किंग' में वह विजय वर्मा के अपोजिट नजर आईं। साथ ही टीवी प्रेजेंटर गौरव कपूर से की गई उनकी सादगी भरी शादी भी खूब चर्चा में रही। कृतिका कामरा ने अपने शुरुआती करियर, पर्सनल लाइफ को लेकर लंबी बातचीत की है।

खुश हूं कि कम उम्र में शादी नहीं की

कृतिका कामरा ने 37 साल की उम्र में गौरव कपूर से शादी की है। इतनी देर से शादी करने पर वह कहती हैं, 'मैं बहुत खुश हूं कि कम उम्र में शादी नहीं की। कम उम्र में हमारी सोच अलग होती है। खासकर छोटे शहरों में लड़कियों की जल्दी शादी हो जाती है। मेरी कई दोस्तों की काफी पहले शादी हो चुकी है, उनके बच्चे भी हैं। ऐसे माहौल में करियर को उतनी अहमियत नहीं दी जाती। लेकिन मैं खुद को खुशनसीब मानती हूं कि मेरे पैरेंट्स ने मुझ पर कभी किसी तरह का दबाव नहीं डाला। उन्होंने कभी यह नहीं पूछा कि शादी कब करोगी? उन्होंने हमेशा मुझे और मेरे भाई को बराबरी से पाला है।'

वक्त के साथ प्यार को लेकर नजरिया बदल गया

कृतिका कामरा बताती हैं कि टीनएज में उनकी सोच भी रोमांटिक किस्म की थी। लेकिन वक्त के साथ नजरिया बदल गया। वह कहती हैं, 'टीनएज में हम जो देखते-सुनते हैं, उसी से हमारी सोच बनती है। फिल्में, गाने और आसपास का माहौल एक तरह का रोमांटिक नजरिया बना देते हैं। मैं खुद भी काफी रोमांटिक हूं। एक्टर होने के नाते ये चीजें और गहराई से महसूस करती हूं। लेकिन समय के साथ यह सोच बदलती है। आप अपनी जिंदगी के अनुभवों से सीखते हैं। अपने और दूसरों के रिश्तों को बनते-बिगड़ते देखते हैं और धीरे-धीरे चीजों को अलग नजरिए से समझने लगते हैं।'

मैं और गौरव दोनों सेल्फ-मेड हैं

अपने लाइफपार्टनर गौरव कपूर के बारे में कृतिका कहती हैं, 'अब मैं अपने आप को ज्यादा फ्री महसूस करती हूं। मैं लोगों की उम्मीदों पर खरी उतरने के लिए फैसले नहीं लेती हूं। मैं अपनी कंपनी एंज्वॉय करती हूं। मैं इमोशनली और फाइनेंशियली इंडिपेंडेंट हूं। मुझे किसी पर डिपेंड होने की जरूरत नहीं है। गौरव भी मेरी तरह के इंसान हैं, वो भी सेल्फ मेड हैं। उन्होंने बहुत कम उम्र में काम करना शुरू किया और अपनी लाइफ खुद बनाई। वो मेरी जर्नी को समझते हैं। हम दोनों अपने अपने तरीके से इंडिपेंडेंट लोग हैं और अब एक हो गए हैं। अभी शादी को एक महीना ही हुआ है लेकिन ऐसा नहीं लगा कि बहुत कुछ बदल गया है। मैं जो जिम्मेदारियां पहले निभा रही थीं, वहीं हम दोनों मिलकर निभा रहे हैं।'

पीक पर छोड़ा था टीवी का करियर

टीवी सीरियल की दुनिया में कृतिका कामरा ने बहुत जल्द पॉपुलैरिटी हासिल कर ली थी, उनका करियर पीक पर पहुंच गया था। फिर अचानक टीवी छोड़कर फिल्मों में आईं। इस पर कृतिका कहती हैं, 'मेरी जिंदगी का दूसरा रिस्क तब था जब मैंने टीवी छोड़ा। उस वक्त मैं बहुत अच्छी पोजिशन में थी। मैं टेलीविजन में हिट हो चुकी थी। अच्छा पैसा मिल रहा था और अपने तरीके से काम करने की एक जगह बन गई थी। लेकिन उसी पीक पर मैंने वह सब छोड़ दिया। उस वक्त बहुत लोगों ने कहा कि यह बहुत बड़ा रिस्क है। इतना सिक्योर काम और पैसे छोड़ना ठीक नहीं है। लोग कहते थे कि टेलीविजन से बाहर निकलकर आगे बढ़ना आसान नहीं होता। कई लोग वहीं तक सीमित रह जाते हैं। अब उस बात को भी 10 साल से ज्यादा हो चुके हैं। मुझे लगता है कि ऐसा नहीं हुआ। मैंने कई प्रोजेक्ट्स किए, मुझे उन सभी के लिए प्यार मिला और मेरी एक फिल्मोग्राफी बनी है, जिसमें वैरायटी है। मुझे लगता है कि अभी भी बहुत कुछ करना बाकी है और चीजें एक पॉजिटिव डायरेक्शन में जा रही हैं।'

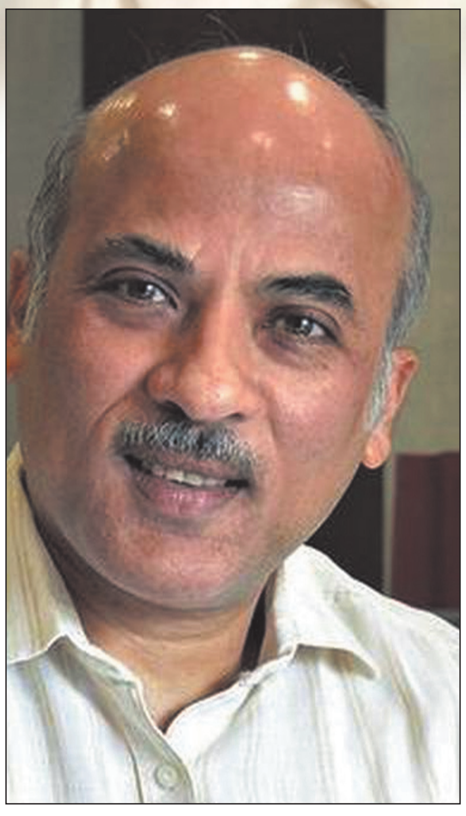

पहली बार आयुष्मान खुराना संग काम करेंगे सूरज बड़जात्या

'हम साथ साथ हैं', 'हम आपके हैं कौन' और 'विवाह' जैसी हिट फिल्मों के डायरेक्टर सूरज बड़जात्या ने अपनी अगली फिल्म की रिलीज डेट की घोषणा कर दी है। सूरज बड़जात्या ने आखिरी फिल्म 'ऊंचाई' डायरेक्ट की थी। अब इन दिनों वे अपनी अगली फिल्म बनाने में व्यस्त हैं। फिल्म की रिलीज डेट की अनाउंसमेंट भी डायरेक्टर ने कर दी है। उन्होंने सोशल मीडिया पर ये अपडेट शेयर किया, और फिल्म से जुड़ी बाकी जानकारी भी दी। सूरज बड़जात्या की अगली फिल्म का नाम आधिकारिक तौर पर 'ये प्रेम मोल लिया' रखा गया है। फिल्म के प्रोडक्शन हाउस राजश्री फिल्म्स ने सोशल मीडिया पर इसकी घोषणा की और इसे एक फैमिली एंटरटेनर बताया है। इस फिल्म में आयुष्मान खुराना और शरवरी लीड रोल में नजर आएंगे। अब तक इस प्रोजेक्ट की ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई थी, लेकिन मंगलवार सुबह मेकर्स ने फिल्म का टाइटल और रिलीज डेट दोनों अनाउंस कर दिए। फिल्म का म्यूजिक हिमेश रेशमिया तैयार कर रहे हैं। राजश्री फिल्म्स इस फिल्म को महावीर जैन फिल्म्स के साथ मिलकर प्रोड्यूस कर रहे हैं। आने वाले हफ्तों में फिल्म से जुड़ी और जानकारी सामने आने की उम्मीद है।

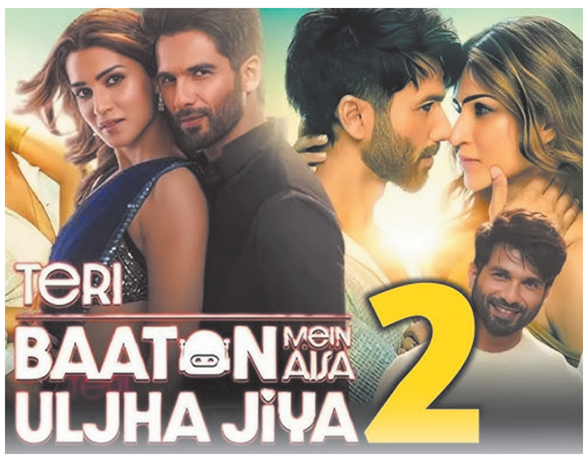

मैन वर्सेस मशीन पर आधारित होगी 'तेरी बातों में ऐसा...2' स्क्रिप्ट जल्द होगी लॉक

साल 2024 में आई 'तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया' ने भारतीय सिनेमा में 'इंसान और मशीन' के रिश्ते पर एक एक्सपेरिमेंट पेश किया था। करीब 133.64 करोड़ के ग्लोबल कलेक्शन के साथ फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर मजबूत पकड़ बनाई। अब खबरें हैं कि इसका सीक्वल यानी 'तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया 2' जल्द ही अपने अगले फेज में एंटर करने वाला है।

मैडॉक फिल्म्स ने इस फ्रेंचाइज को आगे बढ़ाने के लिए राइटिंग टीम को एक्टिव कर दिया है। स्क्रिप्ट पर तेजी से काम चल रहा है और मेकर्स अगस्त 2026 तक इसे फाइनल करने का प्लान बना रहे हैं। फिल्म 2027 की पहली छमाही में फ्लोर पर जा सकती है।

फिल्म के दौरान क्रिएटिव चर्चा भी खूब करते थे शाहिद

शूटिंग के दौरान शाहिद सिर्फ एक एक्टर नहीं, बल्कि क्रिएटिव चर्चा का अहम हिस्सा भी थे। वे रोबोटिक्स की विश्वसनीयता पर लगातार सुझाव देते रहे। वहीं कृति के लिए 'सिफ्रा' का किरदार चुनौतीपूर्ण रहा, जहां उन्हें मशीन और इंसान के बीच संतुलन बनाना था। सीक्वल में उनके किरदार का फोकस 'मशीन इमोशंस' के डेवलपमेंट पर रहेगा।

2027 तीनों स्टार्स के लिए बड़ा, आएंगे कई प्रोजेक्ट

बता दें कि साल 2027 शाहिद, कृति और जाह्नवी के करियर के लिहाज से भी अहम रहने वाला है। जहां शाहिद एक्शन और थ्रिलर जॉनर में अपनी पकड़ मजबूत करने की तैयारी में हैं, वहीं कृति अपने प्रोडक्शन हाउस 'ब्लू बटरफ्लाई फिल्म्स' के तहत नए प्रोजेक्ट्स पर काम कर रही हैं। दूसरी ओर, जाह्नवी पैन-इंडिया और साउथ प्रोजेक्ट्स के जरिए अपने करियर को नए स्तर पर ले जाने की रणनीति पर काम कर रही हैं। दिनेश विजन के लिए भी यह सीक्वल एक सुरक्षित दांव होगा।

जाह्नवी कपूर की एंट्री से बढ़ेगा फिल्म का स्केल

पहले पार्ट के अंत में जाह्नवी कपूर की एंट्री ने जो सस्पेंस छोड़ा था, वह सीक्वल में बड़ा मोड़ लेने वाला है। इस बार शाहिद कपूर और कृति सेनन के साथ जाह्नवी एक अहम भूमिका में दिखेंगी, जिससे कहानी का स्केल दोनों बढ़ने की उम्मीद है।

सीक्वल में दिखेगा टेक्नोलॉजी और भावनाओं का संघर्ष

ट्रेड एक्सपर्ट्स मानते हैं कि सीक्वल का मुख्य थीम 'मैन वर्सेस मशीन' का क्लैश होगा। AI और ह्यूमनॉइड रोबोट्स के बढ़ते प्रभाव के बीच फिल्म इस फिक्शन को हकीकत से जोड़ने की कोशिश करेगी। कोडिंग के जरिए रोबोट्स में जज्बात डालने की कोशिश और उससे पैदा होने वाली गड़बड़ियां कहानी में नया रोमांच जोड़ेंगी।

नाम के साथ पैसा कमा रहीं ये अभिनेत्रियां! फिल्मों के अलावा इन कारोबार में है दबदबा

बॉलीवुड की कई अभिनेत्रियों ने अपनी जबरदस्त एक्टिंग से फिल्मी दुनिया में नाम कमाया है। कई ऐसी अभिनेत्रियां भी हैं, जिन्होंने बॉलीवुड के अलावा दूसरी इंडस्ट्रियों में काम करके अपनी अदाकारी का लोहा मनवाया है। इनमें से कई अभिनेत्रियां ऐसी हैं, जिन्होंने एक्टिंग के अलावा कारोबार में भी हाथ आजमाया है और कामयाबी हासिल की है।

आलिया भट्ट

आलिया भट्ट ने साल 2012 में फिल्म 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर' से बॉलीवुड में कदम रखा। फिल्मों में बेहतरीन अदाकारी के लिए उन्हें नेशनल फिल्म अवॉर्ड मिला है। उन्होंने बच्चों के कपड़ों के एक ब्रांड की स्थापना की है। आलिया की इस पहल को समझदारी भरा निवेश माना जाता है।

दीपिका पादुकोण

दीपिका पादुकोण सबसे मशहूर अभिनेत्रियों में से एक हैं। उन्होंने 2006 में कन्नड़ फिल्म 'ऐश्वर्या' से एक्टिंग में डेब्यू किया। उन्होंने 2007 में 'ओम शांति ओम' से बॉलीवुड में डेब्यू किया। उन्होंने एक ब्यूटी ब्रांड लॉन्च किया है। इस ब्रांड की भारत ही नहीं दुनियाभर में चर्चा है।

प्रियंका चोपड़ा

प्रियंका चोपड़ा ने तमिल फिल्म 'थमिजान' से एक्टिंग की दुनिया में कदम रखा। इसके बाद उन्होंने बॉलीवुड में अपनी एक्टिंग का जलवा दिखाया। उन्होंने हॉलीवुड तक का सफर तय किया है। वह एक हेयर केयर ब्रांड की मालकिन हैं। उन्होंने हाल ही में न्यूयॉर्क में एक भारतीय रेस्टोरेंट भी खोला है। इससे पता चलता है कि अभिनेत्री एक कामयाब कारोबारी भी हैं।

सोनम कपूर

साल 2007 में फिल्म 'सांवरिया' से बॉलीवुड में कदम रखने वाली अभिनेत्री सोनम कपूर भी एक कारोबारी हैं। उन्होंने अपनी बहन रिया के साथ मिलकर कपड़ों का एक ब्रांड बनाया है। अभिनेत्री को फिल्मों में काम करने के अलावा दूसरी चीजों का भी शौक है।

अनुष्का शर्मा

साल 2008 में अनुष्का शर्मा ने फिल्म 'रब ने बना दी जोड़ी' से फिल्मों में डेब्यू किया। फिल्मों में बेहतरीन अभिनय के लिए फिल्मफेयर पुरस्कार भी जीता है। वह एक सफल कारोबारी भी हैं। वह एक प्रोडक्शन हाउस की सह-स्थापना हैं। इस प्रोडक्शन हाउस के तहत कई मशहूर सीरीज बनी हैं। भारत में वह एक सफल निर्माता के तौर पर उभरी हैं।

अभिषेक शर्मा ने तो गजब ही कर दिया

क्रिस गेल का रिकॉर्ड भी सामने नहीं टिक पाया

हैदराबाद (एजेंसी)। आईपीएल 2026 का 31वां मुकाबला सनराइजर्स हैदराबाद और दिल्ली कैपिटल्स के बीच खेला गया। राजीव गांधी इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में अभिषेक ने तूफानी शतक लगाते हुए क्रिस गेल के बड़े टी20 रिकॉर्ड को तोड़ दिया। अभिषेक ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए महज 68 गेंदों में 198 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए 135 रनों की नाबाद पारी खेली। अपनी इस पारी में बाएं हाथ के बल्लेबाज ने 10 चौके और 10 छक्के लगाए। उनकी पारी ने इस मैच में हैदराबाद को 47 रनों से जीत दिलाई।

अभिषेक शर्मा इस इनिंग के साथ ही टी20 क्रिकेट में सर्वाधिक बार 130 से अधिक रनों की पारी खेलने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। उन्होंने यह कारनामा चौथी बार किया है। अभिषेक ने इस मामले में क्रिस गेल और आरोन फिंच को पीछे छोड़ा है। गेल-फिंच ने टी20 क्रिकेट में 3 बार 130 से अधिक रनों की पारी खेली है।

अभिषेक शर्मा के टी20 में 130 से ज्यादा के स्कोर

- इंग्लैंड के खिलाफ वानखेड़े स्टेडियम में 54 गेंद पर 7 चौके और 13 छक्कों से 135 रन।
- आईपीएल 2025 में पंजाब किंग्स के खिलाफ 55 गेंदों पर 141 रनों की पारी।
- सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में पंजाब के लिए बंगाल के खिलाफ 16 छक्कों की मदद से 52 गेंद पर 148 रन।
- आईपीएल 2026 में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ 10 चौके और 10 छक्कों से 135 रन।

अभिषेक शर्मा के आगे दिल्ली कैपिटल्स के गेंदबाज पूरी तरह से बेबस दिखाई दिए। उन्होंने आईपीएल इतिहास की पांचवीं सबसे बड़ी पारी खेली। अभिषेक ने अपनी आतिशी पारी के दौरान टी20 क्रिकेट में 350 छक्के भी पूरे किए। वह क्रिकेट के सबसे छोटे फॉर्मेट में भारत की तरफ से संयुक्त रूप से सर्वाधिक शतक लगाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। अभिषेक ने टी20 क्रिकेट में यह 9वां शतक लगाया है।

अभिषेक शर्मा की बैटिंग के मुरीद हुए दिग्गज, शतकीय पारी पर युवी से वॉर्नर तक ने ठोका सलाम

अभिषेक शर्मा ने आईपीएल 2026 में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ शतक ठोका। विस्फोटक शतकीय पारी के बाद हर तरफ अभिषेक की तारीफ हो ही है। अभिषेक इस साल फॉर्म से भी जूझ रहे थे। टी20 विश्व कप के दौरान लगातार तीन पारियों में डक हुए। इस आईपीएल में भी दो बार जीरो पर आउट हो चुके हैं। लेकिन मंगलवार की रात दिल्ली कैपिटल्स के गेंदबाजों के खिलाफ मनमुताबिक शॉट खेले। अभिषेक शर्मा के मेंटर युवराज सिंह ने इस पारी के बाद उन्हें शाबासी दी। युवी ने एक्स पर लिखा- बल्ले को अपना काम करने दो। हर दिन बेहतर होते जा रहे हो। बहुत बढ़िया खेले, अभिषेक सर। इसी प्रोसेस को जारी रखो। अभिषेक को कमाल का प्लेयर बताते हुए पूर्व दिग्गज भारतीय स्पिनर हरभजन सिंह ने लिखा- अभिषेक शर्मा, क्या बात है! बहुत बढ़िया खेले शेरा अभिषेक शर्मा। 10 छक्के, 10 चौके। सिर्फ बाउंड्रीज से ही 100 रन। कमाल का खिलाड़ी। सनराइजर्स हैदराबाद के पूर्व कप्तान और दिग्गज बल्लेबाज डेविड वॉर्नर ने अपनी इंस्टाग्राम स्टेडियम पर अभिषेक शर्मा की तारीफ की।

अभिषेक की कैमरामैन से अपील- पापा को दिखाइए

अभिषेक पारी के बाद वह भावुक नजर आए और सफलता का श्रेय पिता को दिया। मैच के बाद उन्होंने ब्रॉडकास्टर्स से रिक्वेस्ट की और कहा ‘अगली बार मैं चाहता हूं कि ब्रॉडकास्टर्स एक कैमरा मेरे पिता की तरफ भी रखें। उनके रिएक्शंस देखना वाकई मजेदार होगा। यह कमाल की बात है कि मैं जब भी उनकी तरफ देखता हूं, वह मुझे देख रहे होते हैं और मुझे इंस्ट्रक्शंस दे रहे होते हैं। इससे मुझे काफी मदद मिलती है। माता-पिता और दोस्तों के सामने परफॉर्म करना हमेशा स्पेशल होता है। अभिषेक ने बताया कि उनके पिता उनके क्रिकेटिंग सफर के शुरुआती दिनों से साथ रहे हैं।

सचिन तेंदुलकर दंतेवाड़ा में आदिवासी बच्चों से मिले

ऑटोग्राफ दिया, पत्नी अंजलि, बेटी सारा और बहू सानिया ने बच्चों संग बिताया समय

जगदलपुर/दंतेवाड़ा (एजेंसी)। सचिन तेंदुलकर बुधवार को छत्तीसगढ़ दौरे पर थे। वे प्राइवेट जेट से अपने परिवार के साथ जगदलपुर एयरपोर्ट पर उतरे। यहां से वे सीधे दंतेवाड़ा के छिंदनार पहुंचे। जहां आदिवासी बच्चों और खेल में रुचि रखने वाले बच्चों से मुलाकात की। सचिन तेंदुलकर ने जगदलपुर एयरपोर्ट पर मीडिया से कहा कि दंतेवाड़ा में 50 से ज्यादा खेल मैदान का 5 हजार बच्चों को फायदा मिलेगा। वहीं, कार्यक्रम के लिए स्कूली बच्चे सुबह 9 बजे से पहुंच गए थे। यहां भीषण गर्मी में बच्चों को अलग-अलग गांव से कार्यक्रम स्थल तक लाया गया। टीचर ने बताया कि एक बस में 100 से ज्यादा बच्चों को बैठाकर लाया गया। जबकि बस 50 सीटर है। जगदलपुर में सचिन ने बच्चों को बल्ले पर ऑटोग्राफ दिया। सचिन को सिहाड़ी बीज की माला पहनाई गई। बेटी सारा और बहू सानिया भी साथ दिखे।

अच्छे इंसान बनो ताकि लोग आपको याद रखें

कार्यक्रम में सचिन तेंदुलकर ने कहा कि हमें पता चला कि बस्तर में बच्चों के लिए ग्राउंड ही नहीं है। मेरी जिंदगी की शुरुआत मैदान से हुई थी। मैं बच्चों को देखता हूं जैसे मेरी जर्नी स्टार्ट हुई, हम मैदान में जाते हैं अच्छे कोच की जरूरत होती है। हमने सोचा था कि हम अपने कोच को यहां भेजेंगे ताकि वे 100 टीचर्स को ट्रेनिंग दें। यहां डायमंड बहुत हैं, बस सही तरीके से पॉलिश करना जरूरी है। यही उम्र है खेलने कूदने की। यही उम्र है दोस्त बनाने की। मैं समझता हूं जो एक सही दोस्त होता है वो आईना दिखता है, परछाई कभी साथ नहीं छोड़ती, इसलिए ऐसे दोस्त रखो जो ऐसे ही बनकर रहे। मेरे पिता ने एडवाइस दी कि क्रिकेट कितने साल चलेगा, मैंने कहा 10 से 15 साल, मेरे पिता ने कहा था उसके बाद क्या? आप अच्छे इंसान बनो ताकि लोग आपको याद रखें।

बच्चों के साथ समय, ग्रामीण जीवन को समझने की कोशिश

परिवार ने बच्चों को खिलौने दिए और उनके साथ समय बिताया। ग्रामीणों से बातचीत के दौरान जीवनशैली, जरूरतों और समस्याओं को समझने पर खास फोकस रहा। इससे यह दौरा सिर्फ औपचारिक न रहकर जमीनी जुड़ाव का प्रयास नजर आया।

ग्रामीणों की जीवन शैली और स्वास्थ्य संबंधी जानकारी भी जुटाई

इस दौरान ग्रामीण महिलाओं ने पुष्पगुच्छ भेंटकर उनका स्वागत किया। ग्रामीणों ने उनके साथ तस्वीरें भी खिंचवाई। तेंदुलकर परिवार ने वनांचल में ग्रामीणों की जीवन शैली और स्वास्थ्य संबंधी आवश्यक जानकारी भी जुटाई। इस दौरान सारा तेंदुलकर ने एक आदिवासी बच्चे को गोद में लेकर प्यार और दुलार करती हुई भी नज़र आई।

जन स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण कर डॉक्टरों से चर्चा की

बुधवार सुबह नाश्ते के बाद तीनों गनियारी प्राइमरी हेल्थ सेंटर पहुंचीं। यहां स्वास्थ्य सेवाओं का जायजा लिया गया और फुलवारी केंद्र का निरीक्षण किया गया। डॉक्टरों के साथ बैठक कर व्यवस्थाओं पर चर्चा की गई। ग्रामीणों ने बताया कि, गनियारी जन स्वास्थ्य समिति वनांचल के विभिन्न गांवों में निःशुल्क स्वास्थ्य और शिक्षा कार्यक्रम संचालित करती है। तेंदुलकर परिवार ने समिति की तरफ से संचालित फुलवारी केंद्र का अवलोकन किया। उन्होंने ग्राम बम्हनी में जनस्वास्थ्य उपकेंद्र और बालवाड़ी में वनक्षेत्र के गरीब बच्चों के रहन-सहन और उपस्वास्थ्य केंद्र के संचालन को करीब से देखा। फुलवारी केंद्र में बैगा बच्चों के पोषण और शिक्षा की स्थिति के बारे में जानकारी ली। समिति की चिकित्सकीय टीम ने उन्हें स्वास्थ्य कार्यक्रमों के बारे में बताया।

सैफ महिला चैंपियनशिप 2026

भारत ग्रुप बी में, बांग्लादेश और मालदीव से होगी टक्कर

नई दिल्ली (एजेंसी)। सैफ महिला चैंपियनशिप 2026 के लिए ढाका में हुए ड्रॉ के बाद भारतीय महिला फुटबॉल टीम को ग्रुप बी में रखा गया है, जहां उसका सामना बांग्लादेश और मालदीव से होगा। यह टूर्नामेंट 25 मई से 6 जून 2026 तक गोवा के मडगांव में आयोजित किया जाएगा।

ग्रुप और फॉर्मेट पर एक नजर

टूर्नामेंट में कुल दो ग्रुप बनाए गए हैं। ग्रुप ए में नेपाल, श्रीलंका और भूटान को शामिल किया गया है, जबकि ग्रुप बी में मेजबान भारत के साथ बांग्लादेश और मालदीव हैं। हर ग्रुप से शीर्ष दो टीमें सेमीफाइनल में जगह बनाएंगी, जिससे मुकाबला और भी रोमांचक होने की उम्मीद है।

गोवा में होगा पूरा टूर्नामेंट

सभी मैच गोवा के मडगांव स्थित पंडित जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में खेले जाएंगे। यह दूसरी बार है जब भारत इस टूर्नामेंट की मेजबानी कर रहा है। इससे पहले 2016 में सिलीगुड़ी में आयोजित संस्करण में भारत ने खिताब अपने नाम किया था।

रैंकिंग के आधार पर हुआ ड्रॉ

इस बार ड्रॉ फीफा महिला विश्व रैंकिंग के आधार पर किया गया। भारत (69वें स्थान) और नेपाल (87वें स्थान) को पॉट 1 में रखा गया था। बांग्लादेश और श्रीलंका पॉट 2 में, जबकि भूटान और मालदीव पॉट 3 में शामिल थे।

भारत का दमदार रिकॉर्ड

भारतीय महिला टीम इस टूर्नामेंट की सबसे सफल टीम है, जिसने 2010, 2012, 2014, 2016 और 2019 में खिताब जीते हैं। हालांकि, हाल के वर्षों में बांग्लादेश ने शानदार प्रदर्शन किया है और 2022 व 2024 के संस्करण अपने नाम किए हैं, जिससे इस बार मुकाबला कड़ा रहने वाला है।

आज मुम्बई इंडियंस के खिलाफ

ब्लॉकबस्टर मुकाबले में धोनी की वापसी तय

मुंबई (एजेंसी)। महेंद्र सिंह धोनी और विल जैक्स गुरुवार रात वानखेड़े स्टेडियम में मुंबई इंडियंस और चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के बीच होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के बड़े मुकाबले के लिए वापसी करने को तैयार दिख रहे हैं। कल होने वाले मुकाबले धोनी की मौजूदगी संघर्ष कर रही ष्टस्य्न टीम के लिए एक बड़ा सहारा बन सकती है। 44 साल के इस अनुभवी खिलाड़ी ने मंगलवार को वानखेड़े में अभ्यास किया। उन्होंने करीब आधे घंटे तक विकेटकीपिंग की और फिर 30 मिनट तक बिना किसी परेशानी के बल्लेबाजी का अभ्यास किया।

प्री-सीजन शिविर के दौरान पिंडली में खिंचाव से उबर रहे धोनी में किसी भी तरह की परेशानी के कोई लक्षण नहीं दिखे और वह मैच के लिए पूरी तरह तैयार नजर आए। सीएसके इस समय अंक तालिका में आठवें स्थान पर है, उसने 6 मैचों में से केवल दो मैच जीते हैं, ऐसे में धोनी की वापसी टीम के बल्लेबाजी क्रम को बहुत जरूरी स्थिरता और अनुभव दे सकती है।

वहीं मुम्बई इंडियंस की बात जाए जैक्स के लंबे समय से इंतजार हो रहे आगमन से टीम में नई ऊर्जा का संचार हुआ है। इंग्लैंड के इस ऑलराउंडर ने 2026 टी-20 विश्व कप में शानदार प्रदर्शन किया था और चार बार ‘प्लेयर ऑफ द मैच’ का खिताब जीता था। पहले छह मैच न खेल पाने के बाद वह अब टीम से जुड़ गए हैं। उन्होंने सोमवार शाम को वानखेड़े में ट्रेनिंग की और मंगलवार को रात की रोशनी में होने वाले सेशन के लिए भी लौटे, जहाँ उन्होंने बल्ले और गेंद, दोनों के साथ काफी समय बिताया।

जैक्स के टीम में शामिल होने से मुंबई का संतुलन मजबूत हो गया है; वह मध्यक्रम में ताकत देने के साथ-साथ ऑफ-स्पिन गेंदबाजी का एक उपयोगी विकल्प भी देते हैं। उनकी मौजूदगी टीम मैनेजमेंट को अपने विदेशी खिलाड़ियों के संयोजन में बदलाव करने पर मजबूर कर सकती है, जिसके चलते अल्लाह गजनफर या मिचेल सैंटनर में से किसी एक को टीम से बाहर बैठना पड़ सकता है। निचले क्रम में अपनी जबर्दस्त छोटी पारियों के लिए मशहूर जैक्स, एक भरोसेमंद ‘फिनिशर’ के तौर पर टीम की गहराई को भी बढ़ाते हैं।

वहीं दूसरी ओर, सीएसके को भी एक अच्छी खबर मिली है, ऑस्ट्रेलिया के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज स्पेंसर जॉनसन, नाथन एलिस की जगह टीम में शामिल हो गए हैं। जॉनसन ने मंगलवार को टीम के साथ अभ्यास की और उम्मीद है कि वह ‘प्लेइंग इलेवन’ में जगह बनाएंगे; संभवतः वह चोटिल खलील अहमद की जगह लेंगे।

जूनियर विश्व कप

10 मीटर एयर पिस्टल में नरवाल को स्वर्ण, चिराग को कांस्य

काहिरा (एजेंसी)। भारत के शीर्ष निशानेबाज शिवा नरवाल ने लंबे अंतराल के बाद अंतरराष्ट्रीय मंच पर शानदार वापसी करते हुए ढ्ढस्स्न्न जूनियर विश्व कप (राइफल, पिस्टल, शॉटगन) की पुरुष 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में स्वर्ण पदक हासिल किया। चिराग शर्मा ने इसी स्पर्धा में कांस्य पदक अपने नाम किया। प्रतियोगिता के पहले दिन महिला 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में पनाह भुगरा ने रजत पदक जीतकर देश के पदकों की संख्या तीन कर दी। नरवाल ने पुरुष 10 मीटर एयर पिस्टल फाइनल में 241.8 अंक के साथ स्वर्ण पदक अपने नाम किया। उन्होंने रजत पदक विजेता उज्बेकिस्तान के सादिकजोन अब्दुल्लाएव को 1.8 अंक से पीछे छोड़ा। चिराग ने 218.9 अंकों के साथ कांस्य पदक जीता, जबकि एक अन्य भारतीय निशानेबाज अभिनव देशवाल 136.7 अंक के साथ सातवें स्थान पर रहे। पनाह भुगरा ने महिला 10 मीटर एयर राइफल में

क्वालीफिकेशन में 629.4 अंक हासिल कर फाइनल में जगह बनाई थी। उन्होंने लगातार स्थिर प्रदर्शन करते हुए 250.6 अंकों के साथ रजत पदक जीता। इस स्पर्धा में फ्रांस की एंसेलीन ब्रैकमैन ने 252.0 अंकों के साथ स्वर्ण पदक जीता, जबकि उनकी हमवतन हेलेना एकाले 228.6 अंकों के साथ कांस्य पदक जीतने में सफल रहीं।

14 साल के यागिज़ काआन ने रचा इतिहास

चोरलू तुर्की (एजेंसी)। तुर्की के 14 वर्षीय शतरंज खिलाड़ी यागिज़ काआन एरदोगमुस ने विश्व शतरंज में इतिहास रचते हुए 2700 एलो रेटिंग का आंकड़ा पार कर लिया है। उन्होंने पूर्व विश्व चैंपियन वेसलिन टोपालोव को छह मैचों की श्रृंखला में 5-1 से हराकर लाइव रेटिंग 2709.4 तक पहुंचा दी। इस उपलब्धि के साथ वह 2700 क्लब में शामिल होने वाले अब तक के सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बन गए हैं। एरदोगमुस ने यह उपलब्धि 14 वर्ष, 10 महीने और 27 दिन की उम्र में हासिल की, जिससे उन्होंने चीन के वेई यी का रिकॉर्ड तोड़ दिया, जिन्होंने 15 वर्ष, 8 महीने और 27 दिन में यह मुकाम पाया था। इससे पहले अलीरेज़ा फिरोज़ा, डी गुकेश और मैग्नस कार्लसन जैसे दिग्गज खिलाड़ी भी 16 वर्ष की उम्र के आसपास ही 2700 तक पहुंचे थे।

दिलचस्प बात यह है कि एरदोगमुस ने 16 अप्रैल 2026 को ही लाइव रेटिंग में 2700 का आंकड़ा पार कर लिया था, जब वह सिर्फ 14 वर्ष, 10 महीने और 13 दिन के थे। अब सवाल यह है कि क्या वह दुनिया के टॉप-10 खिलाड़ियों में जगह बनाने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी भी बन सकते हैं? फिलहाल यह रिकॉर्ड गाटा काम्स्की के नाम है, जिन्होंने 16 वर्ष और 29 दिन की उम्र में विश्व रैंकिंग में आठवां स्थान हासिल किया था। एरदोगमुस के पास इस रिकॉर्ड को तोड़ने के लिए जुलाई 2027 तक का समय है। वर्तमान में वह लाइव रैंकिंग में लगभग 29वें स्थान पर हैं और टॉप-10 में पहुंचने के लिए उन्हें करीब 2755-2760 रेटिंग तक जाना होगा। यानी उन्हें लगभग 45-50 रेटिंग अंकों की और जरूरत है, जो 2700 स्तर पर हासिल करना बेहद कठिन माना जाता है। हालांकि जिस गति से एरदोगमुस आगे बढ़ रहे हैं, उसे देखते हुए विशेषज्ञ मानते हैं कि वह यह करिश्मा भी कर सकते हैं। विश्व शतरंज में उभरती यह नई प्रतिभा आने वाले समय में खिताबों की दौड़ को और रोमांचक बना सकती है।

आईजीपीएल इनविटेशनल कांगो

शौर्य बिनु का जलवा, 9-अंडर खेलकर लीड पर कब्जा

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारतीय युवा गोल्फर शौर्य बिनु ने अफ्रीकन स्विंग में शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए एएम ग्रीन आईजीपीएल इनविटेशनल कांगो में बढ़त हासिल कर ली है। पहले राउंड में 1-अंडर 72 खेलने के बाद बिनू ने दूसरे राउंड में शानदार 9-अंडर 64 का स्कोर किया और कुल 10-अंडर के साथ लीडरबोर्ड में शीर्ष पर पहुंच गए।

शानदार फॉर्म में हैं बिनू

21 वर्षीय बिनू हाल के हफ्तों में बेहतरीन फॉर्म में हैं। उन्होंने मॉरीशस में सातवां और जोहान्सबर्ग में चौथा स्थान हासिल किया था। पढ़ाई और गोल्फ के बीच संतुलन बनाते हुए उनका यह प्रदर्शन काफी प्रभावशाली माना जा रहा है।

संक्षिप्त समाचार

तीन दिन का येलो अलर्ट, लू के बीच 44 डिग्री तक तापमान पहुंचने की संभावना

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय राजधानी में मंगलवार को मौसम का मिजाज मौसम विभाग के पूर्वानुमान से विपरीत रहा। शायद इसीलिए बाद में येलो अलर्ट भी वापस ले लिया गया। तेज धूप में गर्मी तो रही, लेकिन लू कहीं नहीं चली। तापमान भी केवल एक रिज क्षेत्र को छोड़कर 40 डिग्री से नीचे ही रहा। अब मौसम विभाग ने बुधवार से शुक्रवार तक तीन दिन के लिए येलो अलर्ट जारी किया है। इस दौरान अधिकतम तापमान 41 से 44 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है। तीनों दिन आसमान साफ रहेगा और तेज धूप निकली रहेगी। कहीं कहीं लू भी

चलेगी। इससे गर्मी और अधिक तीव्र होगी। सप्ताहांत में भी गर्मी कम होने के संकेत नहीं हैं, हालांकि आंशिक बादल छाने की संभावना है। मंगलवार को दिल्ली का अधिकतम तापमान सामान्य से 1.1 डिग्री अधिक 38.8 डिग्री दर्ज किया गया। न्यूनतम तापमान सामान्य से 2.2 डिग्री कम 20.5 डिग्री दर्ज हुआ। हवा में नमी का स्तर 63 से 22 प्रतिशत रहा। रिज क्षेत्र दिल्ली का सबसे गर्म इलाका रहा, जहां का अधिकतम तापमान 40.2 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। उधर केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के मुताबिक मंगलवार को दिल्ली का एक्यूआइ 177 दर्ज किया गया। इसे ''मध्यम'' श्रेणी में रखा जाता है। इससे पहले यह तीन अप्रैल को 266 रहा था। अगले कुछ दिनों के दौरान इसमें बदलाव की अधिक संभावना नहीं लग रही।

दिल्ली पुलिस के हेड कांस्टेबल को देख बदमाश ने की फायरिंग

पूर्वी दिल्ली, एजेंसी। कल्याणपुरी थानाक्षेत्र में पुलिसकर्मी की सतर्कता और बहादुरी से एक

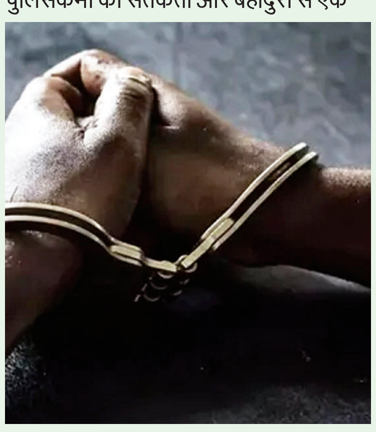

हथियारबंद बदमाश को गिरफ्तार किया गया है। आरोपित ने पुलिसकर्मी को देखकर हवा में फायरिंग कर भागने की कोशिश की, लेकिन हेड कांस्टेबल ने अकेले ही पीछा कर उसे दबोच लिया। उसके पास से अवैध देसी पिस्टल, एक कारतूस और एक स्कूटी बरामद की है। बदमाश की पहचान आसिफ के रूप में हुई है। जिला पुलिस उपायुक्त राजीव कुमार रावल ने बताया कि 20 अप्रैल की रात 2:25 बजे हेड कांस्टेबल विक्रांत अपने निजी वाहन से मयूर विहार की ओर जा रहे थे। इसी दौरान त्रिलोकपुरी -25 ब्लाक स्थित कम्युनिटी बिल्डिंग के पास उन्होंने एक युवक को संदिग्ध हालत में हथियार के साथ देखा। हेड कांस्टेबल ने तुरंत वाहन रोककर युवक को रुकने को कहा। खुद को घिरता देख बदमाश ने हवा में एक राउंड फायर किया और लाल रंग की स्कूटी पर सवार होकर भागने लगा। पुलिसकर्मी ने अकेले ही पीछा कर दबोच लिया। तलाशी लेने पर उसके पास से एक अवैध देसी पिस्टल बरामद की। बदमाश के खिलाफ पहले से कई आपराधिक केस दर्ज हैं।

किसी ने लगाए लाखों पौधे, कोई कर रहा जागरूक

हरियाली और संरक्षण से दिल्ली की तस्वीर संवारते 'ग्रीन प्रहरी'

दक्षिणी दिल्ली, एजेंसी। बढ़ती आबादी और सीमित संसाधनों के बीच राजधानी में कई 'ग्रीन प्रहरी' पर्यावरण संरक्षण की मिसाल पेश कर रहे हैं। कोई धरती को हरा-भरा बनाने में जुटा है, कोई लोगों पर्यावरण से जोड़ रहा है, तो कोई नदियों के संरक्षण के लिए प्रयासरत हैं। शहरीकरण और बढ़ते प्रदूषण के बीच दिल्ली समेत एनसीआर में व्यक्तिगत प्रयासों से लेकर संगठित मुहिम तक तक चल रही यह कोशिशें एक स्वच्छ, हरित और संतुलित पर्यावरण की दिशा में उम्मीद जगा रही हैं। 'मियावाकी सघन वनीकरण' जैसी तकनीक से संजय गांधी ट्रांसपोर्ट नगर में प्रोजेक्ट के तहत रोपे गए हैं 80,000 पौधे। जागरण इस बार 'विश्व पृथ्वी दिवस' 'हमारी शक्ति, हमारा ग्रह' थीम के साथ मनाया जा रहा है, जो इन प्रयासों को और मजबूती देने का संदेश देता है। दिल्ली में हरियाली का ग्राफ बढ़ाने के लिए द्वारका निवासी संदीप पर्यावरण संरक्षण की अनूठी

मुहिम 'पौधा पहचानो-घर ले जाओ'''' चला रहे हैं। इसके जरिए वे हर महीने निश्शुल्क पौधे बांटते हैं। वर्ष 2024 में ये पहल शुरू की थी। इसके तहत अभी तक करीब डेढ लाख पौधे बांट चुके हैं। मुहिम में उनकी बेटी तारुषी और बेटा अग्रिम भी सहयोग देते हैं। दिल्ली समेत एनसीआर के अलावा वे वाराणसी, मेरठ, मोदीनगर, आगरा में भी अभियान चला चुके हैं। अभियान में मनी प्लांट, बोगनवेलिया, चंपा, हिबिस्कस, तुलसी, करी पत्ता, स्नेक प्लांट, शमी, हारसिंगार, एलोवेरा, अश्वगंधा जैसे औषधीय पौधे बांटते हैं, जिसपर तकरीबन 30 हजार रुपये मासिक खर्च करते हैं। दिल्ली के राहुल 13 सालों से पर्यावरण जागरूकता को कार्यरत हैं। सिंगल यूज प्लास्टिक के खिलाफ अभियान छेड़कर हजारों कपड़े के थैले बांट चुके है और यमुना बचाओ को लेकर पैदल यात्रा भी की है।

पौधरोपण से बदलाव की 'ग्रीन यात्रा'

गणपति उत्सव के दौरान पीओपी (प्लास्टर आफ पेरिस) और प्लास्टिक की मूर्तियों से होने वाले पर्यावरणीय नुकसान को देखते हुए वर्ष 2008 में प्रदीप त्रिपाठी और दुर्गेश गुप्ता ने 'गो ग्रीन गणेशा' अभियान की शुरुआत की। इस पहल के माध्यम से उन्होंने सोसाइटियों, स्कूलों, कालेजों और हाउसिंग सोसाइटियों में लोगों को इको-फ्रेंडली विकल्प अपनाने के लिए जागरूक किया। ग्रीन यात्रा आज देशभर में पर्यावरण संरक्षण की एक सशक्त आवाज बन चुकी है।

ग्लोबल सिम्पोजियम में बोले डॉ. जितेंद्र सिंह, रीसाइक्लिंग अब केवल बड़े औद्योगिक घरानों तक सीमित नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय मंत्री डा जितेंद्र सिंह ने कहा है कि ''रीसाइक्लिंग'' (पुनर्चक्रण) अब केवल बड़े औद्योगिक घरानों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह स्टार्टअप्स और छोटे उद्योगों के लिए भी आर्थिक इंजन के रूप में उभर रहा है। ''आरईसीईआइसी ग्लोबल सिम्पोजियम'' को संबोधित करते हुए उन्होंने जोर देकर कहा कि सर्कुलर इकोनामी पूरी वैल्यू चेन में बदलाव के अभूतपूर्व अवसर लेकर आई है। डा सिंह ने कचरे को बोझ के बजाय एक मूल्यवान संसाधन के रूप में देखने का आह्वान किया। उन्होंने सरकारी आंकड़ों का हवाला देते हुए बताया कि अक्टूबर 2021 से शुरू हुए विशेष स्वच्छता अभियान के तहत ई-वेस्ट और कबाड़ के व्यवस्थित निपटान से सरकार ने पिछले पांच वर्षों में 4,000 करोड़ रुपये से अधिक का राजस्व प्राप्त किया है। उन्होंने सड़क निर्माण में प्लास्टिक व स्टील स्लैग के उपयोग और प्रयुक्त कुकिंग आयल से बायोफ्यूल बनाने जैसे उदाहरण देते हुए बताया कि कैसे वेस्ट की

एक धारा कई आर्थिक अवसर उत्पन्न कर सकती है। इस अवसर पर पर्यावरण मंत्रालय के संयुक्त सचिव नीलेश साह ने बताया कि भारत का ''एक्सटेंडेड प्रोड्यूसर रिस्पान्सिबिलिटी'' (ईपीआर) ढांचा काफी प्रभावी साबित हो रहा है। इसमें अब तक 75,000 से अधिक उत्पादक और 5,000 रिसाइकलर पंजीकृत हो चुके हैं। उन्होंने जानकारी दी कि एक अप्रैल, 2026 से प्रभावी हुए संशोधित सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट नियमों ने इस व्यवस्था में डिजिटल निगरानी को और मजबूत किया है। बायोटेक्नोलाजी इंडस्ट्री रिसर्च असिसटेंस काउंसिल के प्रबंध निदेशक डा जितेंद्र कुमार ने रासायनिक प्रक्रियाओं के स्थान पर जैविक प्रणालियों को अपनाने और कार्बन क्रेडिट ट्रेडिंग इकोसिस्टम को विकसित करने की आवश्यकता पर बल दिया। कार्यक्रम के दौरान आरईसीईआरसी और फिक्की द्वारा कपड़ा उद्योग और केमिकल सेक्टर में चक्रीय अर्थव्यवस्था पर दो विशेष ज्ञान पत्र भी जारी किए गए। साथ ही संसाधन दक्षता के क्षेत्र में नवाचार करने वाले व्यक्तियों और संगठनों को पुरस्कृत किया गया।

कंक्रीट के जंगल में 'सांसों' का हिसाब, दिल्ली-एनसीआर में कागजी हरियाली बनाम कड़वा सच

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली समेत एनसीआर की सड़कों से निकलते समय आपको डिवाइडरों पर रंग-बिरंगे फूल और किनारे पर कतारबद्ध पौधे दिखेंगे। सरकारी आंकड़े कहते हैं कि पिछले पांच सालों में करोड़ों पौधे रोपे गए, लेकिन यक्ष प्रश्न यह है कि अगर करोड़ों हाथ धरती को हरा भरा करने के लिए बढ़े तो आज भी शहर की हवा में 'दम घोंटू' धुंध क्यों है? आज पृथ्वी दिवस है और धरती मांकी सेहत के लिए हरियाली ही जरूरी नहीं है, सही हरियाली जरूरी है। पृथ्वी का तापमान निरंतर बढ़ रहा है, ग्लोबल वार्मिंग और प्रदूषण से इसके अस्तित्व पर गहरा संकट है। आमजन के जीवन को खतरा गहरा रहा है, लेकिन पौधारोपण एक सरकारी चलन सा होकर रह गया है। पृथ्वी दिवस से जागरण तीन दिनी सीरीज आरंभ कर रहा है जिसमें एनसीआर में पौधारोपण की हकीकत जांची जाएगी ताकि विकास की चमक-धमक के पीछे छिपे इस पर्यावरणीय धोखे को उजागर कर सकें। हम यह भी बताएंगे कि हरियाली क्या है? कम जगह में ज्यादा आक्सीजन देने वाले जंगलों की जरूरत क्यों है? उन करोड़ों रुपयों का क्या हुआ जो 'ग्रीन बेल्ट' के नाम पर खर्च हुए, लेकिन जमीन पर सिर्फ धूल व सूखी लकड़ियां बची हैं। शहर के 'फेफड़े' यानी वे सघन वन, जो कार्बन सोखते हैं और आक्सीजन देते हैं। लेकिन हकीकत में हरियाली बढ़ाने के नाम पर अधिकतर जगहों पर सिर्फ 'दिखावटी बागवानी' की गई है। सघन वनों की जगह विदेशी घास और ऐसी झाड़ियां लगा दी गईं जो देखने में तो सुंदर हैं, लेकिन प्रदूषण सोखने की क्षमता शून्य रखती हैं। एक सच यह भी है कि पौधारोपण अब एक 'इवेंट' बन चुका है। गड्ढा खुदा, पौधा लगा, फोटो खिंची और फिर उस पौधे को उसी के हाल पर छोड़ दिया गया। पिछले पांच वर्षों में दिल्ली, नोएडा, गुरुग्राम, फरीदाबाद, गाजियाबाद में लगाए गए पौधों की संख्या करोड़ों में है। एक गणितीय अनुमान के हिसाब से दिल्ली एवं एनसीआर लगभग पांच से सात करोड़ पौधे रोपे गए। लेकिन इनकी उत्तरजीविता दर बहुत ही कम है। ये करोड़ों पौधे वाकई जीवित होते, तो आज एनसीआर घना वन क्षेत्र होता। प्रदूषण का स्तर आधा होता और गर्मियों में तापमान दो से तीन डिग्री कम महसूस होता। हकीकत में, हम आज भी सुकून की सांस को तरस रहे हैं।

डीयू में अभाविप ने निकाला 'छात्र अधिकार मार्च', 12 सूत्रीय मांगों को लेकर किया प्रदर्शन

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) परिसर में भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) ने 12 सूत्रीय मांगों को लेकर 'छात्र अधिकार मार्च' निकाला। स्कूल आफ ओपन लर्निंग से शुरू हुआ यह मार्च आर्ट्स फैकल्टी तक निकाला गया, जहां बड़ी संख्या में छात्रों की मौजूदगी ने इसे विश्वविद्यालय के हालिया सबसे बड़े छात्र प्रदर्शनों में शामिल कर दिया। मार्च के जरिए एबीवीपी ने विश्वविद्यालय प्रशासन पर बुनियादी सुविधाओं और शैक्षणिक मुद्दों को लेकर लापरवाही का आरोप लगाया। एबीवीपी ने 'पोर्टा केबिन' हटाने, कैंपस में अनिवार्य फायर सेफ्टी आडिट कराने और 30 अप्रैल तक परीक्षा फार्म पर लगने वाली लेट फीस माफ करने की मांग प्रमुखता से उठाई। इसके साथ ही पांच वर्षीय बीए एलएलबी (आनर्स) पाठ्यक्रम की फीस घटाने, अंतिम वर्ष के छात्रों के लिए सप्लीमेंट्री परीक्षा आयोजित करने और नए हास्टलों के निर्माण की मांग भी रखी गई।

छात्रों के अधिकारों की लड़ाई

एबीवीपी के दिल्ली प्रांत मंत्री सार्थक शर्मा ने कहा कि यह मार्च छात्रों के अधिकारों की लड़ाई का निर्णायक चरण है। उन्होंने चेतावनी दी कि मांगों पर शीघ्र कार्रवाई नहीं होने पर आंदोलन और तेज किया जाएगा। उन्होंने बताया कि रोजगार से जुड़े मुद्दों को सामने रखते हुए एबीवीपी ने विश्वविद्यालय स्तर पर 'सेंट्रलाइज्ड प्लेसमेंट सेल' की स्थापना की जरूरत बताई। वहीं, थर्ड जेंडर छात्रों के लिए मुफ्त शिक्षा और दिव्यांग छात्रों के लिए सुगम्य बुनियादी ढांचे पर भी जोर दिया गया। एबीवीपी ने 'एक कोर्स-एक फीस' नीति लागू करने और अकादमिक काउंसिल में छात्रों के प्रतिनिधित्व की मांग भी दोहराई।

ईरानी सेना की ताकत अब भी मजबूत', पेंटागन रिपोर्ट में खुलासा; ट्रंप-हेगसेथ के दावों पर उठे सवाल

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी रक्षा विभाग (पेंटागन) की खुफिया शाखा की एक नई रिपोर्ट ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हलचल मचा दी है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि ईरान की सैन्य क्षमता अभी भी मुख्य रूप से मजबूत बनी हुई है, जिससे अमेरिकी नेतृत्व के हालिया बयानों पर सवाल खड़े हो गए हैं। रिपोर्ट के अनुसार, डोनाल्ड ट्रंप और रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने पहले दावा किया था कि हालिया संघर्षों के बाद ईरान की सेना को भारी नुकसान हुआ है और उसकी ताकत काफी कमजोर हो चुकी है। लेकिन पेंटागन की खुफिया रिपोर्ट इन दावों से पूरी तरह असहमत नजर आ रही है।

ट्रंप ने बढ़ाया युद्ध विराम, पाकिस्तान की अपील का दिया हवाला: इस आंतरिक खुफिया आकलन के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के साथ युद्ध विराम को और बढ़ाने की घोषणा की है। उन्होंने इस निर्णय का कारण पाकिस्तानी नेतृत्व द्वारा एक नियोजित सैन्य हमले में देरी के लिए की गई सीधी अपील को बताया। यह घोषणा पिछले समय-सीमा समाप्त होने से कुछ घंटे पहले सार्वजनिक की

गई। हालांकि, इस घोषणा का तेहरान से तत्काल विरोध हुआ। ईरान के संसद अध्यक्ष के एक सलाहकार, महदी मोहाम्मदी ने अमेरिकी कदम को खारिज करते हुए कहा कि हारने वाला पक्ष शर्तें तय नहीं कर सकता। उन्होंने तर्क दिया कि यह विस्तार ईरानी सरकार के लिए कुछ भी मायने नहीं रखता और अमेरिकी सेना के खिलाफ सैन्य वृद्धि का आह्वान किया। एक्स पर एक पोस्ट में, मोहाम्मदी ने कहा कि ट्रंप द्वारा युद्ध विराम का विस्तार कुछ भी मायने नहीं रखता क्योंकि हारने वाला पक्ष शर्तें तय नहीं कर सकता। उन्होंने यह भी तर्क दिया कि घेराबंदी जारी रखना बमबारी से अलग नहीं है और इसका जवाब सैन्य रूप से दिया जाना चाहिए।

कूटनीति असफल, तनाव बरकरार: बीते दिनों दोनों देशों के बीच इस्लामाबाद में हुई 21 घंटे की लंबी बातचीत के बाद एक दीर्घकालिक समझौते को सुरक्षित करने का पिछला प्रयास बिना किसी सफलता के समाप्त हो गया था, जिससे तनाव और बढ़ गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि ईरान की सैन्य शक्ति अभी भी पश्चिम एशिया में एक महत्वपूर्ण और प्रभावशाली स्थिति बनाए हुए है। उसके सैन्य ढांचे को पूरी तरह कमजोर नहीं किया जा सका है।

ब्लू ओरिजिन की तीसरी उड़ान विफल: गलत कक्षा में पहुंचा संचार उपग्रह

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी अंतरिक्ष परिवहन कंपनी ब्लू ओरिजिन ने एक उपग्रह लॉन्च किया। यह एएसटी मोबाइल का 'ब्लूबर्ड 7 संचार उपग्रह' था। लेकिन यह उपग्रह गलत कक्षा (ऑर्बिट) में भेज दिया गया। इसलिए यह सही तरीके से काम नहीं कर पाया। इससे इसका मोबाइल से सीधे संपर्क करने वाली प्रणाली काम नहीं कर सकी। नतीजा यह हुआ कि कंपनी को उपग्रह को निष्क्रिय करना पड़ा। ब्लू ओरिजिन का न्यू ग्लेन रॉकेट रविवार सुबह लॉन्च हुआ था। यह लॉन्च फ्लोरिडा के केप कैनावेरल से किया गया। रॉकेट का पहला चरण (बूस्टर) सफल रहा। यह अटलांटिक महासागर में एक बिना मानव वाले जहाज पर सुरक्षित उतर गया। लेकिन रॉकेट अपना मुख्य काम पूरा नहीं कर सका। यानी वह संचार उपग्रह को पृथ्वी की निचली कक्षा (लो अर्थ ऑर्बिट) में नहीं भेज सका। एएसटी स्पेसमोबाइल ने प्रक्षेपण के बाद जारी बयान में कहा कि उपग्रह अलग हो गया और चालू भी हो गया। लेकिन उसकी ऊंचाई बहुत कम है। जिससे वह अपने थ्रस्टर से काम नहीं कर सकता और अब उसे कक्षा से हटाया जाएगा।

भारत-न्यूजीलैंड के बीच फ्री ट्रेड डील को बताया बटर-चिकन सुनामी

वेलिंगटन, एजेंसी। भारत और न्यूजीलैंड के बीच अगले हफ्ते फ्री ट्रेड डील साइन होने वाली है। न्यूजीलैंड सरकार के मंत्री भारत के साथ डील साइन करने के लिए नई दिल्ली आने वाले हैं।

इससे पहले न्यूजीलैंड के एक वरिष्ठ मंत्री ने इस डील का मजाक उड़ाते हुए विवादित बयान दिया है, जिसकी न्यूजीलैंड में रह रहे भारतीय समुदाय के लोग भी निंदा कर रहे हैं।

भारत-न्यूजीलैंड डील के कई फायदे

न्यूजीलैंड सरकार ने भारत के साथ होने वाली इस डील को किसी एक पीढ़ी में एक बार होने वाली डील बताया है। इस डील से न्यूजीलैंड के कारोबार को दुनिया के सबसे ज्यादा आबादी वाले देश भारत के विशाल घरेलू बाजार तक पहुंच मिलेगी।

अधिकारियों ने एएफपी को बताया है कि इस समझौते के तहत 20,000 से ज्यादा भारतीय, न्यूजीलैंड में प्रवेश कर सकते हैं।न्यूजीलैंड के साथ इस

फ्री ट्रेड डील का फायदा भारत को होने वाला है। इस डील के तहत न्यूजीलैंड अगले 15 सालों में भारत में 34 अरब (18 खरब) का निवेश करेगा।

फ्री ट्रेड डील को बताया बटर-चिकन सुनामी- न्यूजीलैंड में सत्ताधारी गठबंधन की सहयोगी, दक्षिणपंथी लोकलुभावन पार्टी एनजेड फर्स्ट ने इस डर से इस डील से अपना समर्थन वापस ले लिया है, क्योंकि इससे देश की सीमाएं हजारों भारतीय नागरिकों के लिए खुल जाएंगी।

पार्टी के उप-नेता और क्षेत्रीय विकास मंत्री शेन जोन्स ने कहा कि उनकी पार्टी इस समझौते को कभी स्वीकार नहीं करेगी।

जोन्स ने रियलिटी चेक रेडियो से कहा, मुझे इस बात की कोई परवाह नहीं है कि हमारी कितनी भी आलोचना हो, मैं न्यूजीलैंड में बटर चिकन सुनामी आने पर कभी सहमत नहीं हो सकता।

भारतीय समुदाय के लोगों ने की निंदा

न्यूजीलैंड में भारतीय समुदाय के समूहों ने इन टिप्पणियों की व्यापक रूप से नस्लवादी बताते हुए निंदा की है। ऑकलैंड इंडियन एसोसिएशन की अध्यक्ष शांति पटेल ने पब्लिक ब्रॉडकास्टर आरएनजेड से कहा, यह हर किसी के लिए बेहद चिंताजनक है।

विपक्षी सांसद प्रियंका राधाकृष्णन ने जोन्स की इन टिप्पणियों को पूरी तरह से नस्लवाद बताया। उन्होंने कहा, यह अस्वीकार्य है और नेताओं को इस तरह के बयान नहीं देने चाहिए जैसे उन्होंने दिए हैं।

जहाज टोस्का की रिहाई के लिए यूएन पहुंचा ईरान, अमेरिका के खिलाफ की शिकायत; बिना शर्त छोड़ने की रखी मांग

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी। ईरान और अमेरिका के बीच तनाव एक बार फिर बढ़ता हुआ नजर आ रहा है। ईरान ने संयुक्त राष्ट्र (यूएन) से अपील की है कि वह अमेरिका पर दबाव डाले ताकि ईरान के एक व्यावसायिक जहाज टोस्का और उसके चालक दल को तुरंत रिहा किया जा सके। ईरान के संयुक्त राष्ट्र में राजदूत अमीर सईद इरावानी ने इस मुद्दे को लेकर संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस और सुरक्षा परिषद के अध्यक्ष को एक पत्र लिखा है। इस पत्र में उन्होंने अमेरिका के इस कदम पर गंभीर चिंता जताई है। पूरे मामले को ऐसे समझिए कि ईरान का कहना है कि उसका एक व्यापारिक जहाज टोस्का को अमेरिकी बलों ने ओमान सागर में, ईरान के तट के पास पकड़ लिया। यह घटना एक दिन पहले हुई बताई जा रही है। राजदूत इरावानी के मुताबिक, यह कार्रवाई जबरदस्ती और धमकी के साथ की गई और जहाज के कर्मचारियों और उनके परिवारों की जान को खतरे में डाला गया। उन्होंने इस घटना को गैरकानूनी और शत्रुतापूर्ण बताया।

अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन?

अब इस मामले में ईरान का आरोप है कि अमेरिका की यह कार्रवाई अंतरराष्ट्रीय कानून के खिलाफ है। ईरान ने दावा किया है कि यह एक तरह से समुद्री डकैती जैसा व्यवहार है। इससे दुनिया के अहम समुद्री रास्तों की सुरक्षा को खतरा पैदा होता है। इरावानी ने कहा कि इस तरह की घटनाएं क्षेत्र और दुनिया की शांति को बिगाड़ सकती हैं।

युद्धविराम का भी उल्लंघन?

इसके साथ ही ईरान ने यह भी दावा किया कि यह घटना उस संघर्षविराम का उल्लंघन है, जिसकी घोषणा अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 7 अप्रैल को की थी। ऐसे में अब ईरान ने संयुक्त राष्ट्र से मांग की है कि अमेरिका की इस कार्रवाई की कड़ी निंदा की जाए और जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जाए। इतना ही नहीं मामले में ईरान का यह भी कहना है कि जहाज, उसके कर्मचारियों और उनके परिवारों को तुरंत और बिना शर्त रिहा किया जाए।

प्रकृति संरक्षण हमारी सामूहिक जिम्मेदारी, स्वच्छता अभियान रहेगा जारी : उपायुक्त

नमामि गंगे के तहत मेगा स्वच्छता अभियान का समापन, वॉकथान एवं व्यापक सफाई कार्यक्रम आयोजित

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। नमामि गंगे कार्यक्रम के तहत बुधवार को स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण का संदेश जन-जन तक पहुँचाने के उद्देश्य से 14 अप्रैल से जिले में मेगा स्वच्छता अभियान प्रारंभ किया गया था। यह अभियान बुधवार को विश्व पृथ्वी दिवस के अवसर पर भव्य कार्यक्रम के साथ संपन्न हुआ।

वाकाथान से दिया गया स्वच्छता का संदेश

समापन दिवस पर उपायुक्त अजय नाथ झा, उप विकास आयुक्त शताब्दी मजूमदार, अपर समाहर्ता मो. मुमताज अंसारी, चास नगर निगम के मेयर भोलू पासवान एवं उप मेयर पूजा कुमारी सहित अन्य जन प्रतिनिधियों एवं पदाधिकारियों ने गुब्बारे उड़ाकर बोकारो एयरपोर्ट से गरगा पुल तक वाकाथान का शुभारंभ किया।

गरगा नदी तट पर चला विशेष सफाई अभियान

वाकाथान के उपरांत गरगा नदी तट पर व्यापक सफाई अभियान चलाया गया। इस दौरान उपायुक्त, उप विकास आयुक्त सहित जिला स्तरीय पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने स्वयं झाड़ू उठाकर श्रमदान किया।

सफाई मित्रों एवं संगठनों का सम्मान

अभियान को सफल बनाने में योगदान देने वाले सफाई मित्रों, लायंस क्लब, दामोदर बचाओ आंदोलन सहित अन्य संगठनों के प्रतिनिधियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

अभियान निरंतर जारी रखने का आह्वान

मौके पर उपायुक्त अजय नाथ झा ने अपने संबोधन में कहा कि बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती पर मेगा स्वच्छता अभियान का शुभारंभ हुआ था और आज विश्व पृथ्वी दिवस पर इसका समापन हो रहा है। यह अभियान समाप्त नहीं हो रहा है, बल्कि इसे नियमित रूप से जारी रखना है।

गंगा दशहरा पर गरगा महोत्सव का आयोजन

उन्होंने कहा कि आने वाले गंगा दशहरा पर गरगा महोत्सव का आयोजन किया जाएगा, जिसमें सभी घरों से लोग शामिल होंगे।

पृथ्वी संरक्षण की सामूहिक जिम्मेदारी

उन्होंने कहा कि यदि प्रकृति को बचाना है, तो हमें अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी। हम सभी मानते हैं कि सौरमंडल में सूर्य केंद्र में है और कई ग्रह परिक्रमा कर रहे हैं परंतु जीवन केवल पृथ्वी पर ही संभव है। इस कारण पृथ्वी का महत्व सर्वोपरि है और इसे संरक्षित करना हम सभी की जिम्मेदारी है।

आदिवासी जीवनशैली से लें प्रेरणा, प्रकृति संरक्षण का संदेश

उपायुक्त ने कहा कि बिरसा मुंडा ने कम आयु में अपने प्राण त्याग दिए, लेकिन आज भी उन्हें धरती आबा के रूप में याद किया जाता है। उन्होंने कहा कि आदिवासी समाज का जीवन जल, जंगल और जमीन से जुड़ा हुआ है तथा वे प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने सभी से आह्वान किया कि हम भी अपने भीतर आदिवासी भावना और आदिवासियत के गौरव को आत्मसात करें, ताकि प्रकृति संरक्षण को अपने जीवन का हिस्सा बना सकें।

व्यक्तिगत जिम्मेदारी एवं प्रतिबद्धता पर जोर

उन्होंने कहा कि हम सभी इस धरती पर सांस ले रहे हैं, इसलिए इसे सुरक्षित रखना हमारा कर्तव्य है। हमें यह समझना होगा कि हम अपने दैनिक जीवन में पर्यावरण के प्रति कितने प्रतिबद्ध हैं और अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन किस प्रकार कर रहे हैं।

पौधारोपण एवं प्लास्टिक मुक्त बोकारो का लक्ष्य

उपायुक्त ने कहा कि इस वित्तीय वर्ष में जिले में दो से तीन लाख पेड़ लगाने का लक्ष्य रखा गया है तथा बोकारो को प्लास्टिक कचरे से मुक्त बनाने का प्रयास किया जाएगा।

वर्षा जल संचयन को अनिवार्य बनाने के निर्देश

उन्होंने कहा कि इस वर्ष होने वाली वर्षा के जल को व्यर्थ नहीं जाने दिया जाएगा। हर गांव का पानी गांव में, स्कूल का पानी स्कूल परिसर में तथा अपार्टमेंट का पानी उसी परिसर में संरक्षित किया जाएगा। इसके लिए वर्षा जल संचयन (वाटर हार्वेस्टिंग) को अनिवार्य रूप से लागू किया जाएगा। जहां इसकी व्यवस्था नहीं है, वहां पहले जागरूक किया जाएगा और आवश्यकता पड़ने पर कार्रवाई भी सुनिश्चित की जाएगी।

स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण की शपथ

इस अवसर पर उपायुक्त ने उपस्थित सभी लोगों को स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण की शपथ दिलाई, जिसका सभी ने सामूहिक रूप से दोहराव किया। उधर, आप अपने संबोधन में उप विकास आयुक्त शताब्दी मजूमदार ने स्वच्छता को जन-आंदोलन बनाने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि छोटे-छोटे क्षेत्रों को चिन्हित कर नियमित सफाई से बड़ा परिवर्तन लाया जा सकता है। चास नगर निगम के मेयर भोलू पासवान ने कहा कि गंदगी से होने वाली बीमारियों से बचाव के लिए स्वच्छता बेहद जरूरी है तथा प्रत्येक नागरिक को इसके प्रति जागरूक होना चाहिए। मौके पर डीएलओ द्वारिका बैठा, डीपीआरओ रवि कुमार, कार्यपालक अभियंता पीएचईडी राम प्रवेश राम, जिला शिक्षा अधीक्षक अतुल कुमार चौबे, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार सिंह,सिविल डिफेंस,चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज, लायंस क्लब,रोटरी क्लब के प्रतिनिधि विभिन्न प्रिंट इलेक्ट्रानिक मीडिया के प्रतिनिधि आदि उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

ट्रक एवं ऑटो की टक्कर में दो की मौत कई घायल

पेटरवार/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो - रामगढ़ एनएच 23 के चरगी घाटी स्थित रजरप्पा मोड के समीप सड़क दुर्घटना में दो लोगों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई, जबकि लगभग 6 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को पेटरवार के अस्पताल में भर्ती कराया गया। बताया गया है कि दोनों वाहनों का आपस में टक्कर होने से टाटा 709 का ड्राइवर गाड़ी में ही बुरी तरह से फंस गया, जिससे उसकी मौत घटना स्थल पर ही हो गई। वहीं पेटरवार से गोला जा रहा ऑटो भी दुर्घटनाग्रस्त वाहनों की चपेट में आ गया, जिसमें बैठे सवारी में कुल पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। कुछ घायलों को समुदायिक सवस्थ केंद्र पेटरवार लाया गया, जिसमें दो महिला व एक तीन वर्ष की बच्ची जिन्हें काफी चोट लगी है। इस टक्कर में टेम्पू ड्राइवर रबिन्द्र महतो की मौत घटना स्थल पर ही हो गई। दुर्घटना की सूचना पर पेटरवार पुलिस घटना स्थल पर पहुंची। गाड़ी में फंसे ड्राइवर को जेसीबी की मदद से केबिन से बाहर निकाला गया। दुर्घटना के बाद रामगढ़ बोकारो मुख्य मार्ग पूरी तरह से जाम हो गया। स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि यहां बराबर दुर्घटना होती है। पुलिस के द्वारा सिर्फ छोटे गाड़ियों का चेकिंग किया जाता है। बड़ी गाड़ियों की कभी चेकिंग नहीं होती, जिसके कारण यहां बार-बार ऐसी घटनाएं होती है। ग्रामीणों ने मांग की है कि ऑटो चालक गरीब घर से था। इसलिए जो सरकारी प्रावधान है उसके अनुसार उसके परिजनों को मुआवजा मिलना चाहिए। जिससे उसके छोटे-छोटे बच्चों की परवरिश और पढ़ाई लिखाई हो सके।

धनबाद में बढ़ते अपराध पर अंकुश लगाए पुलिस प्रशासन : समाजसेवी

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। जिले में लगातार बढ़ रहे अपराध की घटनाओं को लेकर समाजसेवी कन्हाई चौहान ने गहरी चिंता व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि हाल के दिनों में अपराधियों के हौसले इतने बुलंद हो गए हैं कि आम नागरिक खुद को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। प्रेस वार्ता के दौरान कन्हाई चौहान ने हाल ही में हुई शुभम यादव की हत्या का जिक्र करते हुए कहा कि इस घटना ने पूरे जिले को झकझोर कर रख दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि हत्या के इतने दिन बीत जाने के बावजूद पुलिस अभी तक अपराधियों तक नहीं पहुंच पाई है, जो कानून व्यवस्था पर बड़ा सवाल खड़ा करता है। उन्होंने इसे प्रशासन की बड़ी विफलता और दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति बताया। उन्होंने आगे कहा कि धनबाद में खुलेआम कोयला चोरी का धंधा जारी है, लेकिन जिम्मेदार एजेंसियां इस पर प्रभावी कार्रवाई करने में नाकाम साबित हो रही हैं। उनका कहना था कि बीसीसीएल और सीआईएसएफ की मौजूदगी के बावजूद अवैध खनन और कोयला चोरी रुक नहीं रही है, जिससे यह साफ जाहिर होता है कि कहीं न कहीं लापरवाही या मिलीभगत की स्थिति बनी हुई है। कन्हाई चौहान ने प्रशासन से मांग की कि जिले में कानून व्यवस्था को मजबूत करने के लिए सख्त कदम उठाए जाएं। उन्होंने कहा कि अपराधियों पर त्वरित कार्रवाई होनी चाहिए ताकि आम जनता में भरोसा कायम हो सके। साथ ही उन्होंने कोयला चोरी जैसे संगठित अपराध पर भी प्रभावी रोक लगाने की अपील की। प्रेस वार्ता के अंत में उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही स्थिति में सुधार नहीं हुआ तो समाज के लोग आंदोलन करने को मजबूर होंगे।

जनता दरबार में समस्याओं से अवगत हुए उपायुक्त

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन द्वारा कार्यालय कक्ष में जनता दरबार का आयोजन किया गया। इस दौरान उन्होंने जिले के शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों की समस्याओं को सुना एवं अश्वासन दिया कि उनके सभी शिकायतों का जल्द से जल्द जाँच कराते हुए उचित समाधान कराया जाएगा। जनता दरबार में भूमि मापी करने, गैराबद सरकारी भूमि को अवैध कब्जे से मुक्त कराने, तालाब बंदोबस्ती, गोविंदपुर - साहेबगंज सड़क निर्माण, होमगार्ड बहाली, बीबीएमकेयू की लापरवाही की शिकायत, लीगल गार्जियनशिप सर्टिफिकेट, छत के ऊपर से बिजली का तार हटाने, अवैध कब्जा, आपसी विवाद, मारपीट, धमकी, आर्म्स लाइसेंस, चौकीदार की सेवा संपुष्टि का लाभ देने, जमीन का मुआवजा देने, रैयती भूमि पर अवैध खनन, सेल द्वारा भूमि अधिग्रहण के पश्चात मुआवजा नहीं देने समेत कई अन्य शिकायतें तथा आवेदन प्राप्त हुई। उपायुक्त ने लोगों को पूर्ण भरोसा दिलाया कि आपकी समस्याओं को दूर करना जिला प्रशासन की प्राथमिकता है। जिला प्रशासन विधि सम्मत आपकी हर समस्याओं को दूर करने का प्रयास करेगा।

संजय कुशवाहा समेत तीन लोगों को अदालत ने किया बरी

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। वर्ष 2021 के चर्चित मामले में अदालत ने फैसला सुनाते हुए पूर्व सांसद पीएन सिंह के आवास पर कथित हमले के आरोपी संजय कुशवाहा समेत तीन लोगों को बरी कर दिया है. इस निर्णय के बाद आरोपियों और उनके समर्थकों में राहत का माहौल है. यह मामला कोरोना संक्रमण काल का है, जब डायमंड रेलवे क्रॉसिंग के समीप स्थित रेलवे कॉलोनी को खाली कराने के लिए प्रशासनिक कार्रवाई चल रही थी, उस समय स्थानीय लोगों में असंतोष था और वे पुनर्वास के लिए समय की मांग कर रहे थे. इसी क्रम में संजय कुशवाहा के नेतृत्व में कुछ लोग तत्कालीन सांसद के आवास पर अपनी बात रखने पहुंचे थे. बाद में इस घटना को लेकर आवास पर हमला करने का आरोप लगाते हुए मामला दर्ज किया गया था. मामले में आरोपी बनाए गए संजय कुशवाहा ने फैसले के बाद कहा कि यह पूरी तरह से साजिश के तहत दर्ज कराया गया केस था. उनका कहना है कि वे लोग कॉलोनी के निवासियों के लिए थोड़े समय की मोहलत मांगने सांसद के आवास पर गए थे। न कि किसी प्रकार का हमला करने।

भाजपा नेताओं ने नव पदस्थापित एसपी से मुलाकात कर कानून-व्यवस्था पर की चर्चा

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। भाजपा नेता कमलेश राय के नेतृत्व में बोकारो के नवपदस्थापित पुलिस अधीक्षक नाथू सिंह मीणा का औपचारिक स्वागत किया गया। इस अवसर पर भाजपा प्रतिनिधिमंडल ने जिले की विधि-व्यवस्था एवं ट्रैफिक समस्या को लेकर विस्तृत चर्चा की। नेताओं ने शहर में बढ़ती यातायात समस्याओं, जाम की स्थिति तथा कानून-व्यवस्था को और सुदृढ़ करने की आवश्यकता पर जोर दिया।

फोस्टर केयर पर एक दिवसीय प्रशिक्षण सह उन्मुखीकरण कार्यक्रम आयोजित

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। हर बच्चे को परिवार के संकल्प को साकार करने की दिशा में बोकारो जिला लगातार प्रयासरत है। इसी क्रम में आज मिशन वात्सल्य के तहत फोस्टर केयर कार्यक्रम को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से एक दिवसीय प्रशिक्षण सह उन्मुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन चंदनकियारी प्रखंड अंतर्गत चंदनकियारी पश्चिम पंचायत भवन में आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम जिला बाल संरक्षण इकाई एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग द्वारा संचालित किया जा रहा है। इसके सफल क्रियान्वयन हेतु झारखंड राज्य बाल संरक्षण संस्था, यूनिसेफ तथा सेंटर फॉर चाइल्ड राइट्स- द्वारा तकनीकी सहयोग प्रदान किया जा रहा है, जिससे कार्यक्रम की गुणवत्ता एवं प्रभावशीलता में निरंतर वृद्धि हो रही है। प्रशिक्षण के दौरान फोस्टर केयर से संबंधित सभी प्रमुख पहलुओं पर विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। कार्यक्रम के सफल आयोजन में जे एस एल पी एस के बी पी एम प्रभात एवं उनकी टीम की अहम भूमिका रही। उनके मार्गदर्शन में ही इस प्रशिक्षण सह उन्मुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिससे कार्यक्रम का संचालन सुव्यवस्थित एवं प्रभावी रूप से सुनिश्चित हो सका। कार्यक्रम के मुख्य प्रशिक्षक श्री अनुराग मेहता (मॅटॉर, फोस्टर केयर) रहे, जबकि उन्मुखीकरण सत्र का संचालन बिनय कुमार बिश्वास, जिला तकनीकी विशेषज्ञ द्वारा किया गया। उन्होंने फोस्टर केयर की प्रक्रिया, पात्रता, चयन प्रक्रिया तथा आफ्टर केयर के अंतर्गत बच्चों के पुनर्वास, शिक्षा, कौशल विकास एवं रोजगार से जोड़ने के विभिन्न पहलुओं पर विस्तृत जानकारी साझा की। प्रशिक्षण के दौरान जानकारी दी गई कि फोस्टर माता-पिता बनने की **पात्रता:** विवाहित/ अविवाहित/ एकल/ विधवा/ तलाकशुदा व्यक्ति आवेदन कर सकते हैं। आवेदक का झारखंड का निवासी होना, शारीरिक एवं मानसिक रूप से स्वस्थ, भावनात्मक रूप से सक्षम, आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर तथा किसी भी आपराधिक रिकॉर्ड से मुक्त होना आवश्यक है। **आयु सीमा:** दंपत्ति के लिए संयुक्त आयु 70-115 वर्ष तथा एकल अभिभावक के लिए 35-60 वर्ष निर्धारित है।

ऐसे बच्चे जिनके माता-पिता नहीं हैं या जो परित्यक्त, अनाथ, बाल श्रमिक, बाल विवाह, तस्करी, शोषण या एच आई वी/एड्स से प्रभावित हैं। निवास प्रमाण पत्र, आय प्रमाण पत्र, वैवाहिक स्थिति प्रमाण, पहचान पत्र, संदर्भ पत्र एवं जन्म प्रमाण पत्र आदि दस्तावेज आवश्यक है। उन्हें ₹8 लाख से कम वार्षिक आय वाले फोस्टर माता-पिता को प्रति बच्चा ₹4000 प्रतिमाह की सहायता प्रदान की जाती है।

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य : प्रतिभागियों को योजना की गहन समझ प्रदान करना था, ताकि अधिक से अधिक जरूरतमंद बच्चों को संस्थागत देखभाल के बजाय पारिवारिक माहौल में बेहतर संरक्षण मिल सके। विशेषज्ञों ने बताया कि फोस्टर केयर बच्चों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने का एक प्रभावी माध्यम है, जो उन्हें भावनात्मक सुरक्षा, सामाजिक स्वीकृति और बेहतर भविष्य प्रदान करता है। कार्यक्रम के अंत में प्रतिभागियों ने इसे अत्यंत उपयोगी बताते हुए जमीनी स्तर पर इसके प्रभावी क्रियान्वयन का संकल्प लिया। सभी प्रतिभागियों ने समुदाय में जागरूकता बढ़ाने तथा अधिक से अधिक जरूरतमंद बच्चों को इस योजना से जोड़ने का भरोसा दिलाया। यह पहल बोकारो जिले में बच्चों के सुरक्षित, स्नेहपूर्ण एवं सम्मानजनक भविष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण और सशक्त कदम के रूप में उभरकर सामने आई है।

बंगाल विधानसभा चुनाव से पहले सीमा पर हाई अलर्ट

पांच प्रमुख चेक पोस्ट का एसएसपी ने किया निरीक्षण, सघन जांच के निर्देश

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। पश्चिम बंगाल में गुरुवार को होने वाले विधानसभा चुनाव के मतदान को शांतिपूर्ण और निष्पक्ष तरीके से संपन्न कराने के लिए सीमावर्ती इलाकों में सुरक्षा व्यवस्था पूरी तरह से कड़ी कर दी गई है। इसी क्रम में बुधवार को एसएसपी प्रभात कुमार ने धनबाद जिले से सटे पश्चिम बंगाल के बॉर्डर क्षेत्रों का व्यापक निरीक्षण किया और सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान एसएसपी ने मैथन डेम कलयाणेश्वरी चेकपोस्ट, मैथन टोल चेकपोस्ट, चिरकुंडा चेकपोस्ट, पंचेत चेकपोस्ट और बलियापुर चेकपोस्ट का दौरा किया। इस दौरान उनके साथ ग्रामीण एसपी एस. मोहम्मद याकूब, निरसा एसडीपीओ रजत मणिक बाखला, अंचल पुलिस निरीक्षक, संबंधित थाना प्रभारी और ओपी प्रभारी सहित बड़ी संख्या में पुलिस अधिकारी मौजूद रहे। चेकपोस्टों के निरीक्षण के क्रम में एसएसपी ने सुरक्षा इंतजामों की बारीकी से समीक्षा की। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिया कि सीमा से गुजरने वाले सभी वाहनों की सघन जांच सुनिश्चित की जाए। हर वाहन के साथ-साथ उसमें सवार व्यक्तियों की तलाशी ली जाए और उनकी पहचान का सत्यापन किया जाए। साथ ही सभी वाहनों के नंबर को रजिस्टर में दर्ज करने का निर्देश भी दिया गया, ताकि किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर तुरंत कार्रवाई की जा सके। एसएसपी ने बताया कि पश्चिम बंगाल की सीमा से लगे सभी संवेदनशील स्थानों पर स्थायी चेकपोस्ट स्थापित किए गए हैं। इन चेकपोस्टों पर मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में भारी संख्या में पुलिस बल की तैनाती की गई है। उन्होंने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिया कि चुनाव प्रक्रिया पूरी होने तक इन चेकपोस्टों पर 24 घंटे कड़ी निगरानी रखी जाए और किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सीमावर्ती इलाकों में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस गश्त को भी तेज कर दिया गया है। एसएसपी महोदय ने पैदल पेट्रोलिंग बढ़ाने के साथ-साथ संवेदनशील इलाकों में विशेष निगरानी रखने के निर्देश दिए।

बाइक चोरों के गिरोह का भंडाफोड़, 8 बाइक के साथ 4 चोर गिरफ्तार

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बरवाअड्डा थाना पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने बाइक चोरी करने वाले एक सक्रिय गिरोह का पदार्फाश करते हुए चार चोरों को गिरफ्तार किया है। साथ ही इनके पास से चोरी की आठ मोटरसाइकिलें भी बरामद की गई हैं। सिटी एसपी ऋत्विक श्रीवास्तव ने बुधवार को प्रेसवार्ता में जानकारी देते हुए बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि दो संदिग्ध युवक चोरी की बाइक के साथ किसान चौक की ओर जा रहे हैं। सूचना के आधार पर पुलिस ने वाहन जांच अभियान चलाया। इसी दौरान किसान चौक के पास दो युवकों को रोककर तलाशी ली गई, जहां वे चोरी की मोटरसाइकिल के साथ पकड़े गए। पकड़े गए आरोपियों से पूछताछ में गिरोह के अन्य सदस्यों के बारे में जानकारी मिली। इसके बाद पुलिस ने छापेमारी कर कुल चार अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों में सुजीत कुमार महतो, मुकेश कुम्हार, श्यामलाल महतो और विजय महतो उर्फ हरिलाल महतो शामिल हैं। पुलिस जांच में यह भी सामने आया है कि सभी आरोपी पहले भी चोरी, ट्रक चोरी और डकैती जैसी घटनाओं में संलिप्त रहे हैं और कई बार जेल जा चुके हैं। बरामद मोटरसाइकिलों में हीरो स्प्लेंडर प्लस और होंडा शाइन समेत अन्य वाहन शामिल हैं, जिनमें कुछ बिना नंबर प्लेट के भी पाए गए है। पुलिस आगे की कार्रवाई में जुटी हुई है और गिरोह से जुड़े अन्य लोगों की तलाश की जा रही है।

झारखंड स्टेट बार काउंसिल के नव निर्वाचित सदस्य का तेनुघाट में अधिवक्ताओं ने किया स्वागत

तेनुघाट/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। झारखंड स्टेट बार काउंसिल के सदस्य पद पर निर्वाचित अधिवक्ता मृत्युंजय कुमार श्रीवास्तव के तेनुघाट आगमन पर स्थानीय अधिवक्ताओं ने उन्हें गर्म जोशी से स्वागत किया। इस अवसर पर आयोजित सम्मान समारोह में मृत्युंजय कुमार श्रीवास्तव को गुलदस्ता भेंटकर और माला पहनाकर स्वागत किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में व्यवहार न्यायालय तेनुघाट के अधिवक्ता उपस्थित रहे। ज्ञात हो कि, अधिवक्ता मृत्युजंय कुमार श्रीवास्तव बोकारो में प्रैक्टिस करते हैं। झारखंड स्टेट बार काउंसिल चुनाव 2026-2031 में शानदार जीत दर्ज करने के बाद वे तेनुघाट पहुंचे थे। इस अवसर पर अधिवक्ता संघ अध्यक्ष कामेश्वर मिश्रा, महासचिव वकील प्रसाद महतो ने कहा कि हमारे जिला के अधिवक्ता मृत्युंजय कुमार श्रीवास्तव की जीत पूरे झारखंड के वकील समुदाय के लिए गर्व की बात है।

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव को लेकर डीसी-एसपी ने इंटर स्टेट चेकनाका का किया निरीक्षण

सीमा सील कर सघन जांच, पेट्रोलिंग और सख्त अनुपालन के दिए निर्देश

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। पड़ोसी राज्य पश्चिम बंगाल में विधानसभा निर्वाचन 2026 के तहत गुरुवार को मतदान है। इसको लेकर बुधवार शाम उपायुक्त अजय नाथ झा एवं पुलिस अधीक्षक नाथू सिंह मीना ने चंदनकियारी प्रखंड अंतर्गत इंटर स्टेट चेकनाका विरखम एवं मुर्गातल का निरीक्षण किया। इस दौरान दोनों अधिकारियों ने सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेते हुए प्रतिनियुक्त दंडाधिकारी एवं पुलिस पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक ने निर्देश दिया कि अंतर्राज्यीय सीमा पूरी तरह सील रखी जाए तथा किसी भी परिस्थिति में अवांछित तत्वों की आवाजाही नहीं होने दी जाए। मुख्य मार्गों के साथ-साथ वैकल्पिक रास्तों पर भी सतर्क निगरानी रखने को कहा गया। डीसी एवं एसपी ने चेकनाका पर तैनात अधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी छोटे-बड़े वाहनों की सघन जांच सुनिश्चित की जाए। किसी भी संदिग्ध गतिविधि या सामग्री मिलने पर तत्काल नियमानुसार कार्रवाई करने को कहा गया। अधिकारियों ने सीमावर्ती क्षेत्रों में निरंतर पेट्रोलिंग करने तथा निर्वाचन आयोग के निदेर्शों का सख्ती से अनुपालन सुनिश्चित करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण चुनाव संपन्न कराने के लिए प्रशासन पूरी तरह सजग और प्रतिबद्ध है। जिले के चास, कसमार एवं चंदनकियारी प्रखंड के सीमावर्ती क्षेत्रों में भी सघन जांच अभियान जारी है। इसके अलावा जिले के सभी अंतर जिला बार्डर पर भी लगातार जांच की जा रही है।

सिवनडीह से बीएस सिटी स्टेशन एवं जोधाडीह से आइटीआइ मोड़ तक फ्लाईओवर का डीपीआर तैयार

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। समाहरणालय सभागार में बुधवार को उपायुक्त अजय नाथ झा की अध्यक्षता में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित हुई। बैठक में सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम, यातायात प्रबंधन, स्कूल बस सुरक्षा, राष्ट्रीय राजमार्गो पर संरचनात्मक सुधार तथा प्रवर्तन कार्रवाई की समीक्षा की गई। समीक्षा क्रम में उपायुक्त ने पिछली बैठक में दिए गए निदेर्शों के अनुपालन की जानकारी ली। इस दौरान एनएचएआइ द्वारा बताया गया कि राष्ट्रीय राजमार्ग 23 पर सीवनडीह मोड़ से बोकारो स्टील सिटी स्टेशन मोड़ तथा जोधाडीह मोड़ से आईटीआई मोड़ तक फ्लाईओवर निर्माण को लेकर डीपीआर तैयार है तथा प्रक्रिया पूर्ण कर जल्द निर्माण कार्य शुरू किया जाएगा। उपायुक्त ने इसे उच्च प्राथमिकता देते इसकी नियमित मॉनिटरिंग का निर्देश दिया। वहीं, उपायुक्त ने एनएचएआई, डीटीओ, ट्रैफिक डीएसपी, बीडीओ/सीओ, बालीडीह थाना प्रभारी एवं माराफारी थाना प्रभारी को सीवनडीह मोड़ का संयुक्त भ्रमण कर दुर्घटना की दृष्टि से जांच कर आवश्यक प्रस्ताव तैयार करने का निर्देश दिया।

स्कूल बस सुरक्षा पर विशेष जोर

बैठक में उपायुक्त ने कहा कि स्कूली बच्चों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट की गाइडलाइन के अनुपालन सुनिश्चित करने, स्कूल बस चालकों के लाइसेंस सत्यापन, पुलिस वेरिफिकेशन तथा हेल्थ चेकअप की व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा।

अवैध पार्किंग, गंदगी और रॉन्ग डायरेक्शन पर सख्ती

उपायुक्त ने राष्ट्रीय राजमार्गों पर खड़े बड़े वाहनों की अवैध पार्किंग पर जुमार्ना वसूलने, सड़क किनारे गंदगी फैलाने वालों पर कार्रवाई करने तथा 24 से 48 घंटे के भीतर फुटपाथ एवं पाथवे की सफाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। रॉन्ग डायरेक्शन में चलने वाले वाहनों के विरुद्ध ट्रैफिक पुलिस एवं डीटीओ को विशेष अभियान चलाने को कहा गया।

पेट्रोल पंपों पर हेलमेट और सीट बेल्ट नियम का पालन अनिवार्य

उपायुक्त ने निर्देश दिया कि बिना हेलमेट अथवा सीट बेल्ट लगाए किसी भी वाहन चालक को पेट्रोल नहीं दिया जाए। नियम उल्लंघन पाए जाने पर पेट्रोल पंप संचालकों पर लाइसेंस रद्द तक की कार्रवाई की चेतावनी दी गई।

शहरी यातायात प्रबंधन व वैकल्पिक सड़क प्रस्ताव पर जोर

बैठक में चास नगर निगम क्षेत्र में प्रवेश करने वाले वाहनों से टैक्स वसूली तेलमाचो ब्रिज के समीप सुनिश्चित करने तथा राष्ट्रीय राजमार्ग एवं सड़क निर्माण विभाग को सड़क किनारे नालियों की साफ-सफाई कराने को कहा गया। साथ ही उकरीद मोड़, जैनामोड़ आदि क्षेत्रों में एनएच से लेफ्ट दिशा की ओर जाने वाले वाहनों के लिए मोड़ से 75 - 100 मीटर अलग सड़क निर्माण का प्रस्ताव तैयार करने का निर्देश दिया गया।

मॉर्निंग वॉक, एंबुलेंस सेवा और ढाबों में छापेमारी को लेकर निर्देश

राष्ट्रीय राजमार्गों पर मॉर्निंग वॉक करने वालों पर पूर्ण अंकुश लगाने। 108 एंबुलेंस सेवा को संवेदनशीलता के साथ संचालित करने, रात्रि वाहन जांच अभियान चलाने तथा उत्पाद विभाग को ढाबों में सघन छापेमारी अभियान चलाने का निर्देश उपायुक्त ने दिया।

गुड समरिटन को किया सम्मानित

बैठक के दौरान सड़क दुर्घटना में घायलों की मदद कर मानवता का परिचय देने वाले गुड समरिटन को उपायुक्त द्वारा सम्मानित किया गया। उपायुक्त ने कहा कि संकट की घड़ी में पीड़ितों की सहायता करने वाले ऐसे लोग समाज के लिए प्रेरणा हैं। उपायुक्त ने कहा कि सड़क सुरक्षा के प्रति सभी विभाग समन्वय के साथ कार्य करें, ताकि दुर्घटनाओं में कमी लाकर सुरक्षित यातायात व्यवस्था सुनिश्चित की जा सके।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक कमल किशोर द्वारा डी.बी. कॉर्प. लि. के लिए भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, गोविंदपुर मेन रोड, अशोक नगर, केजी आश्रम, धनबाद (झारखंड) से मुद्रित तथा प्लांट नंबर-31, कॉपरेटिव कॉलोनी, बोकारो स्टील सिटी, जिला बोकारो (झारखंड) से प्रकाशित। संपादक कमल किशोर, नवबिहार टाइम्स (दैनिक), सत्येंद्र नगर, औरंगाबाद (बिहार), स्थानीय संपादक : मनोज विशाल
फोन नंबर-
9431145865
8210783623
आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या :
JHAHIN/2017/72655
E-mail-
nbtimesbihar@gmail.com

CMYK